



ASHA ARCHIVES

1.881



1.681

POSTAL ARCHIVES

9

५८३

नाम्न ६

५५

१

क्रीडथ या यथ तं धनका उवाच वया वाचनं वीनकन ॥ ॥ आदिया ख काले न ग इया हा रा क वलसु धी ३
 रुवि कुरुलसु सयन रुया उ विष्णु त धनलि धी ३ म रुवि कुरुया नाहिन सदृश कमल उत्पत्ति रुया उ धनलि धम
 रुश कमलया मृदिस धी ३ वृक्षा उत्पत्ति रुल धवलसु धी वृक्षा न रुलसा यथा धृष्टि या ययात विराल या हा उ
 विष्णु त धनलि पचिनी न कसया त या यू यिका या उ धि कल न का उ छ त धवलसु ध यू सी न रुलसा म रु
 वी त य रा क्रमि मधु के त व धा या ना म दे स निष्क उत्पत्ति रुया उ डाल धी वृक्षा न रुलसा शो ग ध्या न या हा उ विष्णु त
 धवलसु लख या रु रा म य रुया उ वान वलसु ध मधु के त व रा न या त था समा ला उ रुल धवलसु सदृश य ध क म
 लया वृल्ल धवलसु वृक्ष ना उ था रु डाल धवलसु धी ३ वृक्षा या था स थ न धवलसु वृक्षा या त सा लि या हा उ कृति

श्री म

२

कलक यतनं थवलसु श्री वक्रान् श्री गामाया आगधनायातं थवलसु श्री गामाया उयलिहलं थनलि
श्री गामाया नयनं वक्रा श्री विक्रया गगर्कना इयकलं ॥ थवलसु श्री विक्रनसु तहास्यं मधु केतव धायाः
नाम देत्यन वक्रायात सांक्षिया कस्ययात श्री विक्रनसु लसां थमनं विद्या हात थक्र देत्यत गलसं ख्यी
दातदसमं ज्ञनगयकात्रन मरुकात्रासग्रास युद्धया हात विक्रत थनलि श्री विक्रनसु लसां देत्ययायताः
क्रमय हात श्री मरु विक्रनसु लसां देत्ययात आकादयकलं हा मरुविलदेत्य कनयताक्रमय हात त्रिम
राखसिइयधुना धर्क धायात छिमिहान त्रिकवल कोठधर्क श्री मरु विक्रन आकादयकलं थवलसु लसां
देत्यन ज्ञनकालनधर्क हा विक्र कनं यवल कोठधर्क धायात कनत त्रिमिहान त्रितययायधनधर्क धायात

क. त्रिन

रुद

२

कनकं यवल कोठधर्क कनसु लसां त्रिमिहान त्रिकवल कोठधर्क देत्यन विक्रयात ज्ञनकालनधर्क थवलसु श्री विक्र
न आकादयकलं हा देत्य त्रिन कोठधर्क कनवियीताधर्क विक्रन आकादयकलं थवलसु देत्यनसु लसां धा
ल हा विक्र कन कोठधर्क त्रिनविधधर्क विक्रयात धायात सयवाया हात थवलसु श्री विक्रनसु लसां
धा ल कयनीनिह त्रिलालतीन अनमालधर्क धायात थवलसु देत्यनधर्क आकादयय त्रिकालनधर्क धाय
त थनदेत्य श्री मरु विक्रनसु लसां थताकयाठ सुदर्शनरुका कायात निर्कसा हात सील धे हात विल थवल
स देत्यया हिर्न दागर्न गलसु उठलं यया दतान हायात गलं मयहात ताकस्यं तां नाता कोरता नितान
यवत मिमा ल को उयलिहलं थवलसु श्री वक्रान् यथा लसीयातं त्रिमयगुलि कुवनं छिदियातं कृष्ण

श्रीम

३

लसाहृशोक हवाशोक स्वशोक मरुशोक शनशोक तयशोक सुखशोक थडानया कामयातल तलातल नसाकल
याताल सुतल यतल अकल थत कसायाताल हला ॥ ॥ थत धनकाडा यागुलियवत सुधियात दृष्टधालसा सुभ
यवत गन्धमान दयवत केलासयवत दिमालयवत त्रिकृतयवत चितुकुटयवत आयवत ॥ थत यागुलिय
वत दिग्दिगससुधियात ॥ थत धनकाडा शीशुकाजननविष्टत धनलि यतु मयवका नरुलसा थडागडा
यातुतिन मरायीनद कृपयापतिष्ठका उत्थरियात रुनखडा यातुतिन विरधिधाया नामक न्याकका उत्थरिय
त थयनि नका शीशुका नमिपुत्रयाठाविल धनलि विलनिशा गरुसदत पिलाखला मिलासयधुदया
डा कन्यागात हल थुगुलिकथन दद रुसलका कन्या उत्थरिहल ॥ कश्च यमयीयात कन्यादान विययात वी

राद
३

लनीयाक समधालयात धनलि थडास्वामिया आरुठडा त्रिडाखधकधाल थवलस कन्यादानविय
यात सामग्रीताललातकल कश्च यमयीवाडायातल मिस्रका कन्यायनीवियत यागहन धनलि
सुधालसा अदितिधयाका दितिधयाका दन्धयाका कागधयाका यनाधयाका सिंदि काधयाका काडाध
याका वाधधयाका वलिठधयाका दिनकाधयाका कपिलाधयाका कदुधयाका मन्त्रधयाका ॥ थत कन्य
यनी कश्च यमयीयात कन्यादानविल धनलि थ कश्च यमयीया रतानदयाडातल ॥ अदितिधयाका याकन
०० नुदुहति तिसकाति दवता उत्थरिहल ॥ दितिधयाका याकन कर धकसुत्र पुहति देखदका उत्थरि
हल ॥ दन्धयाका याकन पुलाद पुहति दानडादका उत्थरिहल ॥ कागधयाका याकन यनाधयाका कन्या

श्रीम

५

सिधायक यार्क, राक्षक तु उत्तरि हर्तु ॥ कोषाधायक यार्क न कोटयका उत्तरि हर्तु ॥ यादाधायक यार्क न
 रंता विग्राहमा उर्वसि युहति ज्युतादका उत्तरि हर्तु ॥ वलिष्ठधायक यार्क विननाधायक यार्क गन्धयुह
 ति यं द्विदका उत्तरि हर्तु ॥ कपिलाधायक यार्क न कामधेन सिंह याद्यु रलायुहति यष्टदका उत्तरि हर्तु ॥
 रुनककुयाक न ॥ ७ ॥ वनाग युहति न जूनक बालसुकी यद्य मलयक कलील उकीता तदुका शंख युहति उत्
 तरि हर्तु ॥ ॥ रुनी दक्ष प्रगयति न वीलनीयाक समधालयात लावी गवी जडा धर्मयात कन्यादानवियसाल
 धर्कधायक विप्रनीनधर्तु लाखा मित्रिडा धर्क गथमातु जर्थयास्य विष्क न धर्कधायक दक्ष प्रगयती न हर्तु
 ला धर्मवानकलक यडा मालका सामाग्रीताल तातकाडा माला न च याडा वीलनीन डलधायक यकाडा दक्ष प्र

हाद

५

प्रगयति न थडा म्मा रयनि कीर्तिधायक लक्ष्मीधायक धृतिधायक मधधायक युद्धिधायक श्रद्धाधायक
 क कयाधायक वृद्धिधायक लक्षधायक प्रधृतिधायक धर्तु रिक्त म्मा र धर्मयात कन्यादानविल ॥
 ॥ रुनी दक्ष प्रगयति न रन्ध्रमायात कन्यादानविययात समधायक यडा रन्ध्रमावानकलक यडा मालः
 कोयकु गालन सामग्रीताल तातकाडा रिठदिनकडू सुवलास थडा म्मा रयनी नानाविद विविद तिसानति
 यकाडा म्मा र उला रुन ज्युषी धीधायक रुगधीधायक कर्तिकाधायक गदिधीधायक मृगशीधायक
 क अडाधायक पुनर्वसुधायक पुष्यधायक ज्येष्ठाधायक मघाधायक पूर्वाषाढाधायक उतु
 रुगधीधायक रुसाधायक चित्राधायक स्वातिधायक विशाखाधायक ज्येष्ठाधायक अश्लेषाधायक

५

श्रीम

(३)

मूलधायकः पूर्वधायाकः उग्रधायाकः अवधायाकः धनं धायकः शतरिधायाकः पूर्व
रुद्रधायाकः उग्ररुद्रधायाकः नवलीधायाकः धनं नियन्त्रकः शक्रायनी कन्यादानविधायकः कथयजं वीर
नकलकृयाः यकृयात तालुलातकाः विप्रनीन कमधुननगलधायकः यकाः मादसुवलासु रन्द्रमायातः
उ शक्रायनी कन्यादानविलं कन्यादानविधायकः रन्द्रमायातः यकाः विधायकः धनं नि नियन्त्रकः न
कृत्रगनरुलं ॥ धनं ॥ ॥ कर्पास्वर्गं यावन्निज्ञाय ॥ ॥ स्वर्गं स दकृपुत्रायति धायनाम दवता कृष्णं
स्यं शठ ध दकृपुत्रायति धाय शक्रायनी सुयभाकाटिदस्यं शठ कृयादिनसु स्वर्गं स दवलाकयनि समर्क सर
द यकाः साकृति यावन्निज्ञाय ध वलसु द वलाकन धिधि आसु द यकसु विज्ञायतं रवडाधर्क जिरीसु सूर्याः

काद

(३)

कन्यामदनि आतागथ यायमालधर्क द वलाक साकृति यावन्निज्ञाय आतामिरीसु इदि पात सुनानया
कविशीउ थतातथमर्न यायनू या धर्क आतामिरीतवरु स्यं शठ दकृपुत्रायति धाय शक्रायनी अदिकदस्यं श
ठ धयनिधायकलकृयनू या धर्क समधालया ताः श्री नात्रदमवी धत्रयाक आसु द यकलं रानात्रदकृल
या ल दकृपुत्रायति धायकः नमालधर्क रानात्रदकृ नधालसा ताया कन्यायनी अदीकदस्यं शठ धर्क नायनिधि
तविद्यं दलामदला पितविद्यदतसा द वलाकयनि सु नधर्क विनति यात कलरु त्रिष्ठं स दलधर्क आसु द यकि
ता थलि अकृल थाल विज्ञायता यतद यकसु विज्ञायमालधर्क आसु द यकाः धनं वं विधायकः धनं नि द वला
कया आसु थ नात्रदमवी धत्रया ताः दकृपुत्रायति धायकः द वलाकयनि सन आसु द यकाः रकासु समर्क कताः

शीम

६

दकुपुत्रायतिनधाय, लानात्रद, कुलयालून, आसुदयक खठडाउ, त्रिभुतिरुसिहयधुना, कुलयालुविष्णु
 ठागु अहीठथका, आउथलितोदवलाकयनिमन, आसुदतसा, अवस्यनत्रिउध, त्रिभुतरयनि, दवलाकः
 यनिमर्थि, वियदतसा त्रिभुकातउराग्यधक, त्रिभुकायनिसंतउराग्यइला, गथिंठतउराग्य त्रिधक, दकु
 पुत्रायति, धमथधर्म, मंहासुसिहल, रुनंदकुपुत्रायतीनधाल, लानात्रद, कुलयालु, विष्णुठागुअ, अवस्यन
 त्रिउराधक, आसुदधुविष्णुइल, कुताइकीतिनधाय, त्रिभुकायनिदकायाथस, अवस्यनवियइला, सतिदवि
 कुकइकावियमइ, त्रिसंयक्रियालखुआलमाल, विचालयाकंमाल, त्रिकायभासामइ, त्रिकायभासाधालसा, भुकाः
 वभासाधायसा, धकुक्रितसा, यत्रसवदकायाथस, थिकलइला, दिनयाथस, दवलाकयनिमन, ववखुइधा

लाद
 ६

सु-पनि३

ल, उरुइ त्रिउराधक, आसुदयकिउ, दवलाकयनिमन, ग(थ)राहइल, अर्थयाविष्णुइलधक, दकुपु
 त्रायतिन, नात्रदयात, लियुतविशाउ, धननात्रदयात, अन्नठामान्ययाठाउ, पुत्रायतं, पुत्रालवनायाठा
 उ, धतधूनकाउ, नात्रदन, दकुपुत्रायतियाक, वलाकायाउ, नात्रदमषीअत्र, दवलाकविष्णुकथास, वि
 ष्णुतं धनलि, दवलाकनइलसा, शीनात्रदमूनियाकदंन, लानात्रदमूनियत्र, कुलयालुविष्णुठागु, ग(थ)
 शानसिद्धयाठाउ, अयधूनलाधक, आसुदयकाउ, नात्रदमूनिनइलसा, दकुपुत्रायतिनधकाखसमलक
 न, लायत्रमअत्र, दवलाकयनि, त्रिउठागुअ, सिद्धयाठाउ, अयधुनाधक, लिसलकन, धनलि, दकुपुत्रायती
 नधकाख, दवलाकयनिकन, लादवलाकयनि, थलितोदवलाकयनीमन, आसुदतसा, कुयमत्रि

श्रीम

१

ॐ उ। अथ नृपति उवाच कक्षया उ। हल दिनथासं कलया लसन। गायु कक्षाल उवाच नृपति उवाच कक्ष
या उ। हल दिनथासं कलया लयनि साकृतीन। ग। थ। ग। ग। हल अथ या स विष्णु नृपति दिन कलया ल
यनि सन सा स विष्णु नृपति कक्षया उ। हल थ त द कृ पुरा पति या लि सल ख ड ठा उ। द व ला क य नि म ह
अ न नृ ह या उ। ह र्ष मान या ठा उ। द व ला क य नि लि ह विष्णु त थ न लि द व ला क य नि स न ह ल र्सा री ठ ठ
दी न सा या उ। दी न क न क ल क र्त्त थ न लि थि थि माल माल गु साम गी ताल लाल का उ। विष्णु त थ न दी न त
या उ। दिन या व ला स द व ला क य नि स क र्त्त थि थि शाय का उ। सू य का ह ति द व ता क न्या दान काल विष्णु त थ
न लि द व ला क य नी क न्या दान का य या त स क र्त्त विष्णु क र्त्त ठा उ। द कृ पुरा पति थ म र्थ थ र्म म ह र्ष मान

रा ५

१

ह या उ। ग ला न न सा मं गी न या त या ठा उ। द व ला क य नि स थ उ। क य प नि स क र्त्त ठा उ। श कृ श कृ गी न क न्या दान
वि ल ॥ ॥ थ न लि क न्या दान का य ध न का उ। माल का वि राल सं राल या य ध न का उ। द या का या उ। म ह
ह र्ष मान या ठा उ थ उ। २ क लान श ठा उ थ उ। २ अ स न सं विष्णु त ॥ ॥ थ न लि ल छि वाल छि उ। स न लि क
कृ या दी न स के ला स य द न स श्री म ह द व न ह ल सा अ न ध्या न या ठा उ। सा स विष्णु त सा यान लि श्री म ह द व न
अ ला द न सा उ। सा उ। थ द व ला क य नि स न कि क व र न अ न छि ना र्थ सा कृ ति म या र्थ थ थ म ह का उ। ठा उ। क
न्या दान का य ध न का उ। स र्व न री न कि थ र्थि ठ के ला स या थ क ल ह या उ। म ह द व र्थि ठ धा य का उ। थ ठा य। कि
ॐ हिया न म ध र्म थि थ म ह का उ। ठा उ। ॐ हिया न ध न का उ। लान ध र्क श्री म ह द व या मन स राल या उ विष्णु त
॥ ॥ थ न लि र्त्त श्री म ह द व न अ न ध्या न या ठा उ। सा स विष्णु त थ थ सा यान लि श्री म ह द व न अ ला द य
का थ द व ला क य नि स न सा धा न का उ। श म स र्त्त र्व न कि न सा मान या क नि र्व न ध र्क थ म र्थ थ र्म म ह र्ष मान

श्रीम

८

शर्लः शिर्नर्कन्याकृष्णः लनकनयाअः नअनिखर्नः आअजिनः दऊयुगायनियाकः सऊयः शिः
 थअनथमंअनधर्कः दऊयुगायनियाकः श्रीमदादवविष्णुर्नः श्रीमदादवविष्णुकः दऊयुगायनि
 नखडाअः थअकलानयाऊअनधर्लः श्रीमदादवविष्णुर्नः श्रीमदादवविष्णुकः श्रीमदादवविष्णुकः श्रीमदादवविष्णुकः
 कलौअः कयअलखः थयाथानकः वानकः सयनार्यमययायः गथधालसाः नसाधालसाः नसाधालसाः
 शिः धगुलः शिसाधालसाः कननार्यः अनेयनसनकः विदुतिननियाअइः वसाधालसाः स
 मसानयाः नलिनव्याअइः शसाधालसाः शिश्रदम्वः गसाधालसाः कथथसाः साधाल
 साः धऊगुलिः वानिधालसाः दिगंवरः थथिंदकः शिर्नकसऊयअलखधर्कः खडाकोवाकव
 लसः श्रीमदादवः कथनकलअर्लः थनलिः श्रीमदादवनः सलनर्लः सगुसलगायाअः दऊयु
 गायनिनः कासायाअधयाः श्रीमदादवः कयअयाः कयअनडाः धअधर्कधयाअः दऊयुगायः

साद

८

नियाकः कर्नर्लमदः यार्दमदः सियनार्यमदयर्कथार्नः धनर्लिः दऊयुगायनियाऊअनः श्रीमदाद
 वनः आकादयकलः शदऊयुगायनिः शिर्नकः मवगानिमिलिनअयामखः कनककन्याकृष्णः लडा
 आकादः धर्कन्याजिर्नकन्यादानवियमालः कनधालसाः केलासयाथकलः मसादवइयाअथायाक
 न्यामदनिः आअकनदयानः मवदवलाकयनिसः सकलसः उकाप्रइलाः थवलाकथिइयाअथाया
 वरिपानमधूललः दवयालाखसमडालः थूलियानिमिलिनः शिर्नकअयाः शिर्नगाधइयाअः
 थोदः कनकावः शिर्नकन्यादानवियमालधर्कः श्रीमदादवनः आकादयकसविष्णुर्नः धनलिः दऊ
 युगायनियाः मसाकाधयाअधालः श्रीमदादवः शिर्नकः थथिंदसूयप्रिः कननगाथशकृशलः ध
 कंधयाअः कनधनकः वानकः कइः धालसाः कनार्यः समसानयानलिनव्याअः कइकाअइ
 ००अः शिसाधालसाः सायनार्यर्यकः विमकननियाअथानिअः असाधालसाः धयाऊगुलिः शस

श्रीम

५

श्रीलसातिशुत्रः दम्भः गसाधलसाः कथयुताः नसाधलसाः नमः गतिः धनुः वा निधलसाः दिगवमः
 थर्थिदक्रयातः जिह्वावशात् लाः थथेनकः जिह्वालायायतुलधर्कः दजपुत्रायतिनः सदादवयानः
 धायाः थधायाः मदयकः लंगरंगनः लाडाः न्वाडाः पिमिकाडाः धनलिः श्रीमदादवः सदादवः
 नः लक्ष्म्यायाः आयायदमसियाः पिदाविष्काडाः मननलयाः थदकपुत्रायतिनः थलिगावध
 नः रुक्मिण्यायकयः विद्यमदतसाः विद्यमदधर्कधायानमगकलाः थथीवधनः साक्षियायकयध
 कः ज्येष्ठायदनमसिः जूननः वैकुण्ठसः विष्णुयाकविष्कर्तः धनलिः विष्कनः श्रीमदादवविष्कर्तः
 खडाडादतासनः लसालडाडाः वसालायाः जूनगः लानआगमकाडाः लितादागवायकाडाः
 थडाकसविष्कर्तः धनलिः श्रीमदादवयारुलसयाडाः श्रीविष्कनः दागडागलयाडाः विननियाग
 डाः खदस्यविष्कर्तः धनलिः श्रीमदादवनः जाकदगः लाविष्कः दिनकडायाः भवतामवः कधल
 साः कसमिसामदक्रयाः कनमभः सूर्याहलसाः कसदक्रयाः थनैमदः थलियानिमिलिनः जिह्वन

साद

५

कडायाः लाविष्कः गथधलसाः दवलाकयनिः सकलसंः कन्यादानकायधनकाडाः सुखनः आ
 तंदनवानः आगतिनतायाडाः मायानडाः दजपुत्रायतिनः कः कन्याककलडाडायादः थर्क
 न्याः जिह्वाडादानः दजपुत्रायतिनः जिह्वाधायाः थधायाः मदयकः रंगरंगनः न्वाडाडादलः
 थर्थिदवधनः जिह्वाविष्काडाः थगुलिदः खनः जूनडानः थनडानः मसियाडाः जिह्वनक
 डायाधर्कः समसुखकनः धनलिः श्रीविष्कनः जाकदगः लायत्रमभः थलियानिमिलिनः कलया
 लः दागवायविष्कर्तः ललाः कलयालयः सवकः जिह्वायालाः थलिष्कः जिह्वाडाः दिनथर्थः सि
 द्याडाडायाः कलयालयः धनलिः विष्कनः धर्कधायडाः श्रीमदादवः लनकतयाडाः श्रीमदावि
 विष्कः दजपुत्रायतिनः कविष्कर्तः धनविष्कः गथविष्कनधलसाः विष्कमायानः नाकययाडाः साका
 खकाः मसियाडाः विष्कर्तः थखडाडाः दजपुत्रायतिनः लसाः जूनगलानः भवतामयाः आगमकाडाः थ
 यथडाडाः वसालायाडाः श्रीमदाविष्कः थडाकविष्कर्तः धनलिः दजपुत्रायतिनधलः लासदावि

श्रीम

१०

कलयाः कुनिमिर्त्तिनः, त्रिकविश्वार्कः, दहाडा, धनविष्कनः, आकादयकाडा, आदह्युजायति, त्रिन
धायगुलिविलसा, त्रिनधायः, मविलसा, त्रिनधायधर्कधायडा, श्रीविष्कयाखलकाडा, दह्यु
जायति, अतिरुमिश्रयाडाधर्कः, शानदाविष्ककलयालसनः, कुधाल, आगुलिवियइला, आकादय
कस्यविष्कनधर्कधायडा, श्रीविष्कनआकादयकागु, अदह्यनवियमखलाधर्कः, सखयावायागका
डा, आकादयकल, आदह्युजायति, त्रिनमवताधायमख, कुनधालसा, धर्कथयाधकलहयाडा, श्री
महाविष्कथिधायकाडा, आकादय, अदह्युजायति, त्रिनमवताधायमख, कुनधालसा, धर्कथयाधकलहयाडा, श्री
नकायधूनकाडा, सखनवान, आडा, त्रिनः, कुनधालसा, धर्कथयाधकलहयाडा, श्री
पजायति, त्रिनधाल, आकादय, अदह्युजायति, त्रिनमवताधायमख, कुनधालसा, धर्कथयाधकलहयाडा, श्री
या, आडा, अदह्युजायति, त्रिनमवताधायमख, कुनधालसा, धर्कथयाधकलहयाडा, श्री
काडा, विष्कथडा, अदह्युजायति, त्रिनमवताधायमख, कुनधालसा, धर्कथयाधकलहयाडा, श्री
महाविष्कथिधायकाडा, आकादय, अदह्युजायति, त्रिनमवताधायमख, कुनधालसा, धर्कथयाधकलहयाडा, श्री

दाद

१०

धर्क

कलयालयातत्राः मधयानि, आडा, आयकधग, धेमा, लधमाडा, श्रीमहादवनधालः, लविष्कः, त्रिन
कुधायः, कलयालसनः, धमा, धेमा, आयकधग, धेमा, लधमाडा, श्रीमहादवनधालः, लविष्कः, त्रिन
मासविष्कनः, दिनधक, मालनिः, धक, कुकलयालः, माला, धमिश्रयाडा, लालः, यलहनः
हयकाडा, अतिरु, साता, आगिरुयाडा, अरुसद, सायाडा, अरुसदयकिडा, हविष्कः, हदह्युजायति
वितति, कामविसः, कन्यादानकालसा, विलसा, निष्कलः, त्रिनमवायविमधर्कः, आकादयकिडा, धवः
लसः, त्रिनधायः, लशानिः, कुनमवायविमधर्कः, धनत्रिवला, धिर्नः, हतासइलाधर्कधायडा, कुथः
नत्रिथसनि, अमाधर्कः, वाका, अतयः, धवलसः, कलयालयातः, कन्यादानलातकाविमधर्कः, स
दुतियाकाडा, श्रीमहादवनधालः, धनलिः, दीनतयाडा, विष्कनः, श्रीमहादवनधालः, अथः

वि

श्रीम

११

कावर्कः समर्पितयात्रयादाजः अर्नः धनविष्कनरुलसाः श्रीमहादेवः धनज्जालात्प्रसवित्रक
निधर्कः मरुधर्धकायाडाधानः ज्जालगध्यायः वलाहतासइलाः मरुधर्धः ज्जालात्प्रसवित्रक
कनिः थर्थत्रितर्कन्यादानदुयधालसाः मरुधर्धयात्रविषमजिलाः कन्यादानमदुसधानममसा
मरुधर्धमवित्रकधर्कः ज्जतिर्वधकायाडाधानवलसः श्रीमहादेवनः मासाकनूमनः धनमः
रुधर्धनलातयाडाः विष्कयादिनत्राथनिइलाः वलाहतासइयदुताधर्कः वामीवगधाः विष्कया
थासवित्रार्तः धनत्ररुसालासदुसायाडाः मरुधर्धनध्याडाः ताददुप्रदायतिः लाविष्कः द्विथथा
दः वृद्धकालकथइलाः नयमखनतादताः त्रिताळूनरुनजयाः त्रितहिकामविष्कः कन्यादानका
लसाः कन्यादानविलसाः ज्जवसनत्रिनजयविष्कः निष्कयधर्कध्याडाः धनविष्कनज्जालादयकली

हा ५

११

य३

लायाथत्रागिः कनसनायविष्कमनः कनसनायज्जवसनगलिडाः थर्थिनवलादुकिर्नरुतास
इलाः कथनदुहाशयाडानिधाधर्कध्याडाः थअत्रासतयाडातर्नः गधिर्दवलासथः
नधालसाः कन्यादानविष्कानः मामनः ताहाथाडाडाधानः ववूनः कन्यामालाहानडाडाधानः
दः विष्कनदुमाडाधानः थर्थिर्दवलासः विष्कमायानय्याडाः मामववुमासिखाः कृषकृषवाः
मकाडाः थाथमालाहानिसः कन्यामालाहानः थाथमालाहानिसतयाडाः थयकायूनतयाडाविलः
थनलिः लियानसः लाहानसालनाम्नः विष्कमालाहानमधुः थाथत्रागिमालाहानहयाडाधानः थ
नलिः ददुप्रदायतिनधालः लाविष्कः कनत्रिथलितकयतनलाळूनमतायाः कनत्रिथः ज्जनाडाः
सिमागाः कथनायविष्कसः खलायः ज्जालागः ज्जविष्कधर्कध्याडाः ज्जगवधनध्याडाधानः

हा ४

१२

श्रीम

१२

रायतिः सति दविः अशक्यमायः वन्द्यालविष्कनः कवतनलाताः कुरुदिनशलाः कृमायकनलालः
नाः श्रीमद्राथशगिशलाः श्रीमद्रागिजनायः जनेनामादुनिधकः क्षमायाः ववनदक्षुषरायति
नः थथक्षमायाः थकन्याजतिदुः खनवित्रायमार्तः ॥ थनलिः कन्यायामनसलालयाजः अशक्यम
मः त्रिकर्मथथीकशुनाः कुरुयनिः सकलर्माः दवलाकयनिसकलाताः त्रिशककृमायायनखः थथ
दश्राथशगिमाकलाकधकः मरुदुः खनषायाजधानः थनलिः श्राथनक्षमाः लोकेन्याः अशमिः
जिसः कृजाननूमाधकक्षमायाः थश्राथदुजदुजः थकन्यालिजः तमाजजानः थथजका
जः थकन्याश्रायायायाजः जनेगलालयाजः अशक्यमायः त्रिशविनविमरुदुः कुरुनमातः ववा
नविमरुदुः मयामममाधर्ममदुः कृमायः थश्राथहेतसीः शीगिशलसीः थस्वामिद्रिकः दवला

हा ५

१२

कुरुदिनः थश्राथत्रिपाननाथथकाधकः लालयाजजानः थनलिः थश्राथनक्षमायाः लासुन्दलि
कुरुवृत्तुनअमाधकक्षमायाः थकन्यानक्षालः त्रिशवृत्तुनअमः कृतपालदधनविश्रुन
श्राथसलिलशलाः मिश्वाने मरुताः कुरुसतविक्रममालधकक्षमायाः जनेः कुरुनः कन्याम
मतसः मरुधक्षकायाजजानः थथथिदश्राथत्रिथथिदसुन्दतिः थनसुधतः थनः जमाजः
त्रिस्वामिः गथनमायः दूखसधकः मरुधक्षकायाजजानः थनलिः श्रीमरुदवश्राथनलालय
जः थकन्यायामनसः गुलितायायदुः गुलितधम्मदूखसस्वप्रधकः लालयाजः जनेनः अः
कन्याननः केलासववृत्तमायासः त्रिस्वाकुरुखादप्रकलः थश्राथनक्षालः लाकेन्याः त्रिमिस
कुरुदुधकाः थनिनाधकककाजः थकसमाजः सतिदविमामनसलालयाजः नात्रायनहि

आम

१३

व२ः त्रिगर्थि गर्थिः कृ सधा नाः आ अ त्रिहि खा कृ सला क धर्कः म हा दू ख न धानं रुनं मन न त
ल या अः कृ मा मः गु गु लि थ अ स्वा मि मा कृः रि खा कृ इ ल साः श्व व द्यु मा कृ थ का धर्कः ल ल या अ
कृ थ न क ल अ नः थ न लिः थ आ थ न धर्कः ल क न्या मि त्रि कृ थ थ काः दू हा अ का अ सु ख न धा कः
धर्क ध मा अः द धर्क ग धा त न धा वि दू मा अः खाल च त क न का अः ल ल ना मा खाल सा मा अः रि खा
कृ मा खा या ख का अः मा खा पि खा न पु का श धा क गु लिः वि लि वा लिः न हा ल क दू हा अ का अः वा कृ टः
तु द्वि का मा अः वृ प् का अ धानं थ न लिः स ति द वि मा म न सः म हा दू ख न धानं थ न लिः आ थ न धर्क हा ५
माः ल स न्द त्रिः त्रि हा दू वि न त्या नू लाः र ति नि द का श धा न धर्क ध मा अः न सः ग त्रिः ध तु लः ल
क ति का अः तू खा का र्द द का श धानं थ न लिः स ति द वि दू क्ति नः रु ता स वा लः कृ मा म धर्क लू ख १३

का स धा का अः ल ल ना मा खाल त्र क सा मा अः म न न ल ल या अः थ न सूर्या म् ग्व क माः श्व च ल म दूः
इ धा नः धा नः अ मा अः त्रि ल ल नाः कृ मा म दूः त्रि अ धर्कः म हा धि धा का मा अ धानं थ थ धा धा धा
कृ आ कृ द मा अः अ नः थ न लिः थ आ थ न द का अः स्व मा अः क ला त मा त न्या नः ल र्वा दाल मि साः त्रि थः
थि द व ध नः वि न धा का अः हा का ति का अ त लः कृ थ म द्र क कृ स धानः त्रि द द धर्कः धा म म दू ना धर्कः
रु न त्रि ख दू म थ नः कृ न न य म् माल ला धर्कः न्वा का अः स ति द वि न धा लः ल स्वा मिः कृ ल या ल मा सु ख न
अ ल सा का अ धा कः त्रि न थ न म कालाः त्रि हा न य ध न धर्क ध मा अः थ आ थ धा लः कृ न कृ न मा धर्क धा
मा अः स ति द वि धा लः थ न कृ सः म धि व त्रिः द द गु लि न य ध न धा मा अः म हा द व आ थ न ल ल या अः थ
न दू स ख लानः कृ स कृ व लु क म दू याः कृ न कृ श धर्कः ल ल या अ धानं थ न लिः थ क न्या नः ग थ धाः

न३

श्रीम

१४

निअधालसाः मातखालः सागलानकाजः नमाथं दनकधानिअः सिद्धीतिनाजः खलवनकनकाजः
तिवानलानकधानिअः थथं वाढः समसंखमाजः सतिदविमाः मनसंखतिधमखिवाजः थथाथन
तिखसिहमाअधालः लकनमाः त्रिडाकलनमगकनिः रुनखविनिः ददाअधानधकः ददाअधानः थः
नकलानतः नमधकं सालनासनः सामा२ गुलिथलयतिः माखायिखानः रुकजुकाजावाः वसुः
कः कंमदः भर्षिदथासः कुसायधकः लालनामाखालइकासामाजः नखाकासंवाँनः थथवाढसं
मसंसायाजः श्रीमहादवः अतिखसिहमाअधालः लसतिदविः मित्रिसंखगुलिमखथकाः श्रीमाः
हिखाकः सनकिअधमाजः सतिदविनधालः लसामिः हिवाअवाढगुलिः कामसनकः मित्रिसगनजम
जनधानः लानमार्तनिः कलयालआथसलिलहलाः दिदनेमिसाअनः मखखः श्रीरुदसः विआमस

धकं २

राद

१४

नअधकंधमाजः थथाथः अयदकाजः हिखाकयनकाजकानः थनलिः केलासथनकाजः क
सामाजः सतिदविनधालः लय२ गथेदथकधकः दिमिक्कमासिनः तअत्रिक्कः थथिदकः दिन
गनंमखनाधकः कत्रकखनामागुनः सतिदविः अतिखसिहलः थनलिः निक्कः वृकदथसवानाः
अथनश्रीमहादवनः श्रीरुदमकलः लसतिदविः सासविकायाजः वथिअधकंधमाजः सति
दविनसासविकायाजः वथिलाअविलः थनलिः श्रीमहादवः वथिलाकथासः विआकाजः सतिदः
वियातः दर्शनविलः कथइकानिलकथमाकाजः कवलधालसाः निमल्लदूतकिरमाः उनसलिलमा
काजः आशालमाननः सर्वसाममगकः थथिदवंधनः गालनमतकायवंधनः मरुसुदनखा
लमाकाजः सतिदविमातः दर्शनविलः थथसामाजः सतिदविनहलसंधिमाजः धन्य२ त्रिराहा

श्री म

११

धर्कः आस ह्यदव ख नः क्रित सा मिला क धर्कः म ह्य ह्य र्ख मा त मा ढा उः ह्य गा स र्नः ना हा न ग्रा त लः
या उः स्व वा क् ५ मा उः दर्श ने या तः थ न लिः न र्क स र्नः र्थ वा म तः ना नाः म धि रु ल दु ल ता व ल
द य का उः ल ग्न न मा स वि श्रु थ लि धू न का उः सि व स किः आ न न न वि श्रु तं ॥ ॥ थ न लिः रु नः
ग र्थि कः थः द द्रु य ग्रा य ति काल साः सु य सा का तिः द व ता र्थः स सु तः व व ह या उ वा ढः न ति स का तिः
द व ता र्थः मा न या ढा उ त याः म ह्य य रा क मः थ मा उ वा ढः ग र्थि क य रा क म काल साः व द्दि नः व ह स ति
अ स मा नः न ग्न नः सु अ स मा नः वि श्रा सः आ स उ स मा नः द व नः क व न स मा नः व ल नः व लि अ स मा नः
क्रा ध नः नू ड स मा नः थ र्थि कः म ह्य पु रा क मिः द द्रु य ग्रा य ति याः का ठा नः का ठिः क्का व य नि
द उः थ क्का व य निः द कः सु य स का तिः द व ताः कः वि स त माः म वि ला कः द व ला कः द व लाः

रा ५

११

कः द द्रु ग न्ध वः कि न्न तः ना क्क सः आ स ह्य द वः आ दि नः वि या अ त या क्कः थ ग्ग लिः प्र का न न
स म र्कः थ अ व स मा ढा उः सु त त स न वः वि त वि न स दि त या ढा उः य त मः आ न न नः काल ह
ढा उः वा ढ ह ला ॥ ॥ थ न लिः क्क द्रु या दि न सः थ द द्रु य ग्रा य ति नः क ला न मा ढा उ न ध य
सा वि ल धिः ता का द ताः दि नः य क्क मा य ध कः म न न ता ल या उ वा ढाः आ उ ग्गि नः अ श्व म धः द रू य
मः मा ल का सा म ग्रीः ता न ला त कि उः रु नः क्का व य नि द र्कः वा न क ल क्का उः रु नः द व ला कः यः
दुः गी ध वः कि न्न तः ना क्क सः म वि ला कः ना ग ला कः अ व व सः द ग दि ग या न द काः दि ला ग्न न य निः
नि र्ग ना मा त क तः क्का अ ध र्कः रु नः पु रा दि नः व ह स तिः थ वा न क क्का अ ध र्कः आ हा वि या अः थ
त थ अ स्या मिः द द्रु य ग्रा य ति याः आ ह्य ढा उः त्का न नः वि त वि न ह ल साः व न वा न क ल क्का या उः

श्री म

१७

दालकिः वेत्रयादुशानधर्तः रुक्मः कृपनिः थर्थजडाजः रिक्कावयनिः त्रिलाजनयनिः दवः
लाकः सविलाकः यदुगंधर्वः किन्नरः नागलाकः देवलाकः अष्टाः दशदिग्यात्रनात्रदः प्रहतिः
मूनिः भूतसकलः दवलाकवर्निः कृपनिजडाजः निमकुनाः यातकुनिधर्कः रुनाः ददुप्रज्ञायतिम
अश्वमधः शरुधर्कः कदुधर्कः माधोशः भूतविलहिमाः आकाशकाजः दालकिः वेत्रः आसुरयात
गाकायाजः मरुदगनजर्नः आमरादवः सतिदविः निक्काइकाः मधसः र्पनं तुः नतिसकाति
दवर्तः निर्मगनायाकाजः नत्कातर्नः दालकिः वेत्रलिः रुजयाजः लिसलकर्तः थर्नलिः अगः व
दिवरः धलः कामतः मालकाः यदुगालनः सामीगीनालनातः अकोजः यथाहितः वरुसतिः वानक
लकायाजः अनेगः सामीगिनाललातकाजः अश्वमधयकृमायतयात्रयार्तः थवलसः नानाः अलक

ला ५

१७

न २

कारनतियाजः नत्तमालानकाखायाजः अनेगवितुनः वरुनधतियाजः नानादवः नत्तमधिः मा
निकजाकाजः रुयाः रुयाथः अलकात्रनतियाजः नानायदः आदिः दवलाकः सविलाकः शरु
धर्वः किन्नरः अष्टाः देवदानवः नागलाकः अनेकः द्वावयनिः दशदिग्यात्रः अष्टवसुतः
तिसः काटिदवर्तः नानाअलकातनतियाजः ददुप्रज्ञायतिमाः अश्वमधशरुसः थनकविश्रतः
थवलसः अनेगवाद्यथाकाजः अनेगर्मगलजागुयाकाजः दुरुविश्रतकर्तः थर्नलिः थिर्थिः अथा
आग्नेयाकाजः विधिः कसलवाकः ककाजः आसुरवासवियाजः मरुअनचनविश्रतकाजतली
थर्नलिः ददुप्रज्ञायतिनशुलताः रिद्धदिनकृकः सुवरासः शक्रावाप्रनः यरुअलरुयार्तः थवलसः
अनेगवाद्यगितः अष्टायायनिः प्यावनकुमाजः गंधर्वपनिसनः मरुगाजः नानार्मगलयाकाजः

वानेः रुनः मिषि ला क कर्तः चतुर्वेद उवाच यादवाः वृक्षाः विष्णुः सुयस्य काटि दवता
 नात्र दयुहतिः मिषिः शक्र यादवाः (घनयाजः) अन्नगः पृथागादिः या० यादवा काजः दक्ष क्रावः
 यनि सनैः चित्त यात काजः दकाद्रि रात्रन यनिः द्वाज नत याजः नाना मंगल रात्रा यादवाः वरुः
 स्यतिनः यरु यात काजः यत्रैमः अन्नचनः यरु यादवा जावर्नैः गथे धात्र सोऽथो सधिः प्राणिनिगर्भ
 लिह काजः गथे श्रगदिश्वरः श्रीमहा दव विष्णुः अर्थ नात्रायनः युहतिः तत्ति स कातिः दव
 नातः लिह काजः दक्ष युशायतिन यत्रैमः अन्नचनः यरु यादवा जावर्नैः धर्नलिः अन्नगः ब्राह्मण
 मिषि ला कः रात्रन यात काजः रुनैः रिक्क क यातः काटि २ दान विमाजः काटि २ सा दान विमाजः
 रुनैः काति २ रुक्मः अन्न दान विमाजः रुनैः काटि २ ब्राह्मण यातः गुगुत्रिः वरुः डवः दानः उगु

रा५

११

लिः वरुः रत्नमणिः मादिकः आदिः काटि २ दानः व यादवा जावर्नैः रुनैः अन्नग वरुः वदिः
 धनः कलीः रुक्मः रिक्क २ वरुदिः यरु सः अद्रुति विमाज जावर्नैः रुनैः सुयसा काटिः दवताय
 तैः आ० सयैवात्रनः पृथागादवाः यरुः रागद्वज नत याजः दहादि ग्यात्रः आदि दवर्तः युशाम
 न्य यादवा जावर्नैः यत्रैमः अन्नचनः यरु यादवा विलुहिनः सहित यादवा जावर्नैः अन्नग क्राव यनि सः
 रक्षा सौ ले याजः मिषि ला क याः मुनिः ब्राह्मण याः दवता याः आशिवादि का याजः यत्रैम अन्नचनः य
 रु यादवा जावर्नैः यथेवाक थासः नात्र दमूनिनः शलसाः कृवाखिलैः उलाजः यमरु सद्रुम त्रया
 जः सालरुलैः यथेद्रुम त्रयाजः सालरु याज वलसः तत्ति स काटि दवर्तः शक्र गंधर्वः किन्नरः दे
 त्य दानवः नागः अश्वराः दवर्क न्याः देत्यर्क न्याः शक्रर्क न्याः नागर्क न्याः सकलैः मृगैः पशुवन सहि

श्रीम

१६

तनदजः श्रीमहादेवः सतिदविः निष्कृष्टकामदः थभृतिः आशयः कुरुतुवकः नात्रदयामनसा
गः भृतिविस्मयइयाजः मननतालयाशानः रुन्यः मननचिकनायाकाजः गथेइयतनः रुतु
मदयकः थथेइयमदः यद्वगीयवः किन्नरः मधिः ततिसकाटिदवताः यथिसः दकादवताः सक
र्तः थः भृश्वमधः मरुतः श्रीकः श्रीमहादेवः सतिदविः निष्कृष्टकः गथेमथातकलः रुनाः यः
रुमाः लाकाकलः धात्रिहलः श्रीमहादेवविनामवताः दवप्रशान्तमदः यरुयादवहर्तः
श्रीमहादेवथकाः थदद्वप्रशयतिमातनसः कुरात्रयलः रुनीः निर्मत्रनायातकर्तः कामनिः
कलालमनलाः गथेइलाः कात्रनमदयकः थथेइयमदधकः मननचिकनायाकाजः ततिकारन
भृकथानइयाजः केलासः वद्वतथनकजनीः ॥ ॥ थनलिः नात्रदनइलसः श्रीमहादेवः सति

हा५

१६

दविः निष्कृष्टाः वरनसः साकय्याजः कुरुः तायातकाजः श्रीमहादेवमाः मुखतुसायाजवद्व
गथेगुः महादेवधलसः त्रगानमकूटः दयकाजः ध्याकुरुगुलिनः त्रसहिवाजः किप्तिमाः
कुरुगुलिनदयाजः रुस्मनः अंगतव्याः थस२विनकाकाजः मनूतमाकलनः कस्याः
याजः सतिदविः स्वजामदडादुकुकाजः कटि२सूर्याः तद्रादथेः द्राशालमानमाका
जः तदीहनिः दालसतमाजः रुतप्रतः त्रजस्वजाममाजवाकः श्रीमहादेवः सायाजः नात्र
दयाः मनसः भृतिः आनन्दइयाजः वार्तवारः श्रीमहादेवमाः वरदासः साकय्याजवानीः थ
नीलिः श्रीमहादेवनइलसः मनसभृतिः आनन्दयाकाजः मूसूनहिलाजः नात्रदयाः रुकलाज
सायाजः मनसभृतिखसिइयाजः आरुदयकर्तः लामूर्धन२कुरुखकाजः त्रिभृतिः आः

नन्द इला वरदादधकैः रुतः कुनिमिलितः कथनजयाः कारनकुः धाजधकैः आकाविमाज
 थनः श्रीमहादेवयाः आकादकाजः नानदनइलसीः नायमातः लाः श्वरिः जिनवरदानः
 मवताममौजः सदाकारः कुलपालयाः जयध्यानः जिनगजसः आनकाजः यूसीदाइसविआ
 यमालः लायरीः वक्रः जिजयाकारनकनः कसविआदुनः कुधालसाः दकुप्रजावतिमाः अः
 धमधः यरुमातः स्वर्गमध्ययातालः सागुललाकयाः मियूत्रषनसहितदवताः यरुगधर्व
 किन्नरः देवदानवः नागः वशीकः प्रहतिः मविः अकवसूः दशदिग्यागः वक्राः विष्णुः प्रहति
 नतिसकाटिः दवताः मियूत्रषनसहितः सकलैः दवताः दजः कुलपालः सतिदविः निष्कः श
 कामदः जिनः भयरुसः प्रमत्रयाजः सातइयाः कुलपालयनिः निष्कः शकाजिनमखदाः यरुतुः

दकादवतानः थजयरुः लगनयाजः अतिआनन्दनवानः यरुमाः लाकाः कुलपाल
 इकागथः थयरुसमवानधकैः जिनमनसः अतिविस्मयइयाजः थनवाः नायमायध
 कैः जिथनजयाः लायरीमश्वरः श्रीमहादेवः सतिदविः थयाकारनकुः जिनमनसः आस
 म्यधकैः थननानदयाः लाखादकाजः सतिदविनेइलसीः अयमानवायाजः निलाक्याः
 नाथः श्रीमहादेवयाः हजमः आकादयकलैः लापुः जगदिश्वरः कुलपालजः जिज
 निष्कः शकाः कुनिमिलितः मवानः यरुतुः नागयथाप्रहतिः नतिसकाटिदवताः वशिष्ठ
 प्रहतिः मविः यरुः गधर्वः किन्नरः देवः नागः जिनताः कइयनिः दशदिग्यागः मीयूत्र
 षनसहितः सकलैः वाकः मित्रिनिष्कः इकाः कुकारजः मवानः धकैः मनसः अतिविलाययाद

श्रीम

२०

अः मिखा नः सा विहाय का अः अति अय मान वा या अः का कू का अः अति विलाय या का अः वा नः
अथ सति दवि नः विलाय या क सा या अः श्री महा द व न इ ल साः आ कू द य क लः ता या ध स माः
नः सति द विः कू दः ख ता य मू मा लः कू न ध ल साः कू म य या कः कू वः त्रि म नू या कः त्रि लि
ध नः नि मि लि नः मि त्रि नि क श का म वा नः कू अ य मा नः वा य मू मा लः कू न त त्रि म दू ला ध कः द क
याः य कू सः अ का नः कू म अ का न कू ता यि मः कू म अ थ विलाय या य म न अ ध कः श्री महा दः
व न इ ल साः कू या थ वा ध विलः ध नः श्री महा नू द या आ कू द का अः सति द वि न इ ल साः आ
कू द य क लः ता स्या मिः त्रि कू व न या थ नोः अ अ त्रि नः यि ताः द कू याः य कू स अ न अ ति कू का
इ ताः व दा य स न इ स वि अ दू नः ध कः आ कू द य का अः ध न सति द वि याः व व न रा खा द का अः

हा ५

२०

x

श्री महा द व नः आ कू द य का अः ताः सति द विः कू न अ म थः ध य म न अः कू अ न साः अ
न थ इ ल साः कू अ का ध कः मी न्य या य म खः अ का या का य म दू लि थः कू अ य मा न इ का य
यू अः कू इ ल साः अ न कः द व ता याः मा न्य का या अ वा द कः अ य मी न्यः म दू ल कः अ न अ
का नः सि डि म दू म वा क नः ग थ अ नः वा न सा थ का अ नः ध न त त्रि म न स त्रीः अ न गू रिः
न म खः ध कः आ कू द य का अः ध नः श्री महा द व याः आ कू द का अः सति द वि न इ ल साः आ
कू द य का अः ता स्या मिः श्री महा द वः अ म थः आ कू द स वि अ य म न अः ना न द अः ना यः त्रि अ
नः नि अ यः अ थः थ थ ध कः आ कू द सः वि अ य म न अः ध कः ध नः श्री महा द व याः कू अ नः स
ति द वि न इ ल साः वि म ति या का अः व न नी रं रा क य या अः ना न द अः ना यः के ला सः य व न नः का

श्रीम

२१

हविष्काऽऽ द द्रु प्रजायतिः मासविलक्षितिक्रियाऽयातिसः शकययाऽमिखाक्राऽकऽककाऽ
ऽऽमिसऽकलदयाऽमिखानऽवाविलयकाऽगङ्गदववननयाकाऽमासऽवदयाऽखालतुसा
याऽऽह्लादयकलीऽतापिताऽमाताऽकसविष्कादूनऽकलयालयाऽथयायपेठऽअश्वमधेयक
सऽत्रिश्काऽगथेमककाऽत्रिऽगऽकलयालयाऽसकृकऽक्रावताऽत्रिगलताऽश्रीमहादवनइका
कलयालऽयाकऽकृयगदयातऽत्रिगकलयालयाऽवयलिलाऽआह्लादयकसविष्कादूनऽविष्क
यतिऽसूयस्वकाटिदवताऽनामदप्रतिमितिमविऽवाकृष्टऽयकऽगपेठऽकिननऽदेवदान
वऽनागऽगङ्गऽअद्यागऽमीयूषनऽसहितऽसकलीऽदवतीऽवाकृष्टियनिऽनिकृष्टकाऽगथेमवाक
रुनऽयकयाऽकलिलऽगङ्गेदिश्वरऽश्रीमहादवऽविनामवऽमदऽयकयाऽकलविगीकइलीऽश्री

हा ५

२१

महादवथकाऽधतदवतायाऽनायकऽश्रीमहादवथकाऽरुनीऽसविष्ठितिऽसंज्ञामाकलीऽ
थकीऽश्रीमहादवथकाऽतापिताऽद द्रु प्रजायतिऽश्रीमहादवऽविनामऽयकयाऽकर्मदऽथकृश्री
महादवऽतालताऽगथेथयकयाकाऽयकयाऽकलिकेऽश्रीमहादवऽतालताऽथथिद
असूईऽअश्वमधेयकयातऽतापिताऽकनकलाघऽमायइलताऽश्रीमहादवऽवानकलऽ
काऽऽथवलसुनिऽकनयकृष्टिईइयऽकनतऽदुसदयऽतापिताऽसंकनकीऽअस
कनयाकाऽकनयकृयातऽधतनऽथयकयाऽश्रीकनगकऽधवकाऽधुसऽश्रीकननिका
निकंदनताऽश्रीकनऽश्रीमहादवऽत्रिऽमवाकाऽकानघऽकुरुऽतापिताऽद द्रु प्रजायतिऽ
समर्कऽआह्लादयकसऽविष्कादूनधर्कऽवायाऽधतऽथजयतीऽसतिदविगाऽववनऽताखा

कदाजः दद्रुयग्रायति नः इलसीः आका दयकाजः सायुति सति दविः ददः कुदः खतायमः
 नः अः कानधलसाः कनः यनूयः लाताः मदादवः थयसु सतयः अग्राजः कुनिमिहिनिधनसी
 थज्जमययसुः सुयसकाटिः विद्वः प्ररुतिः दवताः रुन्यः मधिलाकः मनिताकः वाकैः यनू
 गन्यवः किन्नरः अय्याताः देत्यदानवः नागः नाहूतः म्नीयनूयन सहितः अनगः नलमहिः माहिः
 कयाः तिसानतियाजः आखेष्टुः अंगरा कडावयाजः चित्रः विचित्रः वलूनतियाजः वदथा वसः
 दः दयकाजः नानामंगलः ग्रात्रायाकाजः गंधर्वनेः महरकाजः अय्यातायनिः प्यायनहूयाजः वा
 दः थधिगुभयसः आमथीदः दिनाहाः आमदादवः गथवानः सायुतिः कनः लाताः इयुजग
 थिदधलसाः तस्मानः अंगसः वयाजः वागकुलानः असदिदाजः किसियाः कुगुलिनः दयाजः आ
 थदाहनः गयाजः गरिः नसः धवुलः नयाजः मिखाकाउकः कदाजः नाक२थ्वाखनहूयाजः

हा ५

२२

जतामकुटदयाजैकोः गवासः सप्यहाः कखायाजः अस२ विनझाकाजः मनुहूयाः कुलनक
 खायाजः जजनाहाननः दमनूथाकाजः खजनाहाननः हिहूनः पाकायाजः तनः प्रतः पिठमवा
 दिनः लितकाजः दिगम्बरयाकाजः नूनकायकाजः धेधेवुलाजः नय्यामदयकाजः इयीजः
 थतनः थनः अनगमिताजनः यनिदजः दवः कंन्याः देत्यकंन्याः यदूकंन्याः गधर्वकंन्याः किन्न
 रकंन्याः नागकंन्याः रुन्यः कनतनाकरुयनिः अय्यातायनिः थधिदः मिसायागहासः गथः आमधिद
 लझामदूः दिगम्बरः मदादवः वानः सायुतिः थधिदयवितः आयसः ततिसः काटिदवतानसह
 काः इयाजः थदथासः गथअमथीदः अज्जलाः मदादवः वानः सायुतिदविः थनः निमिहिनिः
 कुयनिवानकलमहयाः सायुतिः लासाकुखनवीनकलरुमः कानधलसाः कजनायः मदादवः

श्रीम

२३

शयुज धर्कः कुसुधावनकलमरुयाः धननकुदुःखनायमतजः तापूतः सतिदविः कुन
 त्रिकः अरिवायादं मद्रः अयमानयादं मद्रः दुःखनायकी मद्रः कुनस्वामिथथादुःखाः निः
 मिहिनः कुवनिवानकलमरुयाः धनकात्रदानथकाः तापूतीः कुनधलसाः सुविहितिः सरा
 नः मरुदवथकाधलः यरुयालाकाः कर्कः दुलविमृजर्कः मरुदवथकाः धनः कुयाः मरु
 दवः यरुयाः लोकाः कुयाकर्कशयाः मरुदवः हलः शयथकाः यरुयालाकाधयः श्रीनानोयद्यथ
 काः सुविहकर्कधयः वतुर्मुद्रकाथकाः सुविहकर्कधयः वतुर्मुद्रकाथकाः कितिः सरानयाक
 लधयः मरुदविक्रथकाः अमामरुदवः गगयादवः अमामवाकानकुयाः त्रिः यरुः अरुद्रहलः
 गथधलसाः कुनसोमिः लानामरुदवः कुकजाः नथधलसाः धानमवः अमामरुदवनः

ख३

ख३

हा५

२३

ध२

त्रिः यरुसः कुवनदाद्यविगीतः अमामरुदवः मद्रनः धयरुः यरुर्मुद्रमधनिलाः तापूतीः नतिः
 सकादिदवतानः मानयादातयाः श्रीवेर्कः नानायाद्यकाः यरुयाः लाकाः तापूतिः यरुया
 कर्कः नानायाद्यः वाहिकनः मरुदवः मरुधर्कः नानामाथनः निद्रायादाधलः धनः यिताः दद्रु
 यरायनियाः कुद्राखादकाः मिखाकाः ककाः सिसः कुलद्रयाः नागघः निष्ठासतः
 याथः वलरः सः मासकालरुकातयाः अकाटनकुयाः अयदकाः दुतिवस्वाकाः मिखा
 नः यरुद्रुसायाः थअस्वामिः अमरुदवयातः अनगमाथनः धलवियाः रुस्माकः निद्राया
 कः नूगलसमद्रकाः नूगलसयाः थअनूगलः थमीदयाः शमायहमसियाः अतिविलाप
 याकाः अतिधयमानवायाः रुतासनः यरुयाथासः अकाः यरुसावाउलाः शिवधर्कः श्री

श्री म

२४

महादेवयाः नामकायाः यः सः दद्यात्ताः प्राधानात्तलः भवत्तलः तत्ति स काटि दवता नः
नात्र दः पुटतिः मयि ला कर्तः यः कः गी प द्वः किन्नरः अय्य नाः दीक्षानवः नागः सकलः दवता नः रु
अनथ १ धर्कः हाताः अमाय ह मसि माः धानः भवत्तलः भयः सः महाउयात्रुलः रुमीः वे
लनः आकाशः आकमानः रुलः वायुः महाउयानः हाताः विय तितनः रुलः कृताममाल
कः मद्यनः गरुमानमार्तः रुमीः दिग्वा रुलः सकल दवता माः मिखा सः धूलः आकाशः दवानका
काशः ग्वर २ तुलाः रुलः रुनः गुलि किर्नः धी धी सयुकाः आकाशः गुलि किर्नः वायुः वा सयुका
गुलि किर्नः लाल तुलाः आकाशः गुलि किर्नः अमर्था हाताः आकाशः भगु त्रियुकाः नदीः महाउयात्रुलः
शः दक्ष प्रयायतिनः अमाय ह मसि माः आकाशः किलाजनयतिनः वाधविमाः अमाय ममत् २ धि

हा ५

२४

मयाः १ धर्कः नाना माथनः वाधविमाः आस २ यमनः सालः रुमाथः गुनद रुमाति माथाः आकाशः
दक्ष प्रयायतिनः रुलः विनति माथाः हा गुननाथः अज गथेमायः महाजन थरे ला धर्कः हा हा का
नहा हाताः धानः धनलिः नात्र दः मयि न रुलः धा उयात्रुलः सति द विनः प्राधानात्तलः सा माथाः वायु
वगद्यः किला सयुक्तेनः धनकः धनः धनलिः नात्र दः मतिन रुलः श्री महादेवयाः आस धनकः
आकाशः श्री महादेवयाः वनहा सैलक यमाः नात्र दन रुलः श्री महादेवयाः आकाशः न विमति मात
हा गगदिश्वरः श्री महादेवः द्विः विमति रु स वि आरुनः कलयाल माः प्राधानात्तलः सति द विनः प्रा
हा गगमाद वि आरुनः कृ मिमिलिनः प्राधानात्तलः धाल साः पायि रुः दक्ष प्रयायतिनः कलयालः य
तः नाना माथनः निमायातः धाल विलः अमग माथनः रुमातः महादेव ध्यायीः गद्यमाधव धर्कः

श्रीम

२५

अथ यथाकाशः । अथ यथाकाशः । अथ यथाकाशः । अथ यथाकाशः । अथ यथाकाशः ।
सतिद्विनः । सतिद्विनः । सतिद्विनः । सतिद्विनः । सतिद्विनः ।
काशः । अतिश्रुयमानवायाः । सुमाख्यैर्मसस्सं । मिखाद्यः । यस्तुसायाः । यस्तुस्ववाकलुयाः ।
कुलयालमानासस्वयालकायाः । निवर्धकः । आश्रयकाशः । यस्तुस्तुसः । द्वाकाशः । यानत्यागयानः ।
द्विष्ठाताः । हस्तः । कुलयालमाहयनः । अग्नीनः । सतिरहकथियः । मकुलः । यद्यहकनालताः ।
शमानः । श्याउविष्ठाककषादथः । यस्तुर्कतसयदत्रयाः । विष्ठाताः । शब्दः । धनः । वाक् । मिः ।
नाययायः । धर्कः । त्रिधनयाः । आश्रयमायः । विष्ठायमालः । अर्थमाद्विष्ठादूनः । महाभूतनर्थः ।
धर्कः । ध्यायाः । धनः । नात्रदयाः । वचनककाशः । अमहादवनः । आश्रयकाशः । हस्तः । धनः ।

रा५

२५

निष्पयनं खजः । नाधर्कः । अश्रुविमायाः । धनः । हस्तः । अश्रुदकाशः । नात्रदनध्यायाः ।
हस्तः । अश्रुदकाशः । कुलयालमाभासः । वाकाशः । गथेत्रिनः । मिथ्याखकायः । खजमखः । ध्यानद्विनः ।
स्वसविष्ठादूनधर्कध्यायाः । धननात्रदयाः । शब्दककाशः । अत्यन्तकाध्याकाशः । स्वस्वलमि
खानेः । मिथिकायाः । अकटटनकायाः । अयदकाशः । नाहानवावास्याकाशः । नात्रदया
काशनेध्यायाः । हस्तः । खजः । यायिकः । दक्षप्रजापतिनः । निनायनाधस्रितः । निन्दायाकाशः ।
वालविमायाः । त्रिष्ठाद्यसमानः । सतिद्विः । यद्यमायकाशः । शानात्रदः । धनिः । तुनिवायिकः । द
क्षयाः । यस्तुः । सुयस्वकादिः । ददनासूद्रः । निम्नलथनः । अश्रुः । धनः । अश्रुनिधर्कः । अश्रुवि
याः । धनः । अमहादवयाः । आश्रुदकाशः । अमहादवयाः । वचनसः । शकवायाः । वदाकाय

७५

श्रीम
२१

य कः विष्णु स माकाः यापिषुः दक्ष सहाय माकाः अथ पुहतिः दयताः यदुः गधर्वः किन्न
रः देवदातवः दक्षमाः क्रिवात्रनयनिदकाः निर्मित्रः भकाः नाथमालः हाविनहदः महाकालिः
भक्तनिमिर्हिनः कृयतिः आगधनायाकाः आशकृयतिः नदीः रुदिः पुसथगनः विषमकृत्रः वतुषकी
यागितिगहनः लिमकाः यापिषुः दक्षपुत्रायतिमाः अथमधमसु विष्णु स माकाः नाथिदुनिधः
कः आसाविमाः भक्तः आसहादवमाः आसादकाः आसहादवमाः वतहासहाकयमाः आसाहा
लसहायाः कालसमानः रिहालयमाः नदी रुदिः पुथमेगहाः विषमकृत्रः वतुषकीः शक्तिनि
गहनः लिमकाः मधगर्जनयुधः सिहनादतमाः यथिदायमानरुयकः नायवायाः कालः
ग्रमः अकथः अथकः कावयाकाः आसहादवमाः आसाहालसधत्रयाः केलासयवतनः
कहाजः भवलसः यथिदायमानरुलः कसगलिस्मृडः क्रिवात्रनुः गहिः रुयाकाः यथा

हा
२०

मातानः अरुनाकृयमसुतः भगुत्रियुकात्रनः विनहदमहाकालिः रुतात्रकाः पुत्रमकात्रनः म
धगर्जनयुधः हायाः अक्षमाः यसुसः दक्षानजनः भवलसः दक्षपुत्रायतिमाः अथमधमसुसः अथम
अमगत्रहलः आकासहाः गडः कायः मधुलकायाः इलः अमकनः कृदुनः पिपिहायकाः तडासः
मनः हायाः इलः भवसेलेः महाअथात्रः रुदः इलः सिधनः सिधलाकथः निगुत्रिः समुद्रः नायवाक
थः महाः अथात्रः सिग्रमइलः भवत्रसः दक्षमाः आसयतिः मधिलाकः बाकाहाः वात्रखयतिः अथमा
यतिः गहिनायवाधकः विहादनः हायाः खमाः दसदिगसः रागविषडाभाः यत्रनुः विष्णु पुहतिः
सुयसाकाटिः दयतानः यदुः गधर्वः किन्नरः नात्रसः नामः भक्तसर्नः दक्षपुत्रायतिमाः निमितिनः भडा
गुरुः अरुः आकाः दक्षपुत्रायतिः त्रामायः निमिर्हिनः काटिः दयतानः विनहदः महाकालिः निमय
कः नानाः गुरुः अरुः पुहात्रमाकाः दक्षानजनः भगुत्रिः पुकात्रनः दयताः विनहदः मृदः रुयाका

[illegible][illegible]

श्रीम
२२

क इ म नूः त स ह या जः व थ ह या जः उ नैः ध न लिः ग्रा म हा का त्रि नः थ ज कः वं वं श म उ म नूः पु हा
 ल या के सा या जः क त ट ट नः वा ह या जः काल स मा नः ख ज पा का या जः पु न वृ त्रिः का य न का टिः दः
 व ताः भा व का जः रु र्णः य तु व विः या गि नि ग द नैः का टि २ य जः ग ध वृः कि न्न तः मा व क र्णैः न दीः रु दिः रु
 पु तः पि ष म यः य नि स नैः का टि २ द व ताः स हा त या तैः रु र्णः वि ष म शी त नैः द व ता स क र्णैः शी त न य र्णैः थ
 व ल सः द व ताः य जः ग ध वृः कि न्न तः ग कु सः ना ग ला कः स क र्णैः द व ताः वृ त्रि त ह या ज या नैः थ व ल सः
 ग्रा वी क ० ना थः ना रा य द न इ ल साः द व ताः वि ष म शी त नैः य या ज या दः ख णा जः थ ज क र्णैः शी त न ग र्णैः
 त पि का या जः खः कू तः मू क तः मू स तः व कः व जः ग दाः पु क्का मूः ना ना श मू ष मू शी क या जः म म ग र्णैः त य र्णैः
 हा रा जः मि खा क्क उ कः क णा जः वि त र द्रु व सा या जः ना ना श मू ष मूः ख य त या जः कृ द्वा द या जः रु र्णैः
 इ र्ण मा त या नैः ग थ ज न धा त साः अ ग्नि सः य र्णैः दृ द्वा क र्णैः दृ द्वा त ज या जः थ थ थ ज कः द व ला क द

हा ५
२२

वृ त्रिः थ जः वि त र द्रु व नः सा या जः रु ता टै टै नै स नैः त्रि शू त या क्का या जः काल स रू द्रः ज ज थैः त्रिः
 शूल हि रु दि य का जः रु ट ट ट न ह ला जः मि रु रु ला थैः रु ला जः द व ला क रु स या जः का टि २ः
 द व ला कः रु र्णैः ना स या ज या जः रु र्णैः ग थ ध ल साः ग द्वा स रैः मि त या ज रु मा थैः का य न काः
 टि द व ताः य जः ग ध वृः कि न्न तः मा व का जः रु र्णैः थ गृ त्रि य का त र्णैः वी त र द्रु व नः मा व का ज
 न ति स क्क टि द व ताः रु रु का त नः रु या जः गृ दि २ या ज या ज थि थिः त्रि त कु या ज २ व कः रु रु क
 त क या जः रु या न रु या थैः द स दि ष मः रा ग र्णैः वि स ज नैः रु र्णैः गु लि क्कि नैः अ म थै रु रा ज या द
 रु र्णैः गु लि क्कि यीः म र्के क क्कि न रु या ज या दः गु लि क्कि यीः वा रु क्कि न रु या ज या दः गु लि क्कि यीः रु रुः
 या द क्कि न रु या ज या दः गु लि क्कि यीः रु ता क ध ला ज या दः गु लि क्कि यी २ अ म थै य द त या ज या दः थ
 गु लिः पु का त र्णैः वि त र द्रु व नः द कु याः त्रि त रु न य मिः वृ वि रु त थ क्का जः अ ष म वः म र्के सः विः

श्रीम
३०

धंसयाकाः रुर्लः धसयाकाः वनुषकि यागि धिगहनः हत प्रमः विसायादिनः यरु कुक्षुसः व
धि हत धनः रुर्नः याक २ दवताः मामिकी आकाजः यरु कुक्षुसः द दूरु यनः धगुलिप्रकागशः
वित्ररुद्रमासनानः दवताः भावकाज रुजः स्यामाजः ग्रावेकथेना ० नागामघन इतर्लः अत्यनका
धयाकाजः दकुयाः यरुः विधैसमाकस्यमाजः भावकाजतयाः दवताः स्यामाजः सेनेसनाविस
जकः स्यामाजः मिखाका उकः ककाजः नागघानिष्ठा सतयार्थः वल २ सः मासुकातेतयाजः रुज
याकातनः कीमादकिः गदायाकायाजः खज होतनः यावर्त नमई खकाकाजः दधि विः नासमाय
वलसः श्रीमहागुद्राजार्थः अत्यनका धयाकाजः वलिखानः नकाजार्थः ईखयमाजः गदाहिनु
हिलकाजः वित्ररुद्रमायाजः पुत्रगुकातर्लः अग्निग्राजयार्थः पुत्रार्तकात्रयामवलसः काल
गुद्रगुयार्थः मिखाका उकः ककाजः नडासदन ईखयमाः वित्ररुद्रमासनानः द दानतजनः ध

काच

स
३०

वलसः सति सकाटि दवतानः विष्णु नमूर्तिः श्रीनागामघः द दवाकस्यमाजः अत्यनः
रुषमानयोकाजः रुम २ रुममागः श्रीनागामघमाधकः नायवायाजः आकाहाईयाकाज
दुमानदुमाथः धज २ हा नु अरुः पुकात्रमाकाजः मद्यगर्गात्रयार्थः सिंरुतादतयाजः पु
नेवर्तः लिहाजयाजः नागामघयालिज (हावाकाज) हनुप्रवृत्तिः दवताः यजुः गधवः
किन्नरः नागः धनः दवतानः दकुपुत्रायतिमाः निमिरिनेनः श्रीनागामघयाः रुजखजः वाक
जः यईमातजलः धधदवताः सकर्लः रुईमातजजः श्रीमहाकालिनः खकाज अग्निग्रा
त्रयार्थः श्रीगोत्रमाननः रुद्रयिकोयाजः कालसमानः ख रुयाकायाजः रुटटनकास्यमाका
जः श्रीसधियागिहिनः गलीतकाजः सिंकिवथेतसः सिंखदुवातजजार्थः दवतागर्हातुस्यमा
जः महावगधः द दानतजनः धवलसः रुजदूसनः मद्यवित्रकाथः विलकाजः याक २ रु

श्री म
३१

त्रयाजः खड्गनयालाजः काटि २ दवताः निर्मूत्रथकाजः रुतः गुलिर्किः दवताः मासां डाका
जः मरु कृशुसः दू दूतः रुतः शीउ सथिः शानिनिगननः नन्दिहन्दिः रुतप्रतः पिष्ठावादिः
विषमशात्रः आदिनः नाका २ नयाजः नाका २ रिताकाजः नाका २ मरु स दन्ति काजः थुगुलियु
कात्रनः काठानकाटि दवताः मावकाजः रुतः रुतः शालयनि सन पकाजः तलः थुगुलि
युकात्रनः मरु कालिनः मावकाजः दवता सकेलः नादिगविन्दः नादिनोनामधधकः रुत
कालमाकाजः द सदिष्ठातग सः वि सजानः गुलिर्किः दवताः श्री वेक ० नाथ नागामधमाक
सत्रकाजानः रायत्रमधत्रः श्री नागामधजियनिः त्रुमायाजधकः रुत कालमाकाजः सत्रका
जानः थवलसः श्री नागामधनरुलसः दवताविसजकः सायाजः निश्चितनः विलरुडमाक
रुयकायाजः मरुवित्रः वित्ररुडः मानगलसः नातकः कोमादकिः गदानः पुरालयानः थवल

दा ५
३१

सः वित्ररुडः (धधवलाजः वृथिसः) गत्रतुनाजः मरुहमाजावानः रुतः मरुविषुनवीसथि
याविनीगनः नन्दिहन्दिः रुतप्रतः पिष्ठावादिः थयनिसः नादि २ रुमकः यावजन्म श्री खयूलः रु
नः मद्यगर्गत्रयथः विसद्वनः मिरुनादनयाजः गदायाकायाजः दू दूतजानः थवलसः शीउ
सथायागिनिगनः नन्दिहन्दिः रुतप्रतः पिष्ठावादिः थयनिदकः श्री खयासदकन मरुयाजः ग
दायायुकात्रसरुत्रय मरुयाजः वसः थुनानयुयाजः रिक्कायाजः वित्ररुडया सनादकः नवद्वान
नः रिक्कायाजः ननरुमिष्ठाः गाल २ रुनाजानः थवलसः नतिसकाटिः दवता नः मविः नागः म
जुः गधवः किन्नरः थतदवतानः धन्य २ नागामधधकः अलगलुतियाकाजानः थनलिः नागाम
धनः श्री खयुयाकाजः दवतायाः नायवायासदः वाहनमाकाजः थलगायाः शकनः मरुवित्रः वित्रः
रुडयाः वरुदयाजः जयदकाजः खतकासः थयत्रियात्रः गालतुनाजः अवनरुमाजः वाः

कस्यमांजः कालमूडकाधनवृद्धः काधमाकाजः मिखाका ७ कः ककाजः कालसमानः त्रिभूतय
 कायाजः नागामेधतुसायाजः निघानेनः रुयकायाजः कालसमानः मरुत्रिभूतनः श्रीनागामेध
 यादुमसः प्रहारायानः धवलसः मरुविष्कृतः धुत्रिभूतया प्रहारायानमदुमाजः नवद्योगन
 हिक्कायाजः गहलूमिसः गवलतुमाजः मूकाशियाजधानेः धवलसः मरुविष्कृतः विरहडनः मरुवि
 ष्कः मूकाशियाखकाजः पुलयकालसः मद्यगर्जमानयाकथः सिंरुतादतयाजः गामवालः धव
 लसः वीउसथियागिणीगहाः हृतप्रतः विष्णवर्नः कुरुवनगतकः गामवालः रुनः मरुकाकालिभ्या
 दिनेः धन्यवित्रहडधकीः अनेगस्तुतिमातः रुनः मरुविष्कृतः वरुमदुखकाजः वीउसथियागि
 णीगहनः नदिहन्दीः प्रमथगहाः हृतप्रतः विष्णवः धवनिदर्नः निघानेनः द्वाकाजः गोक २ दव
 ताः काकाजः हिताकाजः गफानदायाजः लिनक्रयाजः वागकाकाजः गोक २ मरुसदुमाजः काकान

श्री म
३२

हा ५
३२

कटि दवताः नायका जहर्लः थवलसः श्रानागामहमाः यथा दमाः जयदकाः सातको स्रः
 दवलाकः नायका जवाकः विरह उस्वमाः निखाका उकः ककाः दिग्नकि सिहा गेथः लताः
 जः सुदधनि वक्र कायाः किनुदिलकाः विरह उकनः लाया विहः विरह उः थनिमादि नस
 क्रिदसुसगाताः कुहा प्राहाकायाः दकुमाः यस्तु स पृथुमायः थवलस तुनिः दवतायाः मनसः
 सता स्वयायः थनिमादि नसः नकाद सत्र उः कुनपे उहमाः जलसः कुनघे प्रागुमाय मरु
 ताः सः सुमधुमाय मरुकायाः थद्रिगालोतसः शत्रुमाः गका प्राहाकायाः वाकः थश्रुदधनिः व
 क्रखक गोध के कायाः थतः मरुविहः किद्रताखा ककाः विरह उनइलसः भूयन काः
 थमाकाः थालः लाया विहः मरुविहः अमथीकताः विरया यगाक्रमः कुमरुविहः थमाय कः
 खतसाः खइकाः लाका उवानः मरु अमादका शत्रुना सयाका जवाकः श्रुदधनिः थमाय कः कुन

श्रीम
३८

वज्रलसः श्री नारायणायः पृथ्व्यायः सामर्थ्यमदः भविष्यकः नारायणं भक्त्या नमस्कृत्य पातः विरुद्धः नः
रादवाः धननः नारायणाय सामर्थ्यमदः मित्रिस्तु सामर्थ्यमदः आनन्दः दत्तुमाया शत्रुताइयम
दत्ताधकः सुन्दरुतिः दवतासकलीः भवन्नाकाश आकाशः भवताः ॥ धनं लिः मरुयम
कृतिः विरुद्ध नरुलसः श्री नारायणायः सुदर्शनचक्रः दृष्टमाकाशः नारायणः विरुद्धः स्वमाया
मतिस्तुकादिदवताः मरुः गंधर्वः किन्नरः दक्षिणनवः गजसः नागलोकः दत्तुमाः काययनिः वरुणा
प्रवृत्तिः मयिः सुकलीः भवन्नाकाश आकाशः निमित्तिनः विरुद्धः स्वमायाः कालसमानः विरुद्ध नरुल
लसः भविष्यकः यत्रैः मित्राकाशककाशः मरुतुवृत्तः दृष्टमायाः नागनेनिस्वस्तमायः वल
सइकः मासकालतमायाः वलिमानः नकाशः हिन्दुनादतमायाः निमित्तनकाशः आकाशः दत्तुमाया
निमाः यस्मात्किं शाकाशः तुतिः यस्मात्शाकाशः मातृस्वककाशः यस्मात्दुतिः आकाशः धव

रा
३८

लसः श्री मरुकाशलिआदिः सधियाग्निगदाः नन्दिरुद्धिप्रमथगदाः विरुद्धः रतप्रुतः विरुद्धः
आदिः धयनिः दक्षसर्पः कृतावनमतकः दृष्टाविश्वामातनरुमकः रायवर्लः धनं विरुद्धः शिवनि
द्रामकः दत्तुमायायतिः नासमाकधकः कुलपालः समानः विरुद्धः नलाकीर्तः दत्तुमायायतिः भनगमाथन
स्तुतिमाकाशः विरुद्धमायाः भनगः गृहकिर्तनामाकाशः धनं लः दत्तुमायायतिमायाः कलातः विरुद्धनि
इलसः भवन्नाकाशः दत्तुमायायतिः विरुद्ध नमयकस्वमायाः कलिलनाः तज्जुसनकमायाः मरुतुज्जुथ
दृष्टासमरुतुलाः मरुतुमायायतिः रुतः वरुदमायाः भनगविलाययार्तः रायादानाथः क्रिन्नाथय
काशः कुलपालः गिविज्ञाकाः राणाथः श्री मरुदवकः धयस्मात्सः मवाकानः भविष्यकः यस्मात्सः यमाल
रास्वामिः क्रिदिववाइयकाशः कुलपालः प्रकातः इकगदाशकविज्ञाकाधकः नानामाथनः विलायमाकाशः वि
रुद्धमायायतिः भनगयुकोरदाः विलायमाकाशः विनतिमार्तः रायस्वतः विरुद्धः क्रिन्नाकाशः दः

श्री
३१

यायु सन्नरुतः विज्ञायमानः सायन मध्यतः दक्ष प्रज्ञायति धामा क्रः प्रकाशितिकाः रुतः अति भृदं कालिः
नयाय कृमदः यथि गमूदः दूनकाजः कृपयाजनः दक्ष मातः जिवदोत विमाजः जित उद्रीतमाजः पु
सन्नरुयमालः सावित्ररुद्रः धर्म सुवि माकाजः धर्मः नास मायमजैतेः सावित्ररुद्रः कलयालरुमीजः रु
वि स्मितिः सैरात्र मा कर्तः रुतः मरुत रुद्र धामा क्रः कलयालः मरुत दवः कलयालः आदियु र्वः कलया
लः सावित्ररुद्रः क्रिविधया मायमनरुतः क्रिडा क्रुमायाकः पु सन्नरुयमाल धर्क धामाजः धवलसः आकास
संवादः रुद्र प्ररुतिः दवतानः वित्ररुद्रः श्री मरुत कालिः निरुत मायः स्या नस्मा मरुत काजः नतिकादिः द
वतानः विमनियार्तः सावित्ररुद्रः धन्यः कलयालः आज क्रिय नि सजः कृपा माद विज्ञायमानः सावित्ररुद्र
मरुत कालिः आमा दक्ष प्रज्ञायतिः म्वात काजः उद्रीत माकाजः पु सन्नरुयमालः धर्कः दवतान विमनियार्तः
जः वित्ररुद्र नरुलसः वित्रगा माखाल स्याजः आसा दम काजः सावित्ररुद्रः कनत भूवर्षः स्यामिवन

हा
३१

दान विमश्लः कृता रुद्रः कृष्णलसः कन स्या निमाः कलः यक्ष कृद्यु स दति न धूनाः आज ध मरु सः
वलिदानः विस्मृत माः यक्ष माकलः कृदाज म्वात काज विमः कन धालसाः कन स्यामिनः रुगदिष्वले
श्री मरुत दव मातः भूत क माथनः बाल वि माजः निद्रा माकः धत निमिर्किनः धयक्ष माकल कृ म धर्क
धामाजः मरु सः वलिदान विस्मृत माः धाल स माकल का माजः दक्ष मा क्रसः कृदाजः कलनेः लिखः
त काजः म्वात काजः वित्रगा माः कृडा न आसा दम कर्तः सावित्ररुद्रः कन विलाय मा क र्व काजः क्रिभूः
निक र्गुह नरा माजः रुतः रुद्र प्ररुतिः दवतानः कन निमिर्किनः क्रिक भूत क यु का र्गुहः विमनियार्त
कन भूत न ग माथनः सुनि माकः ध सुतिनः क्रिभूति सन्ना वरु म धूनाः सावित्ररुद्रः कनत वत्र दान विम
धूनाः काज धर्कः म्वात काज विलः धवलसः वीरगा नरुलसः मरुत कालिः वित्ररुद्रः निरुत माः वत्रगा
सः साक था माजः भूत ग सुति यार्तः सावित्ररुद्रः श्री मरुत कालिः कलयाल मा पु सा दनः क्रिविधयाः म

श्री म
३६

रुलाः धन्यरुलपालधर्कः शुभमुखः ददुष्टरायतिर्नः विरगानः निरुसर्नः अमगसुतिमाकाउः अ
रुगप्रदाममाकाउः वदाकायाः थजभयतः यत्रमभननयनयनन ॥ ॥ धनलिः मरुवित्र
वित्ररुडनः काठनकाटिः दवताः यजुः गंधर्वः किन्नरः मायकाउः अश्वमेधयः विधिसमाकाउः वि
त्रयानः स्वामिवत्रदानविमाउः मनसः अतिभाननयमाकाउः अस्थोयागिनिगदानः नदिहृदिः पुम
भगताः विषमकृत्रः रतप्रतः यिशायादिः धनसर्नः लिकोतेउः निमखमात्रनः अकभाननयमाउः के
लासः यवतः थनकजनः धनलिः गद्यः श्रामरुदवः विज्ञतः अनथनकडाकाउः श्रामरुद्रयायत्र
हार्तः शकयायाः यिनाययार्तः शरुगदिश्रतः श्रामरुदवः कसविश्रुनधर्कः कलयालयः अरु
धः पापिष्टः ददुष्टरायतिमायः विधिसमाकाउः यजुः गंधर्वः किन्नरः ततिसः काटिदवताः निम
त्रभकाउः ददुमाः मधुः यरुसदूयाउः काटिदवताः मायकाउः तथधूमाधर्कः वित्ररुडनः मरु

हा
३६

कालिनीः लि सलककाउः धवित्ररुडः मरुकालिमाः अरुकाकाउः श्रामरुदवनरुलर्तः अरुदय
काउः शवित्ररुडः श्रामरुकालिः धन्यरुलपालः यतिः ददुमाः यरुविधिसमाकाउः ततिसका
टिदवताः वधुहृतः थकाउः ददुः वत्रिदानविमाउः रिः मनसः आननयमाउः धन्यरुयनि
श्रामरुकालीः मरुवित्रः वित्ररुडः अशुयतिः रिर्कः अकभाननयमाउः वाकदुतिधर्कः अः
स्वविमाउः धनश्रामरुद्रयाः अरुकाकाउः वित्ररुडः श्रामरुकालीः श्रामरुदवयोर्कः लि तइ
माउजन ॥ ॥ धनलिः श्रामरुदवनरुलर्तः सतिदविः लूमकाउगनः पापिष्टः ददुष्टरायतिन
यरुमातः असथनकविश्रुकाउः यरुदुष्टः मरुसर्तवाकः सतिदविः भकायाः थजसूदसतया
उः श्रामलमिस्वानः खविश्रुयकाउः यरुकाउः खालनखालः नायलातकाउः श्रामतिदविधर्कः वि
लाययाकाउः विश्रुर्कः श्रामतिः कविनानः धयाद्यगथः यत्रलयाउयानः श्रामतिः अजकेलासः सुना

श्री म
३१

नः त्रुमायुः। हावाध्वरीः। पाविहः। दकुपुत्रायति याः। निमिहिनः। कुनः। अयकाइलाः। हावा
हा। अउतिः। मादवादायापुत्राजनमदः। कुगहाउकाः। अर्नः। किंवाकवायाः। हादविः। किंवाथयाका
उः। कुहकः। गहावाकडाकाः। हासतिदविः। सफकालः। कुनः। किंवाउमयाकाः। अमगयुगाधमिः। कथाक
काउवाकडायाः। रुनः। अमगमाथनः। किंवाकताउः। नानाकातुकः। खलाकाउः। किमनसकाखः। हा
यकाउवातिउः। अउसुमाखालसुमाउः। धविहः। धीरुमायधकः। नानामाथनः। विनायमाकाउः। यधि
सुग्वरतुलाउः। अवेतहयाउधनः। रुनः। वलरलसमासुकातनयाउः। हासतिधकः। खयाउः। सति
दविमाः। गहावधुः। लूमकाउः। नूगलनः। महुकाउः। तडाहूसनकमाउः। कलिलमाललतुउः। थः। ह
मिसयदतयाउः। मूहुइयाउः। धनः। रुनः। धकुपमाउः। नानामाथनः। विलाययानः। हावाध्वरीः।
किंवाताउः। दहाउमवलः। रुतासनः। कर्मदत्राकाधः। तुतिवायकलउयुः। हादविः। रुनः। गत्री

हा
३१

नरपतुलः। समर्लः। नदानयानेदेयीउः। जिनधालुनः। विर्योकोउः। विमीउः। अउसुनानः। विमुउ
हासतिः। अउतुनिः। किंवाथरुलाः। किलासीः। धीनः। हादविः। अउसुमाखालसुमाउः। विरुह
रुमायधकः। नानामाथनः। विनायमाकाउः। धनः। रुनः। अवेततुलाउः। हासतिधकः। हालाउः। रुनः।
रुनः। कामकिजलूमकाउः। सतिदविमाः। अवेतलूमकाउः। अतिकरुधनः। विलाययानः। रुनः। हा
या। हाध्वरीः। हादविः। हासतिधकः। नानामाथनः। सतिदविमाः। मतकः। हात्रिलसुयकाउः। लाकरथा
सीः। अलतुलाउः। धननूगलयमदमाउः। सुगलः। नरुनः। खविहायकाउः। अतिकरुधनः। विनाय
याकाउः। धन। धमः। धयमाकाउः। मतकसत्रिलः। सुयकाउः। नानामाथनः। विनायमाकाउः। य
थिउमनामानाउः। रुनः। रुनः। सतिदविमाखालसुमाउः। अयहालथः। हालाउः। लालरुवलरतुलाउः। म

३६
५६

मृदुयकाजाननः रुनः खट्टदयकाजः गोकथ संप्रमत्रयाज इलः रुनः हासति २ धर्कः विनायमानः थ
गुलियकाजनः जयइजथः नानायकाजनः विनायमानाजः पृथिसः उतुउलाजः सतिदविः य सवका
जः अमगमाथनः विलायमानाज इलः रुनः सतिदवियाः मृतक सत्रिलः आमहादवयाकः वादायानि
मिहिनः द्रुदजयकाजः विष्णुककावाकः न्याककायाशत्रिलथः धर्नः थगुलियकाजनः आमहादव
उमरुहयोजः जयइजथः पृथिजुमनमाकाजः वृन्दुपुहतिः कति सकाटिदवतानः सायाजः मनसः रु
तासः वायाजः रुडादिदवलाकः वेकै ० पत्रिः जर्नः धनलिः वेकै ० थकाजः आनागयद्ययावतदासः हा
कयूयाजः दवनाजः वृन्दुनइलसाः मिनायमानः हायनैवृकः नागयद्यः शिवनिसविनतिद सविष्णुक
नः कुपालसाः धर्मसात्रसः कुलपालजः आमहादवजः नक सनः गजामयातताः थपुकाधुसुनानः
गजायामजः रुनः आमहादवनसतिदविः आनाजः जयइजथः मृतकः शत्रिलः य सवकाजः हासति

३६

५६

२ धर्कः विलायमानाजः पृथिजुमनमाका इलः धननिमिहिनः रुगदिध्वजः आमहादवः थथकृयम
नडाः आजकुलपालयाः मायानः अहाकः पुत्रिनिदायकाजः सतिदवियाः मृतकः शत्रिलः दलगित
काजः नासमाकाजः पुसन्नइसः विष्णुयमालधर्कः वृन्दुनइलसाः आनागयद्यकः विनतियाकाजः
पालः धनदवनाजः वृन्दुयाः हाखादकाजः आविर्ध्वजमूर्तिः नागयद्यनः इलसाः आहादयका
जः हादवनाजः वृन्दुकृयनिग्रासः वायममालः अवसात्रिनथजामायानः अहाक पुत्रिनिः उत्यकि
माकाजः सतिदवियाः मृकैतैः शत्रिलः नासयायः निधयनइसाः आजकुयनिः अमत्रावतिः पुनिध
कैः आहाविमाजः धन आनागयद्ययाः आहादकाजः आनागयद्ययाः वनस हाकयूयाजः वदाकामा
जः मनसः अतिशानदमाकाजः अननैः अकध्वनइयाजः अमत्रावतिजर्नः धनलिः नागयद्यनइ

श्री म

४०

४५

४०

॥ ६ ॥ मुकासुयि०ः श्रासिद्धध्वनिद्विः सिद्धाभाभागिनि ॥ १० ॥ निःश्रुताय० मरुकाकालध्वनिद्वि
विकटदंष्ट्राभागिनि ॥ ११ ॥ कामकावृयि०ः श्राकानिनिद्विः लल्लिकाभागिनि ॥ १२ ॥ केलासयि० श्रा
वावृतिद्विः लल्लिकाभागिनि ॥ १३ ॥ हृद्ययि० श्रासिनाडिद्विः वज्रदंष्ट्राभागिनि ॥ १४ ॥ कदात्रयि० श्रा
कदात्रयध्वनिद्विः मूढुभागिनि ॥ १५ ॥ वधुयूत्रयि० श्रासिद्धकालिद्विः सिद्धाभागिनि ॥ १६ ॥ श्रायि०
हृदकालिद्विः हृदभागिनि ॥ १७ ॥ नकवित्रयि०ः नकवित्राद्विः लमनाडीभागिनि ॥ १८ ॥ ज्ञात्रयत्रः
यि० श्राज्ञालयाद्विः कलामुखिभागिनि ॥ १९ ॥ मालवयि० श्रा मरुकाकालिद्विः कनालिभागिनि ॥ २० ॥ कृ
मीतयि० श्रास्मृष्टानकालिद्विः कृष्टुर्कभागिनि ॥ २१ ॥ दविकाटयि० श्रा हृदविद्विः ललिताभागिनि ॥
॥ २२ ॥ ज्ञाकधुयि० श्रा हेत्रयिद्विः नकईरंभाभागिनि ॥ २३ ॥ यात्रुतंश्वत्रयि० श्रा यागध्वनिद्विः यिः

गनाभागिनि ॥ २४ ॥ ज्ञादंष्ट्रायि० श्रा प्रमलाम्बिकाद्विः श्रा स्वधनाभागिनि ॥ २५ ॥ वित्रयि० श्रा पुः
वनध्वनिद्विः जुवनीवाभागिनि ॥ २६ ॥ नाकगृहयि० श्रा नाजनाकध्वनिद्विः उत्रकामुखिभागिनि ॥
॥ २७ ॥ मरुकावयि० श्रा प्रवधुवधुकाद्विः प्रनूकाभागिनि ॥ २८ ॥ कानायूत्रयि० श्रा मरुकाकालिद्विः सुः
नद्याभागिनि ॥ २९ ॥ नकायूत्रयि० श्रा धृष्टाद्विः प्रकयाभागिनि ॥ ३० ॥ ज्ञाकालध्वनियि० श्रा माटिकाः
द्विः प्रुद्विः प्रिभागिनि ॥ ३१ ॥ जयनिपूत्रयि० श्रा जयनिद्विः खरलिभागिनि ॥ ३२ ॥ उरुयनिवि० श्रा
मरुकाकालिद्विः लल्लिकाभागिनि ॥ ३३ ॥ वत्रिपूत्रयि० श्रा ध्वध्वनिद्विः विग्रासनाभागिनि ॥ ३४ ॥
द्वित्रिकायूत्रयि० श्रा युगभाद्विः करंकिनीभागिनि ॥ ३५ ॥ हृदिनायूत्रयि० श्रा वधुध्वनिद्विः क
टनाडीभागिनि ॥ ३६ ॥ उरुसयि० श्रा विमनाद्विः विगलाभागिनि ॥ ३७ ॥ पुयागयि० श्रा सुन्दरिद्विः

श्री म

४१

सिद्ध व ग मा गिति ॥ ३६ ॥ विलयि ० श्री म क श्रि द वि : र्ज श्रि ती या गिति ॥ ३७ ॥ श्री मो य त्र यि ० श्री म मा
 द वि : र्च व ला या गिति ॥ ३८ ॥ म ला गि ती यि ० श्री सा लि का द वि : का कि ला या गिति ॥ ३९ ॥ म ल या गि त्रि यि ० श्री
 व कृ श्रि द वि : का म ला या गिति ॥ ४० ॥ श्री ल यि ० श्री उ या द वि : अ स दू क टा या गिति ॥ ४१ ॥ म त्र गि त्रि यि ० श्री
 पृ ष्ठ द वि : क ला लि या गिति ॥ ४२ ॥ म ह द्रु यि ० श्री श्रु श्रि द वि : उ र्ध म ति या गिति
 ॥ ४३ ॥ वा म न य त्र यि ० श्री का म श्रि द वि : र न्द्रु या गिति ॥ ४४ ॥ ह र्ण य त्र यि ० श्री न व त्र श्रि द वि
 य त्रि ष्ठि या गिति ॥ ४५ ॥ म राल क्री य त्र यि ० श्री क म त्रा डि द वि : दि ग म त्रि या गिति ॥ ४६ ॥ उ ज्ञा न यि ० श्री त्रि
 य त्र श्रि द वि : शु क्ळा द त्रि या गिति ॥ ४७ ॥ अ मा रु त्र यि ० श्री कृ त्र श्रि द वि : मा या या गिति ॥ ४८ ॥ धृ य श्रि म
 धु ल म थ स : श्री म रु द व न : अ र्च त म त का ज त या : वा हा व त्ति रि : इ या ज वा द : थ यि क य त्र म श्रि त्री : स ति द वि

हा द

४१

न ४

श्री म रु द व न : ध या ग न ल म का ज : स ति द वि या : म त क स लि त्र : लू कं कि का ज : हा स ति र थ की : हा र
 का त या का ज : धृ श्रि म धु ल स : उ म ल र्ध : इ या ज इ ल : धृ स ति द वि या त्रि त्र : धृ श्रि म रु क र अ म स : वि व
 हा कि स : त्र य इ या ज वि श्रु र्ण : धृ ग लि भ न : र्ध म धु मि इ ल : धृ थ स : स य स का टि द व ता य नि : वि श्र
 का ज : अ न ग मा थ य त्रा मा र्ण : अ न ग य ते स्था या र्ण : अ क म नू क न : धृ लि यि ० या द र्श न या य ज : अ क
 म नू क या : त्रि व न : मू क इ य ज : म नू क र्ण इ या ज : र्च वा स यि ० स कृ गु लि : ख न द र्श न म या क क म
 र्ण का या व थ धा य : धृ यि ० द र्श न या क र्ण : अ थ वा ना म का या र्ण : अ थ वा क क र्ण : स म र्ण या र्ण दू यः
 उ : अ ग म्मा ग म न या का ज : म न सा वा या क र्म ना या का ज या र्ण दू य ज : अ क का ल स ना म का य : क न : धृ
 ति न : शि व ला क : द व ला क : अ नि उ ॥ ॥ श्री श्रि ० क थ स मा य ॥ ॥ ध र्ण लि : श्री म रु द व या

श्री म

४२

कः सतिदविः मृत्क सत्रि न म द या उः ॥ श्री म रु द व न इ ल सीः वि रु द य म य म दू या उः ॥ अ न ग वि
 ना य या का उः स ति द वि रु ल म का उः व रू न क या उः य र्व त ल ल तु अ थः व थि स ग्व ल तु ला उः रु सः
 तिः रु म स तिः ध र्कः रु ला उः मू र्ज रु या उः श नः रु र्नः व रु द या उः मा स का ल रु का न या उः रु या शः ॥
 रु द विः रु स ति ध र्कः ना ना सा थ नः वि ना य या का उः आ उ ग थ मा य ध र्कः म न न रु ल या उः थ उ थ थ र्म
 धि रू या का उः उ ग्रा य ० सः वि श्र म ध र्कः रु ल या उः अ न र्नः उ रु त दि श्र वि श्र र्तः ॥ ॥ ध न लि ॥
 ॥ श्री म रु द व न इ ल सीः त य स्या मा म रु ल या उः का मः क्रा धः ला रु मा रु ता ल ता उः द का रु नु य वि रु
 उः स ग्व ल मि र्वाः ति सि या उः य र्न व रु याः रु य धा न या का उः अ ति क रु नः त य स्या मा का उ वि श्र र्तः
 ॥ ॥ ध न लिः स ति द वि याः या द इ ल सीः हि मा ल यः पु र्व त याः क ला तः म ना याः ग र्ह सः ग्रा त इ स

रु ५

४२

वि श्र र्तः ध र्त लिः यि लाः रू लाः मि लाः स य धु रु या उः म यो नोः ग र्ह न ग्रा त रु स वि श्र र्तः ग थि रु
 म वा ल रूः ग्रा त रु ल था न साः दाल किः सूर्य मा त रु थू ला उः ध ति म रुः सून दि रु या उः क र्ति स ल
 रु दः स रु क रु उः अ ति का म लः मि र्वा धा ल साः वा क्ति मा य ल स्या न थः व धु धा ल साः अ न न उ द य
 रु उ थः थ थि रु य र्म म सून दिः म ना याः ग र्ह न ग्रा त रु लीः ध व ल सः स ग्व न स्या न आ ग र्तः रु र्न
 स ग्व सः अ न गः दू न्द रिः वा रु न या स ल ता य द र्तः रु र्नः अ न ग स ग थ वा म् उः व रु ल या उ अ ली
 थ सा या उः हि मा ल म य र्व त न रु ल सीः थ थि रु पु त्रि ग्रा त रु उ सा या उः म न स अ ति आ न न्द या का उः
 ध न २ रु ला गः ध न २ म ना या ग र्ह ध र्क धा या उः म ग्रा त थः रु रु रु रु व न का उः अ न ग ग्रा ति क
 य र्निः व सि रु पु रु ति म विः वा रु दः वा न क ल रु या उः ना म क र न या त क र्णः ध र्त लिः ज वि ला क नः

इलसीः मालकाक्रिया कर्म पुनकाः नाम कर्तुं यातः साहिमालयः ध्याना नवावृत्तिः धर्मः स्व
 गमिष्य यातालसीः पुर्जातिरुद्धाः साहिमालयः कलयालयवृत्तेरुजनीः ध्याना नवावृत्तिरुल
 धर्मः नाम कर्तुं यादोतलीः धर्ममविलाक यावय नदकाः साहिमालयवृत्तया मनस इल
 सीः अतिरसा यादोतलीः अमगसा माग्री माललातकाः नानाप्रदा धर्मकाः साहनयात कर्त
 दनः कदा नकाटि तत्र मधिमा शिक्कः पितरु याताः वशिष्ठ आदिमविलाक नः आसादयकाः साय
 वृत्तः साहिमालयः धर्मरुद्धलया लयाता गमः धर्मर मनामागर्तः पनाजियनि सता गमः आतातुः
 निजियनि सनयरी मः आनन्दनः तयसा यायः यरु यायः साहमालयः धर्मकावृत्तिः अतिः श्री
 मरुदवया रुकिरुयुताः सायवृत्तताः धर्मकावृत्ती न तुनिः कदा नः काटिः अष्टत्र मायकिताः

साहिमालयः धर्मकावृत्ती वतुर्दणः कुवनया गानिरुयुताः रुनीः श्रीमरुदवः धर्मयूत्रख रुयुताः
 साहिमालयः धर्मरुद्धलया लयाता गमः धर्मर मनामागर्तः पनाजियनि सता गमः आतातुः
 तलाः वदाविदु नधर्मका याताः धर्ममविलाक याः आसादकाः मनस अति आनन्द यादोतलीः व
 शिष्ठ पुरतिः मविलाकः वाक्का दयनिः साठ सयवा तनः यज्ञा मानयादोतलीः वदाविमाताः विक्र
 त कर्त ॥ ॥ धर्मलिः वशिष्ठ पुरतिः मविलाकः धर्मरुद्धलया लयाता गमः धर्मर मनामागर्तः पनाजियनि सता गमः आतातुः
 यावृत्तिन इलसीः कथर्नः अष्टक यज्ञ यावदमाः साताधर्मः तजधिकल रुयाताः कितल रुयुताः
 लीः धर्मकावृत्तिन इलसीः वालव वलसी निरुः श्रीमरुदवमाः यज्ञा यादोतलीः कितल रुयुताः
 मालसीः श्रीमरुदवमाकः कमाता नमीताः रुनीः शर्नति र्थताता नीः धर्मः श्रीमरुदवमाः

श्री म

४४

रुद्रेयकाऽः पूजाया मुऽः रुनः ध्यावती नः श्रीमहादेवः जितस्वामिला नः लं धर्कः श्री सु यः
दवताया कः दिनस्वधालः अर्धविमीशः रुनः महादेवयूत्रबलायः निमिरुति नः अ न गः उवाते न
धानिऽः नृकादधि उवाहादि नः रुनः अ न ग क भूरा धादि क का उवा निऽः रुनः अ न ग वा न
धयनिः पूजाया काऽः राज न मात किऽः रुनः अ न ग वृत्त दयाऽः नाना माथ नः श्रीमहादेवः पूजाया
यिऽः भ (भ तु) ता कारः ॐ ध्व ग मा कः राज न मातः रुनः निगारा र मा काऽः ता कारः तय स्या मा काः
अ वा नः रुनः प र्ध प र्ध को ल य तिः का टा न का टिः म विला कः राज न मात किऽः का टि २ सा दान वि
यिऽः रुनः का ता नः का टिः द य यित रु माऽः हि कू क मात म विला क मातः दा त्रि ड मातः वा कू धा य नि
रुः दान विमीशः भ गू लिः प्र का र धः धर्म द दानः दान मा का नः श्रीमहादेवः यूत्र ब म रुऽः रुनः वा

रा ५

४४

वृत्ती न रु ल सः अ न गः सु वि प नि स नः ली त काऽः नाना ति र्थ सः ति र्थ शो ग्रा मा र्थः नाना भ सः य
रुः तय स्या मा का उवा नः भ गू लीः प्र का र नः श्री या वृत्ती नः तय स्या मा कः धर्म द दः श्री ना मा य
ग नः रु ल सः सु रि रु याऽः ग रू प ग माऽः ॐ स्वः व कूः ग दाः य द्र श काऽः आ का णा मा र्ग नः वि कू
काऽः या वृत्ती या भ स वा काऽः आ रु द य क लः रा या वृत्तीः क न त य स्या नः जि अ ति र्थ ता ख रु य वृ
नाः ध न्य २ धा य कू खऽः थ धा कू वा ल ख व ल र्थः थ धा कू त य स्या मा यः साम ध दऽः रा या वृत्तीः रु न
अ न ग भ सः ति र्थ शो ग्रा मा ताः नाना माथ नः जितं पूजाया ताः अ न ग र त्र म धि मा लि क न ति य काऽः
का टा न का टिः सा दान वि लाः रु नः का टि २ वा कू धाः का टि २ हि कू कः का टि २ म विला कः ध य निः
नाना माथ नः पूजाया न्य मा काऽः रु कू रा रु न या त काऽः का टा न का टिः रु र्ध यी त रु याऽः का टि २

श्री म

४९

वसुः काठिर तत्त्वमहिमाहिक दानविलाः रुनैः निगारुत्र माका जः भूतानः तय स्या माक ताः
दहाः लाया दृतीः धत निमिलिनः जि अति सता खइ यधुनाः वलहा दधकैः आका दय का जः ला
य त्रै वृकाः श्री ना ना य दः जित वर दानः भव ता कृता मया जः श्री म हा द वः कृ कृ श काः जित वला मि
माका जः पु सन इ स वि श्रय मालः जित वर दानः धनै ग कः धकैः या दृती न ज्ञा दय का जः
धतः या दृती माः आका दय का जः श्री ना ना य दान इ ल सीः आका दय का जः ला या दृतीः जगदि श्वर
श्री म हा द वः दृष्ट व का य ला इ ल साः जिन क न द दः ला या दृती स म र्कैः वृत मा सि नैः त ज ध द
अ न ग त व स्या मा सि नैः म हा उ रु मः अ न गः ति थि का ग्रा मा सि नैः म हा य न्नः द का य द्य माः श्र दः इ
या ज वा दः श्री १ स्व स्मा न य त म श्व त माः धर्म वृतः कृ न द दः ला या दृतीः ध धर्म वृत माः पु रा जः

हा ५

४९

नः कृ ल पा लः मा कः जगदि श्व तः श्री म हा द व वि श्रव जः नि श्व य ध कैः आका दय का जः
धतः श्री ना ना य न माः आका दय का जः या दृती न इ ल सीः आका दय का जः लाः ला क ना थः श्री
ना ना य दः ध धर्म वृत मा वि धि वि धानः ग (२) कृ कृः स म ग्री द य क मालः स म र्कैः आका दय का
वि श्रय माल ध कैः आका दय का जः धतः या दृती माः आका दय कृ कृ का जः श्री म हा वि कृ न इ ल
सीः आका दय का जः ला या दृतीः न क वि रु रु मा ज द दः धो ष श्र कृ याः धु मा सि ख दूः ध ध
र्म वृत मा नः ध र्म कृ नि र्मैः निर्मैः माल दू मा जः न क र कि मा का जः न क वि रु मा का जः रु कि पृ
र्धनः ल क्ति ताः श्री म हा द वः दृष्ट मा यः धनै लिः मा य श्र कृ याः धु मा सि ख दूः अ न ग सा म ग्री द
य का जः धर्म द नः गी ग ज ल नः श्री स्व धुः न क य न नः सि दू नः ना ना म ग ध स्मा नः ध य दि यः ने

श्रीम

४६

वयः कूलकूलः वक्राज्ञानः तामूलः दक्षिणाः वक्रादिः दयकः रुतः सताकेयायः वाखन झाः
 यः सतक्रियायाः अथा तमधि दयकः सतक्रिया ग्वल आखन दयकः सतक्रिया झल दा झल स्या
 न दयकः सतक्रिया यत्र र मका दयकः सतक्रिया यातः ग्वल दयकः सतक्रिया कृतः ग्वल दय
 कः भूतः सार्मी ग्रीता ललात काजः पाउ स उ य वा त हाः शाख स्तान यत्र म ध्वतः स्तान यता या काज
 यज्ञायायः दू का ज य ध्या नयायः दू का स्तान य उ ल यः आसिवा स्तानः हा या र्वतीः धन धूत काजः य
 याः अथा तमधिः आ तु र मकाः आ ग्वलः अखतः आ झलः दा झल स्या नः आ या त ग्वलः आ कृत
 ग्वलः सा ग्वल स र्तिन दय काजः यत्र ल उ झायः यत्र ल उ झायः काय ल उ झायः कार्य म द त
 साः मित्र काय ल उ झायः मित्र कार्य म द त साः अ अ म न नः क काम ना या काः अ गुलिका म ना

हा ५

४६

श्रीम

४७

लयालः यज्ञायाय धकः वा र्वती न रुल साः वा द श वो र्वे न नः श्री ना गाय धः यज्ञायाय नानाः
 माधनः यज्ञा माना या काजः श्री ना गाय धयाः व न न र्हीः हा क य या जः म न सः अति रु र्व मान य
 काज धानः धन लिः श्री ना गाय ध न रुल साः वा र्वती याः यज्ञा मा न्य का या जः वा र्वती या तः व
 त दान वि या जः गत्र उ ग या जः वा र्वती या क द द का या जः अ न र्ही अ न ध्या न रु या ज वि अ
 र्ही ॥ ॥ अ न लिः वा र्वती न रुल साः श्री ना गाय ध या आ र्हीः अ न गः स र्तिन य नि स नः लि न
 काजः यो ख शू क याः पृथु मा सि ख दूः श्री ख स्तान यत्र म ध्वतः धर्म वित र्हीनः ध र्व दू
 ति सः गथ मा रु वि दू नः आ र्ही द य क लः अ र्हीः प्र क र्ति रु या काजः प्र क र्ति रु या काजः न म य
 काजः म रु रु वि रु या जः नि र्हीः माल दू या जः रु कि र्व र्व नः अ ध्वत या कः म न त या जः लः

हा ५

४७

४७

वर्धु इयमालधर्कभायाः नदिसुः वदलप्यकार्यः लोयावर्तः ॥ ५ ॥ धनधः ॥ कुर्न
धर्मवृत्तदकः ॥ धवलसकनकः ॥ अथानमधिः कायलानकः ॥ श्रीमहादेवः ॥ कुलपालमाक
विश्वरूपः ॥ निष्ठमधर्कः ॥ लयावर्तः ॥ कुनतयस्थानः ॥ त्रिपुरतीर्त्तसिंहमयूनाः ॥ तथास्तुः ॥ कुनः
भायाधर्कः ॥ श्रीमहादेवः ॥ लोयावर्तः ॥ कुनस्वामि इयमालधर्कः ॥ लयावर्तः ॥ आउधधर्मवृत्तमाः
विधीयुर्धकः ॥ कुनधर्माः ॥ आउत्रिडा नः ॥ तलाधर्कः ॥ आकादयकाः ॥ धनविष्णुहृत्सुर्किः ॥ श्रीना
गायधर्माः ॥ आकादकाः ॥ मनसः ॥ अतिशानदमाकाः ॥ श्रीनागायधर्माः ॥ यत्रनसः ॥ राकयुर्मा
जः ॥ लयावर्तः ॥ आकादयकाः ॥ लयावर्तः ॥ श्रीनागायधर्माः ॥ यत्रनसः ॥ राकयुर्मा
दिलोयावर्तः ॥ कुलपालमाकयानः ॥ श्रीस्वस्वानयत्रमधर्माः ॥ धर्मवृत्तकनधर्माः ॥ आउक

कृताः ॥ श्रीमहादेवः ॥ यत्रमाकाविष्णुर्तः ॥ धर्नलिः ॥ लक्ष्मिदयाः ॥ माधवकृमाः ॥ वर्धुमा
सिखदुः ॥ अनगसार्मगीताललानकाः ॥ सतक्षिआयाअथानमधिः ॥ दयकाः ॥ गगनरुलः ॥ श्री
खदुः ॥ नकवधुनः ॥ सिन्दूरः ॥ यत्ररुमकाः ॥ सुगन्धधुयदियः ॥ नेवदुः ॥ दलदुलः ॥ यकज्ञान
ताम्बुतः ॥ कसुतः ॥ वसुः ॥ दडीधः ॥ तानायर्थदोः ॥ दयकाः ॥ दकासखियनिसनः ॥ लितकाः ॥ म
धधकृमाः ॥ वर्धुमासिखदुः ॥ श्रीस्वस्वानयत्रमधर्माः ॥ लयावर्तः ॥ दकावृद्धियरिकाः
जः ॥ वृद्धिमाकः ॥ विरुतमाः ॥ आउधधर्मवृत्तमाः ॥ श्रीस्वस्वानयत्रमधर्माः ॥ यत्रमाकाः ॥ ध
गुलिः ॥ धर्मवृत्तः ॥ श्रीलयावर्तः ॥ आउधधर्मवृत्तमाः ॥ श्रीस्वस्वानयत्रमधर्माः ॥ यत्रमाकाः ॥ ध
धर्मवृत्तमाः ॥ देवतः ॥ वृद्धिमाकः ॥ नतिसकाटिदवताः ॥ सगमसः ॥ जयलयाः ॥ स्वर्गम

श्रीम

४८

ध्यानालः त्रिपुवर्नः गङ्गायाः यत्र मसूखनः गङ्गायुक्तः त्रयाय नः ॥ ॥ **धनसि** न
 तिसकाटि दवतायाः गङ्गा नरुलसीः मननरालयाः अजनुनिः यायिष्टः ताका गङ्गा त्रयाय
 के मातः कात्र दतः गङ्गायाः धर्मालयः यद्वतमाः कात्र याद्वती नरुलसीः श्रीमहादः
 वः पूरुषकायनिमिरिनः श्रीस्यस्तनयत्र मसूखनः धर्मवुतदनाः अजः श्रीमहादव अः
 श्रीयाद्वती अः विवाहात्र इष्टु अः धवलसः याद्वती माकनः पूरात्रात इष्टु अः धर्मवालखः
 नः यायिष्ट ताका गङ्गा त्रयाय अः धवलसुतुनिः त्रिनः **जमगावति** लिलातका अः यत्र मसूख
 नः गङ्गा अः गङ्गा ही गमाय दष्टु अः धर्मः मननरालया अः तिसकाटि दवताः वानकलकय
 अः दवता गङ्गा नरुलसीः दवलाकयाः कृता नः अः दमका अः हासकल दवलाकः त्रिष

हा ५

४८

ददः कृष्णलसाः ताका गङ्गा दताः यायिष्टः ताका सूत्रनः त्रिमिसृष्टमलावतिः नलाअन अ
 अजधयायिष्टः ताका सूत्रः सीद्यात्रमायमातः उवायदतः कृत्वा यमध्यात्रसाः हिमात्मयः य
 द्वतयाः **पूरीयाद्वती नरुलसी** श्रीमहादवः स्थामिलायनिमिरिनः श्रीस्यस्तनयत्र मसूख
 त्रयाः धर्मवुतदनाः हादवलाकः अजः श्रीमहादव अः श्रीयाद्वती अः सिपूत्रुषरुमी अ
 धवलसः याद्वती माकनः पूरात्रात रुमी अः धर्मवालखनः यायिष्ट ताका सूत्र त्रयाय अ
 निष्ठिमः हादवाः अजः श्रीमहादवः उरुय ० सविष्ठाका अः सतिदविमाः वित्ररुनः अत्य
 कः तमयाया अः काकाधः लारुमारुः तालता अः स्वग्वलमिस्वी तिसिया अः यत्र वृक्षयाः ऊ
 यध्यातः तयस्यामाका अविष्ठातः दवलाकः धर्मगङ्गादिष्वत्रः श्रीमहादवः गङ्गा नरुलसीः

म२

हा

श्रीम

४५

कमलः कुड्या यया मालः आरुद सविश्रुतः धर्कः दवगात्रं नृनः आरुद मकाडाः
धनः दवगात्रं नृनः आरुद मकाडाः नृनः सकाटि दवताने आरुद मकाडाः हा दवगात्रः नृ
नृनः धनः कलयाल सनः आरुद मकाडाः स्वः सखाः हा दवगात्रः आडाः श्रीमहादवः जगर्तना इ
यकः सूर्या गम्य मद्रुः हा दवगात्रं नृनः धनः नृनः मेको दवक क वाहि कनः भव दवतान नद्रुः हा
दवगात्रः धनः काम दवः कामाडाः श्रीमहादव मानु गल सः सानवाला नः पुरा न मान किः
डाः धवल सः श्रीमहादव याः जगर्तना इमि अधर्क धायाडाः धन दवला कनः विनति माका
डाः धन दवला कया विनति ककाडाः नका ननः वायु दवता कामाडाः काम दव वान कलका त
धवल सः वायु दवतानः काम दवः वाकाडाः रुर्लः धवल सः काम दव नरु लसीः दवगात्र

हाद

४५

नृनः यन सः सकय याः विनति याने हा दवगात्रः कु निमिर्लिनः वायु दवताका
याडाः शिवान कलरु माः का नन कु धर्कः आरुद मकाडाः धन काम दव याः सखा ककाडाः द
वगात्रं नृन इल सीः आरुद मकाडाः हा काम दवः भवता का नन नः कलयालः यान क
लरु मा मखः कु निमिर्लिनः धाल साः उग्रा यध सः श्रीमहादव नः काम का धलाह भारुः सनः
सी ताल ताडाः दका नृनिय वध माकाडाः श्रीये री वक्र माः जय ध्यान माकाडाः नय स्या माः
काडाः विश्रुताः धन श्रीमहादवः धन यानः गध ध वक्रा धुः सनाने नृन सूनाने माः
युडाः हा काम दवः धन निमिर्लिनः कलयालः उग्रा यध सविश्रुताडाः श्रीमहादव मानु
गल सः पृथवानः पुरा न माकाडाः श्रीमहादवः जगर्तना इयक मालः हा काम दवः ध

श्री म

१०

नमः नति सकाटि दवतामाः श्री माका अ विष्णु मालः हा काम देवः अत निमिर्हितः कलप
लः वात कलहमाः धर्क धामाः धर्क दवता गुरु नु या श्री कृष्ण का अ काम देव नरु लर्षीः श्री
कृष्ण दम का अ हावे दे नुः अ व स न कि नः कलपालमाः श्री कृष्ण का अ उ ग्रा य ध स उ का अः
युष्मा वातः युष्मा त माका अः अ गदिष्ठतः श्री म हा द वः अ ग र्क ना इ म क धर्कः नु नु याः अ त न स
हा क य माः व दा का मा अः ध अ क ला तः तति नः सहित माका अः अ न नः उ र्क ना य ध स उ नः
धर्न लिः काम देव नरु लर्षीः श्री म हा द व मा अ सः (ध न क न अ नी अः द व ता ग मा श्री कृष्ण अः मा
न नः श्री म हा द व मा तः न म स्की त माका अः ध नू य ना न क मा अः लि ग न सः वीला दू मा अः
क स या त ध न कः लि ग नः सा ला अः श्री म हा द व माः नू ग ल सः युष्मा वात युष्मा त मा तः ध वः

हा द

१०

त सः श्री म हा द व माः नू ग ल सः युष्मा वात न क मा अः श्री म हा द व माः अ ग र्क ना इ लीः धर्न
लिः श्री म हा द व नरु लर्षीः ध अ कः युष्मा वात नः क य कृ स या अः अ स नः क्रा ध माका अ
सा ग ल मि र्वा नः मि यि का मा अः सा त का स नः त स्की त नः काम देव रु स इ मा अ अ नः धः
न लिः काम देव माः क ला त नः तति नः इ ल र्षीः ध अ स्या मिः रु स इ अः सा मा अः अ ति वि ताः
य माका अः श्री म हा द व माः क अ नः अ का अः श्री म हा द व माः अ त न सः हा क य मा अः वि न
नि या तः हा य त म स्त्र तः श्री म हा द वः रि स्या मि माः कृः दा व न म स्त्रः नु नु याः श्री कृष्ण न थ का
धु गु लिः युष्मा वात न क य क लः हा अ ग ना य कः रिः ख का अः द मा यु न इ स विष्णु म मालः हा
हा गि (हा स तः अ अ कितः स्या मि व त दा न वि स विष्णु मालः हा अ गदिष्ठतः रिः वि ध वा मा य म

य

कलयालयाक२

श्रीम

११

न शः त्रिस्वामिका मयवः। हानकाः। पुनरुपमालः। हाववधुः। धनः। त्रितवत्रदानवी
सुवने सैरुपमालः। हाकिं कलयालयाः। यत्र दसकाटि २ नमस्कात्रः। हातिनयनः। कलयाल
हूँ उः। गयि कथालसाद्वया नासदो योः। साधुजनयनित्रजो यादाः। विष्णु कः। भथा क
कः। हूँ ध्वत्रयाः। यत्र दसकाटि २ नमस्कात्रः। हावत्रमध्वत्रः। त्रिभथा कथिता ज्ञानतः। कलयाल
याः। सुतिमाय कू दूँ उः। दालकिः। कुतुभला उया कः। (६) श्वनागर्नमदूः। त्रिवलनः। कु
याय दूँ उः। धर्कः। नानाप्रकारनः। विनायमादाः। विनतिमातः। धनवित्रहनतिमाः। विन
ति कदाः। मनसः। अत्यन्तानन्दमादाः। श्रीमहादेवत इलसीः। आहोदयकोः। हात्रः
तिः। कनमुतिनः। त्रिभुति सैतावहमयूनाः। हात्रतिः। भगुलिजन्मसः। कनस्वामिका मयवः।

राध

११

१३

हानमदनाः। गवदलसः। यत्र पुननागायधनः। श्री कृष्णवताल हूँ उः। भवलसः। कन
स्वामिः। श्री कृष्णयाः। कोमरुयाः। पुद्गमनरुयाः। अवनोत्रकाहूँ उः। भवलसः। तुनिहूँ
उनायः। हाति उः। हात्रतिः। आ ज कू दूँ श्वतायमतः। कनमनात्रथः। हावत्रदूलः। कलिमाः
आरैरसः। भवलसतुतिः। कननायलाहूँ उः। हात्रतिः। आ ज कू लिहाहूँ तिधर्कः। आहोविमा उः

धन श्रीमहादेवयाः। आहो कदाः। त्रितन इलसीः। मनसः। प्रतिष्ठा नन्दमादाः। श्रीम
हादेवयाः। यत्र दसः। हा कयूयाः। धनवत्रदानकायाः। वदाकायाः। भजकलिराजान
धर्नलिः। श्रीमहादेवत इलसीः। सतिदविः। सिकलूमकाः। नानासाधनः। विनायमादाः।
सतिदविमाः। त्रिजगनजन्मकालजनश्वधर्कः। मततलो लयाः। आ नदकिं सतः। धर्नलिः।

श्रीम

१२

सति दवि माः किञ्चिद्दि सा लय य द्ध न माः यन्त्री रु मा अः इ न्म काल ज न ध र्कः य्मा न दृ ति न सा
या अः ना ना मा थ नः मन न लाल या अ थ नः आ अ थ कः या द्ध ती नः क्रियू नू व का यः मि मि लि तः अ
न ग ती थ त्रा गु या तः अ न ग दान य द्ध या तः ना ना मा थ न य स्या या तः अ न ग व तः आ अः अ ३
स्व स्का न य त म ष्य त मा ध र्म वृ तः अ आ दि नः द नाः अ त न आ अ जि नः या द्ध ती याः य त्री रु सा
य ध र्कः मन न लाल या अः या द्ध तीः वा क थ स थ न क वि अ तः ध न तिः आ या द्ध ती याः वृ त र्से य
धु रु या अः अ ३ स्व स्का न य त म ष्य त या तः अ य ज्ञा दा अः आ स्का द य क लः हाः आ स्व स्का न
य त म ष्य तः कु ल याल स नः आ म हा द वः क्रि त यू नू व या दा अः पु न रु य मा लः हा नि र्ग रु रु
नि रा कालः कु ल याल याः य त ध र्मः का टि २ न म स्का त ध र्क य्मा या अः ३१ गु न माः आ स्व स्का नि

स ५

१२

द वि न भा ॥ ॥ अ द्ध द्ध वा दि काल साः ग्री (१) ना क म ला स नाः सिं हा स नाः सि द्ध त स न
का र वि पु श्वि तः म ति क ला ट य त रु या वा दूः द कि (१) व त दा अ ३ स्व र्ग व र्म ध र्म द वि
वा म द कि (१) क र्म धः पु र्व ध्मा ता म हा द विः स्व स्का नि रु ग दि ष्य त्रि ॥ ॥ म नु दि न कि मा
दि नः मा त्रा दि न रु ग ति दि नः य त म ष्य त्रि ॥ ॥ ॥ रु नः अ ३ स्व स्का न य त म ष्य त या त
अ य वि लः रु नः या द्ध ती नः अ ३ स्व स्का न य त म ष्य त याः रु य ध्मा न र्से य धु या दा अः अ न
ग मु ति मा र्गः हा आ स्व स्का न य त म ष्य तः कु ल याल रु ०० अः द व ता नः द व ता रु मा अ वि अ क
थ थ रु कः ०० अ य त मा त का टि २ न म स्का तः हा य त म ष्य तः ध र्म या नः ध र्म मु लि कः ध कु ल
या लः वृ क्का वि क म हा द वः ध कु ल यालः रु दि ति र्से या तः ध कु ल यालः य द म हा त

श्री म

१३

धामागुलिः धं कुलयालः त्रिगुणः तमागुणः सत्वगुणः धं स्वगुणः कुलयालः अर्नमद
आदिमदः कुलिमदः लाहाकिमदः वर्धुमदः धं कुलयालः रुर्नः विष्णुत्रमूर्तिर्नः कुलया
लः रुर्नमनुजमानगलसः आत्मायूयवहयाजः विष्णुकर्कः धं कुलयालः आदिष्टार्कः आदि
यूयवकुलयालः कात्रस्वययर्कः कुलयालः वक्रधामार्कः कुलयालः लायत्रमष्टत्रः कुलया
लयाः सुतीयायजिसार्थमदः लायत्रमष्टत्रः कुलयालयाः मुतिमायः वदुर्मयवक्रार्कः ला
मथमदः सत्रष्टतिमाः गीममदः दालकिमुत्रुधलाजः वादक्रार्कः (१) वनागार्कगममदः ला
वृष्टत्रः त्रिमिसागतनः कृसासार्थदमीजः लाष्टास्वकनयत्रमष्टत्रः कुलयालयाः वत्रष्टसः
सहष्टकादि२नमस्तत्रः लायत्रमष्टत्रः श्रीमहादेवः कितस्वामिमाकाः दयायुर्नरुसुविष्णु

ला ५

१३

यमालयर्कः नानामाधनः सुतीयाकाजवाकवलसः रुश्वभत्रिहयाजः श्रीमहादेवः नृला
वतिः किस्तिगयाजः वक्रगाकाजः यावतीयाः रुजः (१) धनकलविष्णुर्नः धर्नलिः यावतीन
इलसीः दवनाग्रवृद्धाजवकाजः आह्लादयकलीः लादवनाग्रवृद्धाः कुनिमिलिनथनवि
ष्णुकाः कात्रष्टकः आह्लादयकलविष्णुर्नधर्कधामाजः धनयावतीयाः लाखाककाजः वृष्ट
नृहवः श्रीमहादेवनइलसीः आह्लादयकाजः लायावतीः धनरुक्तः कनतयस्मानिष्ट
तिर्नतावइयधनाः लायावतीः कनश्रीमहादेवः यूयवकायः निमिलिनः अन्नगतीधर्गा
याताः अन्नगदानयनयाताः श्रीस्वकानयत्रमष्टत्रयाधर्मवतआदिर्नदनाः कृसायाज
कनः श्रीमहादेवः यूयवकायतकाः महादेवः धामाकाजः जयधकाः रुर्नः अतिजिताः

श्री

१४

हाः गवा सस्य नक्षत्रा माः अथ फल गमाः स्वजाला तनः प्रष्टु लला हाः जज
 लाहा तनः उम्व त्रिथा हाः धृक् गुत्रिनः जसदि हाः हत प्रत विष्ठा चदि नः सित काः प्र
 सन काय काः लाकर थः प्यावन रु माः दिर्ग वर रु माः गज्ज म द म जै कोः मृसा न मा
 हसनः क स व माः अति अद्या त मूर्ति रु म काः यति जः हा या र्व तीः धन नः क रु उः
 अतिकामलः य त म स न्द त्रिः रु माः ज वा रु कः क न त म हा द वः स्वा मि शा ग म रु उः हा रु व ती
 क न य त्रु य का य ला रु ल साः जि स र्ज या गा ज्ञा भू काः हा स न्द त्रिः ध व ल सः क न ला क याः ग
 ति रु उः हा या र्व तीः धन म हा द वः रु ज ता मा य म मालः जि क रु रु ना मा अधर्कः रु व धा त्रि उः
 रु नः आ रु द म काः धन रु व धा त्रि उः रु नु या ला रु हा रु हाः आ या र्व ती न रु ल साः अ रु न क

हा ५

५४

ध मा हाः आ रु द म काः हा या यि रु द व गा रुः आ ज जि न क न तः अ रि ष्टा य वि म रु या
 ज धर्कः हा या यि रु सा २ आ रु ल न य त म रु त्र माः ध र्म द हा ज आ रुः आ म द रु व मा रु
 अ न ग पु का त नः नि डा या हाः वा ल वि याः जि आ रु या हाः थ थ रु अ र्ग म रु ख ला त ज
 हा या यि रु द व रु रुः आ ज जि न णा य वि म रु याः ध र्कः आ रु द म काः धन या र्व ती
 माः हा रु हा रु हाः रु व धा त्रि उः रु न रु ल साः आ रु द म काः हा या र्व ती ध न २ क क न य ती
 रु सा य ध र्कः जि न रु रु या रु व का याः क न य त्रि उ सा य ध र्क ज माः हा या र्व तीः ध न २ कः जी
 रु ल साः रु रु म रुः आ म रु द व भू काः हा ज जि मूर्ति ध र्कः हा या र्व ती क न न य सा नः क न रु

श्री म

११

किं ताव नः किं प्रति सी का व इ य धू नाः आ ज क न त्रि तः त मा ज न मा गु भू भू तः म वि किं जः
धर्कः आ हा द य का जः रू द्र मा रं व ना ल ना जः भ ज मू लि ध त ल या ज क र्णः थ व ल सः पाः

वृ ती न र ल साः म न सृ ष्ति रु ष ना न मा का जः श्री म हा द व माः व त न स ल क य मा जः मू रू
रु न हि ला जः आ हा द य क र्णः हा हा मि त्र ग दि ष्ठ तः श्री म हा द वः ध न्म २ त्रि ला ग्य न ख नाः हा

रू ष्ठ तः कू ल पा ल स्वा मि ला य नि मि लि नः अ न गः ती र्थ ज्ञा ना या हाः अ न ग दान य ध मा दाः
अ न ग ध र्म वृ त्त द हाः थ (थ) नः कू ल पा लः द र्श न म दूः रु न् अ न ग त य स्वा मा हा जः थ (थ) नः
कू ल पा लः द र्श न म दूः थ (थ) वा दा व ल सः श्री वे कू थ ना ० ना ना य धः थ न (थ) न क ल वि श्रा हाः

हा

११

जः त्रि त ष्ठ ति कृ या या जः त्रि त व त्र दानः वि स वि श्रा तः कू व त्र दान धा ल साः कू ल पा लः स्वा मि
रू य मा ल ध र्कः रु नः श्री २ स्वा हा न य त म ष्ठ त माः ध र्म वृ त्तः त्रि त उ य द र्श वि मा ज त्रि न उ द्रा

त्र या हा ज वि श्रा ताः हा स्वा मि श्री म हा द वः थ ध र्म वृ त्त मा वृ त्त व नः श्री ता ना य ध मा द या नः कू
ल पा ल स्वा मि ला हाः हा रू ष्ठ तः थ वृ त्त मा य ध नः त्रि म ना त थ य र्धु रु ला ध र्कः ध न्म २ त्रि ला ग्य
नः ख नाः हा वृ त्त श्री म हा द वः आ ज थ भू भू त म विः कू ल पा ल मा तः वि म म रू निः क न्या दान धू न

का ज वि यः थ न नः श्री आ ज वि व रू रू या था स तिः अ न न्मा ध र्कः आ हा द य का जः अ न ग स खि न ली
न का जः श्री म हा द व स रू तः रु मा ल यः य र्ध न माः आ स वि श्रा तः थ न लिः य र्ध न मा ना ज्ञाः रु मा ल

श्रीम

१६

य न इ ल सः श्रीम हा द वः विष्णु क श्व का जः रुता स नः अ य द का जः च ग द सः हा क वृ मा जः लि
वा म का जः या दा र्घ वि या ज हि गु लिः आ स न स न मा जः सिं या स न स विष्णु त का ज त लः ध न लि
हि मा ल य न इ ल सः म न स अ ति आ न न मा का जः ध अ य त्री या र्घ ती याः श्रीम हा द वः य त्र व ला
का जः ध न २ क न ल ग्धः ध न २ क न य त्रि या र्घ ती या ल ग्धः क न इ ल सः श्रीम हा द व र्धिः क न य त्री
या स्वा मि इ जः हा ध य म न नाः आ ज श्रीम हा द व या नः या र्घ ती क न्ना दा न वि यः मा ल का सा र्म ग्री नाः
ल ला त कि जः ध कः आ स वि या जः ध न लिः व ङ्गि वृ य तृ तिः लि षी ला कः वा न क ल का या जः दि न
सा या जः ध न लिः सू य ल का टि द व र्णः निर्म तृ ता या त क ल का र्णः रु न य जः गी ध र्घ कि न तः अ य

हा ५

१६

स ताः धे ल दा न वः ना ग ला कः ना त द य तृ तीः मु निः स्व र्ग म धाः या ना ल स द काः य थि स द
काः वा क्का र्घः वा न क ल का या जः अ न ग ग्रा त्रा या हा जः अ सि दि न स र्व क्क श्रीम हा द व या न श्री
या र्घ तीः क न्ना दा न वि य ध कः वृ षा वि वृ य तृ तिः त ती स का टि द व र्णः वा न क ल का या जः अ सि
दि न स र्व क्कः क न्ना दा न वि य या नः ना यो त या र्णः ध व ल सः व ङ्गि वृ य तृ तिः लि षी ला क नः व तु
व द य ज ल या ज या नः रु नः मु नि ला कः वा क्का र्घ य नि स नः अ न ग य त्रा ना दिः या ध मा हा ज या नः
रु नः य तु म्भ र्घः वृ षा र्घः म क्का सा ला द य का जः य स आ ल म्भ या हा ज वि ष्णु तः रु नः द व र्कः
न्याः य तु क न्नाः ग ध र्घ क न्नाः कि न त क न्नाः ना ग क न्नाः ध य नि अ न गः अ स त न ति या जः ना

श्रीम

१७

नाति सानति मा जः कषात्रीः कलुत्रीः श्री स्वधुः अत्र गज्ञानः क सव मा ज या नः रु नः अ स २ मा
ना यश प्रहतिः द व ता वि ज्ञान का जः अ स २ वि ज्ञ मान ध हा ज त लः रु नः ग ध र्व य नि स नः म

हा ल का जः अ य या य निः या स्व न रु य का जः ना ना र्म ग ल ज्ञा या का ज या नः रु नः अ त ग सा
म ग्री अ स २ त या जः त या त या का ज त लः ध न लिः म ना न रु ल र्माः थ अ य त्रीः या र्व तीः अ न ग
श्री स्व धुः अ र्ग ज्ञानः क स व मा जः त ल म शि मा शि कः थ का ज त याः अ ह त न न य य का जः वि ज्ञ

वि वि त्रः ज स त न न ति य का जः त ल मा लान का स्वा य का जः श्री म हा द व याः अ स त या ज त लः
ध न लिः हि मा ल य न रु र्माः म हा स व ला सः न ती रु का टि द व ता नः सा न का जः म हा र्म ग ल ज्ञा

हा ५

१७

ग्रा या हा जः थ अ य त्रीः श्री या र्व ती या ला न र्मा हा जः हा म ल क षा त या जः म ना नः क म धु त्र
नः रु ल धा ना हा य का जः व क्रा ष वा क या त का जः हि मा ल य म र्व त न रु ल र्माः श्री म हा द

व याः कृ ज न षा हा द य का जः हा र्व वि ह तः श्री म हा द वः अ ज स व ला रु लः अ जः थ य त्री
या र्व तीः क ल धा ले या नः क न्या दो न वि म व ला रु लाः क ल धा ल याः ज्ञा न कः ग्व त्र कः ग्व त्र म
द य कः कृ का र्म या र्म म दू ध कः या र्व ती याः ला हा न र्मा हा जः हा म ल क षा ला हा नी रु हा हा ज या

नः थ (थ) हि मा ल याः हा र्वा ष हा जः श्री म हा द व न रु ल र्माः कृ ती धा र्म म क ला जः रु द्रा या र्म
जः का कृ हा जः स म् क वि ज्ञानः रु नः व क्रा वि कृ रु नु प्र ह तीः स य हा का टि द व ता नः य ज

गन्धर्वः किन्नरः वल्किः पुरुषीः लिखी लाकर्तः हिमालयपर्वतमातः ५५ क्रीधर्कः उ
वायवियमरुमातः ५६ वल्लकसकलीः काकूठाउसुमर्कयानः ५७ वाहवलसः सखलाक

श्रीम

१६

तः नागदमूनिविष्ठाठाउः सतिदवीयाः हागतः उत्रथाठाउः श्रीमहादेवयाः महालाजः
याश्वनरुमातः यवृत्तगार्हा हिमालयमाश्वः विष्ठाठाउः नागदनरुतसीः श्रीमहादेवकली
हायवृत्तगार्हा हिमालयः श्रीमायावृत्तीदविः उगदिष्ठगः श्रीमहादेवयानः कन्यादानविह्वन

हाद

१६

कुलपालः माः मनसः सख्याकामसुमालः स्वक्रश्रीमहादेवयाः मायानः सुद्विक्रितिः स
द्यागदयकाउतलः ग्ववलसः सुद्विमाळुः ग्ववलसः सद्यागमाळुः रुनः उक्तायि

क्रुडधर्कः कृकनः साकृमूर्तिरुमातविष्ठाकः ५८ श्रीमहादेवयानः सार्त्तमदः व
वृमदः शार्त्तमदः ग्वत्रुमदः सर्वद्यायिधायः ५९ श्रीमहादेवयानः हायवृत्तगार्हाः सुय
स्वकाटिदवनामाः अग्राश्रधायार्कः ६० कृकः रुनः वतुर्दष्टाद्रुवनसः अन्नगः श्रीमादजः मनु
ष्याः आदिमः वृकः यावनः किलयनगः भयतिहः नृगलसविष्ठाठाउः यावयुधमाः साकिर
मातविष्ठाकः निर्गन्नः निनाकागधायार्कः ६१ कृकः प्रातिदकोयीतिउधकः ६२ ग्वत्रुः हाह
मालयः ६३ कृकः ग्वत्रुः श्रीमहादेवयाः सद्विनाशिनगः ६४ कृकः दालद्विक्रुतुश्रलाजवाह
कः ६५ वनागयीः गम्भसदः रुनः त्रिपिनाः वतुमूर्खः वक्रायीः सार्त्तमदः त्रिवहयाः क

श्री म

१२

सामर्थ्यद्वयः शिवालयः धनः विग्रहया यमकलाः वला हता सुइलाः कीर्त्ता दानवि
 दूतः शिवालयः धनः २ कलया लया रागः धनः २ मना यारा गः शिवालयः आ उ विग
 हया दः विद्या यमकलाः श्री महादवयातः आ माः श्री या र्वतीः कीर्त्ता दानवि दूत धर्कः आ हा
 दयकाजः धनः नात्रयाः आ हा दहाजः युक्तादिः दवला कर्नः धनः २ नात्रय धर्कः दका दवताने
 मुनियार्नः धनलिः यर्वन नात्रः शिवालय म नरुलसीः म न सः अति हर्ष मानया हाजः युक्ता पुह
 तिः मयी लाकतः य उ या ग न या त काजः यन्त्र सूर्यः सा कि भा हाजः नात्रा य हाजः सु य स्व
 कादि दवला क न स्व त काजः अ न गः म हा ल काजः या श्व न दू य काजः नात्रा म ग ल नात्रा या

स ५

१२

हाजः मना नः जलधात्रा हा य काजः नात्र दयाः आ हा (थु) अति दिन स र्व दूः महा सु वला
 सः श्री महा दवयातः शिवालयः यर्वन नः धनः युक्ती या र्वतीः कीर्त्ता दानविली ॥ ॥ धनलि
 या र्वती नरुलसीः श्री महादवः सा या क उ लाजः स्वा न माला नः का श्वा य काजः यत्र श स हा
 कयू याजः अ न गः युका ग नः युक्ता या हाजः श्री महादवयातः रवा ल स्व याजः यत्र मः आ न न न
 वार्नः धनलिः रुमालयः यर्वन नः श्री नात्रा य हाजः युक्ता पुह तिः दवतानेः यरु सै य धुम
 हाजः या उ स र्व या ग नः युक्ता या हाजः नात्रा य दार्ध द य काजः हा ग न या त कर्नः रुनः यर्वि
 ति पुह तीः मधिः नात्र द पुह ति मुनि ला कः वा कृ धः या उ स उ य या ग नः युक्ता म न या हाज

अननः प्रकाशनः काननया न काजः कायनकाटिः सुवर्ण दक्षिण विद्याजः काटि २ सा
 दानविद्याजः **धर्मदूया** **(धरुकि सार्जन पूजायार्तः धर्तलिः वक्रादिदवतार्तः वसिष्ठ**

हतिः जविलाकर्तः रुमालययाः रुकिहावनसायाजः मनसज्जति वृत्तिरुयाजः आह्लादय
 कलः हायवर्तनगः रुमालयः धन्य २ कलयालय हाग्यः **धन्यमनायी हाग्यः कलयालः समा**
 नः सार्जनध्यायातालसंदूतः हायवर्तनगः कलयालयनीतः जन्मकातजायायाः सादू
 ल्यइलाः श्रीमहादवधिः कलयालयनितः डि लाजनइलाः धन्य २ मनायागर्तः हायवर्त
 नगः **रुसविश्रुतः** ग्वकृष्णमहादवः लव लवदः तयसाः वाहनः दर्शनमायमदः

रुनः जालाष्ट्रयनीतनः ध्यातनः लयकमसूडाकः धधीदकः विनाकधात्रिः श्रीमहा
 दवः कलयालयः यूतीयावर्तीयाः **स्वामिशलाः हादमासयः धन्य २ कतलाग्यः कलयाल**
 समातः हाग्यवर्तः मवनदूः हायवर्तनगः रुमालयः आजत्रियनिजानतलाः वदाविदू
 नः धर्कः सुयस्वकाटिदवनीमः रुजुः गन्धर्वः किन्नरः अय्यागालाकर्तः **वसिष्ठपुहतीः**
 मविलाकर्तः **आह्लादयकाजः धनः श्रीनागायशः पुहतीः दवतोयाः आह्लाकहाजः वक्रा**
 दिः दवलकः वसिष्ठपुहतीः मविलाकर्तः रुजुः गन्धर्वः किन्नरः देवदानवः अय्यागः ना
 गलकः नागदपुहतिमूनिष्ठनः धनदवर्तः पूजार्मीन्याहाजः वदाविद्याजः लिहविश्र

आम

69

नकलः धतलिः ॐ नृ पृहतिः नति सकाटिः दवताने रुमालमयाः वृजामा नृकायाजः ध
ज२ अमस विष्णुः नागदः वशिष्ठ पृहतिः मयीलार्कः ५ अ२ अष्टमसजानः ३३ ग

धर्षः किन्नरः अय्याताः धयर्तिः धज २ था सजर्न ॥ ॥ धनलिः यार्धती नरुलसीः छा मरा
दवयातः सग्वनसहितदयकाः आयाध्यातमधिः आतु ररमकाः आग्वलः अकुतः आदु
लदाका सानः आयातग्वलः धतः सहितनदयकाः छा मरा दवयातः यार्धती नरुलसी
लज क्लाकाविलः धनलिः यार्धती नरुलसीः सग्वनलज क्लाकाः छा मरा २ दयाः यतध
सः राकय्याजः आकादयकलीः रा २ र छा मरा दवः धन २ रिरा ग्वनखनाः धला धकाल

五

69

५॥ कलया लयूयः लायनिमिरिः नानाधर्मदहाः ज्ञनगतयस्यायाहाः नानाशसनी
 भजग्रायाहाः ज्ञनगः दानयधमाहाः भनितुनिः जिकुतार्थहलाः **लाहृषत्रः** नागयथाः
 माः उयदहातः ज्ञास्वस्वतयत्रमध्वत्रयाः कयातः कलयातः स्वामित्ताहाः धन्यत्रिहाग्वनः
 खनाः लायुजुगगदिध्वत्रः ज्ञामहादवः **आजिजः दयायुसत्रहयाजः** भजस्त्रिलयाजः क
 यायाहाः विद्यायमातः लाज्जदियूयः रुनीः जितवूनाययायहसविश्रादूनः कृधालसाः कलः
 थालयाकयातः जिनः भगुलिः ज्ञास्वस्वतयत्रमध्वत्रयाः धर्मवतः नागयथायाः दयालाहाज
लाहृषत्रः भनतः भगुलिः ज्ञास्वस्वतयत्रमध्वत्रयाः धर्मवतः गुफयाहाजः तस्यविश्रयः

नर

श्री म

८२

मनः शः श्वक्ता २ दूः शि इलः श्वक्ता २ दात्रि ड इलः श्वक्ता २ वावि इलः रुनः श्वक्ता मीः सैतान
मदूः श्वक्ता मीः यत्र व मदूः श्वक्ता मीः कला त मदूः श्वक्ता निसः उर्जा त याम मालः श्वक्ता नः कपा क
शः पु स न्न इ स वि श्राम मालः ला पु पुः श्वक्ता म हा द वः श्वक्ता नि मि र्ति नः म न्न उ ला कः उ र्जा त यामः
यातः श्वक्ता गु लिः श्वक्ता स्व स्म न य त म श्व त याः धर्म वृत्तः पु स न्न इ स वि श्राम माल धर्कः आशु द य का
शः श्वक्ता या र्व ती याः लाखा क हा अः श्वक्ता म हा द व न्न इ ल सीः आशु द य का अः ला या र्व तीः धन २ कः
क न ला अ रु कि ल या अः श्वक्ता जि ज्ज ति सै ता व श म धू नाः ला पि यः क इ रू उः मा हा सा धूः रु नः अ ति रु
निः शु धा स्म न न य त्रि प र्धु इ या अ धा कः दू शि दा त्रि डः व हा अः द मा दूः ला स न्न त्रिः आ अ स फ लि

हा द

८२

वी क न क ल क्ता या अः श्वक्ता स्व स्म न य त्रि म श्व त याः धर्म वृत्तः मे र्ते र्ते यी या त नः क हाः
अ क्ता अ धर्कः आशु वि मा अः श्वक्ता म हा द व याः आशु क हा अः या र्व ती न्न इ ल सीः स फ
ज षीः आ ग ध ना या तः श्वक्ता व त सः स फ ज षीः श्वक्ता न क ल वि श्रामः श्वक्ता न लिः स फ ज षी न्न इ ल
सीः श्वक्ता म हा द वः श्वक्ता या र्व तीः नि क्ता सीः व त न्न स हा क य या अः या र्व ती या क्ता अः श्वक्ता आशु द य
क र्त्तः ला र्वा ति या र्व ती द विः क्ति मि र्ति नः श्रिय निः आ ग ध ना या द वि श्रामः आशु क्कः माल क
स म र्त्तः आशु द य क स वि श्राम न धर्कः वि न ति या हा अः श्वक्ता या र्व ती न्न इ ल सीः आशु द य का
शः ला स फ ज षी श्व तः द स वि श्राम नः क्ता हा लेः क ल पा ल य निः म ल्प न् उ ल स वि श्राम

श्री म

८३

अः ॥ सख्य नयन मख्य तयाः धर्मवृत्तः स्वक २ दूः शिव हर्तः स्वक २ दात्रिड हर्तः स्वः
क २ अ न हर्तः भयनिर्तः भवतयाः विधिविधानः समर्त ककाजः उवद व वि याजः तथ

साल धर्कः ॥ १५ ॥ श्री ता ग म न घः आ कू द य क लः अर्थः श्री या दृती नः सफ मयी या कू जान
आ कू द य क लः भूत या दृती या आ कू द हाजः सफ मयी न हर्तः श्री म दा द व याः श्री या दृ
ति मीः यत्र श स हा क य याजः व दा को याजः म ल्म ७ स ले ज न धर्कः का हा वि श्रुत ॥ ॥ ४

न लिः श्री म दा द व न हर्तः या दृती या कू जानः आ कू द य काजः हा यी म दा दृतीः ता का ग
द ताः जिन के ला स याः वर्ज म या हाः स न्म ह या ज या कः आ ज मि जि स ज न न लाः पि ना रु माल

हा ५

८३

य या कः व दा कू न नू या धर्कः आ कू द य काजः नि कू र माल य या भा स वि कू हाजः व दाः
कू नः हा यि ना रु माल यः मा ता म नाः आ ज मि जि स ज न न लाः व दा वि कू न धर्कः हा यि ना रु माल

ल यः ता का ग द ताः सु ति द वि सि हाजः के ला स स न्म ह या ज या कः भूत नः व दा वि कू वि सै दू
न धर्कः आ कू द य काजः ॥ १५ ॥ श्री म दा द व याः आ कू द हाजः म न सः अ ति रु व मा न या हाजः रु
माल य न हर्तः श्री म दा द य काजः हा ते ला कू ना थः कू त या ल स नः जिन पि ना धर्कः आ कू द स

वि कू नः हा य न म ख्य तः न ति स का टि द व ता यीः अ रा हः कू त या ल २ स नः अ कू नि न धा या
र्थः जि मा रु न ता क य याजः जिन पि ना धर्कः आ कू द स वि कू नः हा कू ख तः आ ज मि जि स ज न न लाः

श्री म

५५

दुर्दिहा उः अस्माननामाहा उः सदाकार्यः कलपालयानामः त्रिभुगलसः भक्तका उः यस्
नेह सविश्रयसाल **हाहाहि (हायतः) आउकलपालः पूजानियायधर्कधामा उः श्रीमहादर्वः**

श्रीपार्वतीः सिंघासनसविश्रका उः अलगयदार्थदयका उः धाउसउयचाउनः श्रीहवानिः
श्रीकतः पूजायाहा उः नानायदार्थः हाउनमातका उः **अलगः असतः** नानामहिमादिकयाति
सानः श्रीमहादर्वः श्रीपार्वतीः निष्कृतियका उः अलगविश्रयवर्कनः पूजामान्याहा उः दुकाः

अयध्या नमाहा उः अलगयकाउनः मुतिमार्तः हायतमध्वतः श्रीहवानिर्हीकतः धन्यरजिता
अनखेनाः **कलपाल उः** त्रिभुगल उः बाहयहा उः त्रिभनसः आनन्दरुतः **गधधालसाः डील**

हा ५

५६

समुद्रसः श्रीनानायहा उः श्रीलक्ष्मी उः धानिउवलसः गधसमुद्रयाः आनन्दरुतः अ
धर्कलपायनिः बाहयहा उः त्रिभुगल यत्रम आनन्दरुतः हायतमध्वतः **श्रीत्रिर्हीकतः**

कलपालगथाडधालसाः भजमायार्तः भमर्तः हाकय्या उः मन्त्रुयाः मायासलहमा उः
अलगमाभनः त्रिजविलासयाहा उः **विश्रकः धर्षिक** यत्रमध्वतः श्रीहवानिर्हीकतयाः वः
तलसः काटि २ नमस्कारः हाउनविध्वतः रुर्तः कलपालः गथाडधालसाः समुद्रमर्धनमाकवसः

सः कालकूटप्रसभहा उया उः यिभाविः हसहयतठः धवलसः कलपालहनः काया उः न
या उः गलधानसः भक्तका उः दवलाफः देहलाकः त्रिजयाहा उविश्रकः श्रीनीलकी ० धर्क

श्रीम

८५

नामप्रकाशिरुजः भूमीरुनीलकं० यातः काटि २ तमस्काः लोका मरु २२ रुर्नः रुद्धिस्ति ति
थमर्नयाहाजः भमर्नः सीद्यात्रयासविनः भूमीरुक्ता कोली तकयातः काटि २ तमस्कात्रः लो०

ध्वत्रः रुर्नः त्रिपूनाष्ट्रजः रुर्द्ध रुजवलसः कलयालयाः साजः गथादधालसाः यथाविः त्र
थः वतुर्वदः सलः वन्दुसूर्यः दलयाकः प्रकासात्रभिः सुमत्रः यवर्नः धनूषः (१५) यतागः लि
गमनः मरुदिकः वलाः रुधाधामाः द्यावकुयः दूकयातः साजभूमीरुः भूमीरुक्ताः त्रीपूनाष्ट्र

त्रः मावकाजः धादकाः विष्णुर्नः श्रीमरुदवयातः काटि २ तमस्कात्रः लायर्नवृक्ताः धक्ता
वाचिनीरुलीः शगलाताइयाजधक्ताः शिक्ता यइयाजः कयायादविष्कातः भूमीरुक्तायाक

हा ५

८५

कयातः सहृकाटि तमस्कात्रः लाजगदिध्वत्रः प्रकाः विष्कः नूडधर्कः कृन्तनः साकइयाज
विष्काकः भूमीरुः मरुनूडयातः काटि २ तमस्कात्रः लाइगनामकः प्रकाधामाक्ताः कलयालः स्वय

त्रर्जमर्गः कलयालः सफसागर्जः कलयालः यवमरुतर्नः कलयालः रुर्नः निर्नजननिगा
कात्रः धामाक्ताः कलयालः यधुयतिः धामाक्ताः कलयालः नात्रायधधामाक्ताः कलयालः रुर्नः नज
गुधः तलागुधः सत्वगुधः धखगुलिः गुर्नः कलयालः मलूमाः मलूक्ताः कलयालः जमयाः

जमस्वर्णः कलयालः कालयाः कार्तः कलयालः धर्मियाः धर्माः कलयालः सुमस्वकाटिदवः
तामीः अरुर्नः कलयालः रुद्धिस्ति तिः सीद्यात्रयाः कलाः कलयालः जनाथयाः जनाथः कलया

श्री म

६६

तः विष्णुयः मूर्ति कलयालः आदि मद्ः अर्क मद्ः भुक्तलयालः अर्क मूर्ति कलयालः हर्नः अ
वृषः भुक्तलयालः दादध आदित्यः भुक्तलयालः हर्नः दध दिव्या गधायार्कः भुक्तलयालः ह

नः वृ क्का उ सः दकाः या वि माः हृदय सवित्र हाउः याय पूं ध माः सा वि रु या अः वि द्वा क कः भुक्त
लयालः हा वृ व रु ध रुः कलयाल या मदि माः त्रि न ज्ञा य सा मध मद्ः य तु र्म यः वृ क्का यी गी म मद्ः
दाल कि म्भु तु थू ला अ या रुः हा व ना ग यीः सा मध मद्ः त्रि व रु ल याः हृ सा मे र्ध द रू अः हा जे ती र्ध

कतः आ अ त्रि नः कलयाल याः रु य धा न कलयाल या ना मः सदा कालीः त्रि नू ग त सः अत का अः
त्रि अ द या उ स न ह स वि श्र म मा तः धर्कः अ न ग यु का त नः वृ ज्ञा मा न्ना या हा अः अ न ग सु त्रि या हा

हा ६६

अ मि स्वा तः रु र्ष धा वि रु य का अः ह्री रु वा नि र्ध क त याः मुख दर्शन या हा अः अति आ न च नः
श्री म हा द व या सु त्रि या हा अः धार्नीः धर्न लिः श्री म हा द व न रु ल सीः ह मा ल यः म ना नः सु त्रि

या कः सा मा अः मन सः अति आ न च या हा अः मू सू रु नः किला अः ह मा ल य या क अः (धः) श्री म
हा द व न रु ल सीः आ रु द य का अः हा य व न ना रुः ह मा ल यः धी न्ना रु कः क न यू ज्ञा सु त्रि नः त्रि
अति र्म ता व रु य धू नाः हा य व न ना रुः आ अ क तः त्रि गु लिः रु य धा नः कृ तः सदा कालीः क न नू

ग ल सः न या अ ती अः भ व ल सः क न के ला स य दिः ला यी अः हा ह मा ल यः आ अ त्रि के ला स अ
न त लाः ना का त द ताः के ला स रू न्ना रु या अ वा रुः धर्कः आ रु द य का अः अ न श्री म हा द व याः आ

शुद्धाः ह मासययामनसं सासुलसाः अत्यन्तहर्षमानमाहाः यजः पूती पार्थद्वीया
नः अन्नगजलं कालवस्तुधियाः अन्नगः नत्तमहिमाधिकयाः आरुतनः नत्तमालाजादिनः

पार्वती का वायका उः मिश्रानः हर्व धा विरामका उः ॐ नमः प्रकाश नः ब्रह्मा नमः नमः ॐ
वदविमा उः के ला स विष्णु न कर्तः ॥ • ॥ धनं लिः श्री महा देवः पार्वती नः रुमालयः मनाः
या कः ब्रह्मा नमः नमः वायका उः म न सः प्रति हर्व मान या हा उः ॐ सा ग माः श्री नमः

दर्वः पाद्वनी निम्नः गुरुस विज्ञानः ॥ ध गुरुसः गं गम उ य किं या हा जः ध गुरुसः सा र्जं आ
नन्द न विज्ञानः ॥ ध तं लिः पाद्वनी यः गं गम यः सति त स द या जः पाद्वनी या कतः धी कू मा न ज

ॐ ३

नरुलः गंगाया कनः श्रीग न स ज्ञात रुलः धनीतिः श्रीमहाद वीः यार्वतीः गगाः कुमाजीः
गनेसः श्रीमलयारासी विज्ञानः धनीतिः श्रीमहादवनः आकाशयकाजः लोपूतुगेनसः

मात्रः आञ्जलसः कृयनिस्तनः त्रिकवलपुसादः कायमनजानिलाः श्वक्कस्तनः शङ्खमलः
 उलाञ्जः द्वायाधनकलजयकृतः ज्ञानयानः त्रिनवलपुसादवियधकीः आह्लादयकोजः
 श्राक्कमात्रनस्तनः श्रामह्लादवयाः आह्लादिलस्तनयाजः तनिकालनीः कृयवोगयाजः

व ग न : शु भ ल उ ल अ न ध की वि द्या नू : श्री ग न स ह का : अ या य ह न म सि या अ : ति कू म
या अ : शु ष ल अ ढा अ : स म धा ल या नू : ह ति कू : आ अ ग थ या य : कू माल ग्रा व ग न अ न :

श्रीम

८८

मिद्रि सुताः वगनज नमरुः त्रिशूलः ~~यौ~~ यौथ नजव्यः सा लता हाकः मिश्व वि कि व्यः
क शूलः वा यमरुः मिद्रि सनः क उया यया यमाल धर्कः माहो धंधा को या अथानः ध न लिखा

गन स माहा धंधा न या ह श्व हाजः तिक्क न वि नति यार्तः हा य न म ध्व न छा ग न सः क लः
या लक्का य रुता स या स वि द्र हाः त्रि न वि नती या हा ~~थ~~ डकः या स वि द्र य म त अ ला धर्कः ग
थ धाल साः रु य न म ध्व नः मिद्रि सनः य द्ध तः का य उ ल ज नः सू म न धा या गु लि जोः ग न धा

महा दवः गी मा या द्ध ती वि द्र न अ न थ का सु म ल धा यः मा ह व वा ह म वि द्र न साः य द्ध त या
य द्ध त म श्वाः मा ह व वा ह वि द्र क या नि मि हि न थ काः ध सू म न र ह लः आ अ मिद्रि सनः साः

रा

८८

या क उ ला जः द न र्हा न या यः व वा हः मा म रु य नि स नः क ध की आ हा द त साः सू म न धा
य गाः क ल या ल य तिः सा क्का रु का सि याः भ व ता र्जाः सू म ल धे क न सि मा ध कीः आ हा द य कि

जः क ल या ल रु ता सः या स वि द्र य म माल धर्कः तिक्क न स हा जः छा ग न स न ख ज हाः
ल या जः तिक्क ग या रः छा ने हा द वः ~~या द्ध ती~~ गी माः वि द्र क था स ज हा जः सा यो क उ ला जः
द र्हा न या र्तः ध न लिः छा म हा द व न र ह ल साः आ हा द य का जः ला ग न सः आ अ ता र्थः क न ज

हानि लाः क मा न गाः सू म न उ ला ज ~~थ~~ ति नाः क रु का सु म क था हा ला धर्कः आ हा द य का जः
छा ग न स नः वि न ति यार्तः हा मा ता यि ताः त्रि क्क य म न र धर्कः य द्ध त उ य क ल क्का य न हाः

श्री म

८२

सुभत्रधायजाः कुलपालयनीः साकगनविश्रानः प्रनथका सुभत्रधायः कुलपालम
विश्रानसाः यद्वतया यद्वमखलाः कुमात्रजाकया कुउलाजाम(थ)ठनिः त्रिनजा सायाकुउ

लाजाः कुलपालयनिः दर्शनयायधुनाः सुभत्रजाः कुलपालसाकधुकाः यद्वतसुभत्रमख
समस्तीकुलपालयनिथुकाधकीः श्रीगनसनः सायाकुउलाजाः हाकयुमाजाः विनेतीयान् ॥
॥ धर्नलिः श्रीमहादवनरुलसीः खजाहालयाजाः मनसप्रतिश्वसिशयाजाः श्रीमहादवनः

आशुदयकाजाः हायुगनसः कुनतजधठहानलाताः कुनधायश्वसुननखजाधकीः आ
शुदयकाजाः गनसयातः वलयसादविलः हायुगनसः आजकुमकुमदलसजाहाज

हा ५

८५

युजादुलरुनिः ग्वकयाः युजाः कुंआयायुजाः कुनतकार्यायुजायाहाजः आयाहुजाः जाक
या कुनिसिईहयमालः कुनतयुजानयासीः आयाकजायाः विश्वरुसाजाः आमसिईममा

लधकीः वत्रदानविमाजाः मनेसयातः मकुमदलसयुजादुलरुनिधकीः आशुदियाजाः
श्रीगनसरुलसीः महाश्वसिशयाजाः मकुमदलसयुजादुलरुनिधकीः ॥ धर्नलिः याद्व
तिनरुलसीः त्रिकोयशुकाहृकाजाहातः आजगनसयातशुका वत्रदानविमाजातयकुतधकी

याद्वतीतमयायाजाः भुजाकाशविश्रानः ॥ धर्नलिः श्रीकुमात्रवगनजठवलसः लिसाकक
धर्नः आयखायाययुतिसकहाजाः आयमदुसशठः धर्नलिः श्रीमहादवनरुलसीः याद्वतीन

श्री म

१०

म वा या जः या ह स्व या जः या र्व ती या का थ सः श्री महा द व वि झा हा जः आ हा द य क र्त्तः हा वा र्व
 तीः **कु न म वा य म मालः** कु न का य या र्त्तः त या ज त या द ति थ काः कु न का ज य म र्त्त स या न थ काः कु
 त म न वा हा न म त्रि लाः कु न ध र्म्मा द न मा ला ध र्कः आ हा द य का जः थ न श्री महा द व याः आ हा द
 हा जः या र्व ती न र ल र्त्तः वि न ति या र्त्तः ह य त म ष्व तः **त्रि का य लि** **थ न क या र्त्तः** कु उ या य या य मालः
 त्रि का य ज म र्त्त स या न स्व ज ध र्कः श्री महा द व या कः या र्व ती नः म हा दः स्व न वि न ति या हा जः श्री
म हा द व न र ल र्त्तः आ हा द य का जः रु प्रि य या र्व तीः कु न रु मा ल य व र्व त मः वा हा व ल सः द
 हा गु लिः श्री स्व क्त न य त म ष्व त याः ध र्म्मा व त द दः थ ध र्म्मा व त या प्र ल व नः **कु न का य थ नि जः**

हा द

१०

थ का ध र्कः आ हा द य का जः थ न श्री महा द व या आ हा द हा जः श्री या र्व ती न र ल र्त्तः थ गु लि
 श्री स्व क्त नि वृ तः आ र्त्त र या स वि झ र्त्तः ॥ थ न लिः या र्व ती द वि न र ल र्त्तः **श्री स्व क्त निः**
वृ तः सु वृ ह्नु या हा ज वि झ क व ल सः स्ना न का य ला त कः श्री कृ मा त थ न क ल वि झ र्त्तः थ न लिः
 श्री या र्व ती द वि न र ल र्त्तः **पू त्र श्री कृ मा त याः** **स्वा ल सा या जः** अ ति श्च सि र्मा जः ध न्य २ य तः
 म ष्व त या वा वा ध र्कः आ न न्य या हा ज वि झ र्त्तः थ न लिः श्री या र्व ती न र ल र्त्तः श्री महा द व या क
 वि न ति या र्त्तः हा य त म ष्व तः आ ज त्रि का य या र्त्तः व ल द्र सा दः क या या हा वि झ य माल ध र्कः वि
 न ति या हा जः श्री महा द व न र ल र्त्तः पू त्र कृ मा ल या र्त्तः व त द्र सा द वि स वि झ र्त्तः हा य त्र कृ
 मालः स्व क्त नः कुं या र्त्त र्त्तः कुं य त्र या क क याः य या गु लि झ या र्त्त र्त्तः सि र्द र्मा लः कुं य

77

दा ५

٧٩

३५

या या यत व मनः वि क्रान्तः हृदि या त धून का जः श्ला ग न सः श्ला कृ मा त नि र्झा त श्लाः
 भ य नि नि र्झा र्त्तः व न दान स्रु द्र वि या जः भ स २ त य छान धून क लेः जि जि स न आ त ना

य मतायाः मित्रिथ श्री दः रु आ ल रु निः आ अ रि मि स न ग (थ) या य ध र्कः स म धा ल या ठा
अः आ रु व ल सः श्री म रु द वः के ला स वि य ध र्कः पि रु वि श्र य न यु क लः ध त लिः श्री म
रु द वः पि रु वि श्र य न यु कः श्री मताया अः **द व ला क य नि** श्री श्व ज्ञा नः हा द व ला कः श्री म

हा द व ज्ञा विहा विष्णू नाः मित्रि स न म सिया कू या हा ज्ञाः माल ह या थ न का ज्ञाः साः
ल ह या थ न कः धू य थ हा ज्ञाः स्वा न उ म ग न का ज्ञाः ना ना रा रा या हा ज्ञाः वा ज्ञ न थ हा ज्ञाः

नानातात्रय उलयाजः श्री महादेवयाः महालाजः वसालायाजः कलासविश्रुतकन्या
धर्कः **समधालयाहाजाने** ॥ ॥ धर्नलिः श्री महादेवः श्री पार्वतीः श्री गंगाः उमा म

श्री म

१२

रुद्रयत्रयाजः विश्वविश्रुतः धर्नलिः देवलाकयनिसुतहलसीः रुता २ सुनः अमडाः धुयथ
हाजः स्नान उमगतकाजः नानात्रायाहाजः **वाग्रनथाहाजः** महालाजः वसालायाजः
श्री उमा मरुद्रयत्रयेलासविश्रुतकलः धर्नलिः श्री महादेवनरुतसीः केलाससः अनन्दरुम

अविश्रुतः ॥ ॥ **धर्नलिः** श्री महादेवयाकः देवलाकयनिसुतः रुतगात्रलयाजः **विनति**
यार्तः रुद्रयत्रमधनः शिवनिरुपतिवालगधधर्कः साग्निसः श्री स्वाष्ट्रः त्रियत्राष्ट्रः दे

हा द

१२

न२

त्यत्राहायाजवाकः ताकात्रदनाधर्कः विनतियाहाजः धर्न श्री महादेवनः आह्लादसविश्रु
तः **रुद्रवलाकयनि** रुतयालयनिरुतास्वायमूनालः शिंमालथेउयाययायथकाधर्कः दे

वलाकयातः वाधवियाजतर्लः धर्नलिः श्री महादेवनः आह्लादयकाजः हा देवलाकयनि
ः स्वर्जसः रुतालकययानः **दिनसातकिजः धर्कः** आह्लादयकाजः देवलाकयनिः अनन्द
याहाजः दिनसातः हिं गुवलासुयकाजः श्री महादेवयाकः विनतियार्तः हायत्रमधन

दिनत्राथनीयद्रुमातनिधर्कः देलासहितनकहाजः समर्कः तयात्रयाहाजविश्रुतः ध
र्नलिः श्री गनसनः तिक्रयाकः आह्लादयकलः हावाहनः आडाः **श्री देवाहयनि** देवलाक

श्रीम

13

सकलैः स्वर्गसुखतालविष्णुययातः तयात्रयाताः मिश्रीतकुंशोहादसमविष्णुकधर्क
आहादयकाः तिक्कनः विनतियातः लोणीगनसकुलपालरुतासयासविष्णुयममालः

हिजाहाः ववाहनलूमनकाः अयधर्कः विनतियाहाः तिक्कनैः धनैः तिक्कन
हलसः श्रीमहादवयाः **समुज्जुः** तयाथासुजाहाः धनूययालिखनसः अनकवि
याहाः नाथलैः धनलिः श्रीमहादवनहलसः थजसमुज्जुकायेकलङ्कायानः समुहै

गहयाः वाहयहाः माहागहियायाः अथमीः धनैः श्रीमहादवयाकविनतियातै
हायत्रमण्यः कुलपालमाः समुज्जुगाः हंगहयाः अनाधर्कः विनतियाहाः धनलिः

हाद

13

श्रीमहादवयाः मनसः सैदहयाः कुयाकागनतहलसाः असाधर्कः सलनासनः ध
नूययालिखनसः अनकविकवियाहाः अतजासायाः श्रीमहादवनः **आहादयकाः** हादव

लाकयतिः ग्यायममाल २ हिजिसकुं हंगमहाः कुं हयदूजामखथकाः रं दालकुयाः
क्रिस्मलसवाहावलसः श्रीगनसः श्रीकुमात्रनिकयातैः वलदानविषाअनयधुनैः ध
यनिवानकलङ्कायलालमहाः **आहादयकाः** लूमनकलजलथकाः ग्यायममालधर्कैः श्री

गनसः श्रीकुमालः वानकलङ्कायाः हनैदिनसातकाः श्रीगनसः श्रीकुमात्रः कुज २ तय
जः सार्गसरुनालकययातः यस्मानयातैः धनैः रुतालकयाः दवलकयतिः **हति २ जक**

त्वाहाजविभजपाजयानः भवतिसजनायगथत्वायदूखुजः भवतिसुखीमहादवनः वनदान
विमाजतलः भविठयतिसजः गथत्वायधर्कः विसजपाजयानः ॥ धर्नलिः श्रीमहादवसागः

श्री म

१४

भिरुयाः गनसः कुमारः गथिमाहाजः श्रीमहादवनः गथरुजयहाजः केखासूत्रः त्रियुगाष्टन
हतासर्नः गथसदहाजः लायवृयाजजलः धर्नलिः श्रीमहादवनः जलगशुद्धयानः धर्नलिश्री
महादवनः मननहालयतः भवनिगथस्यायः कृतपालस्याहानमहिजः कृष्णकस्याहानम

त्रिजः निष्कीनायलातकस्यायमालः नायमलातताः रुतः शायतयाजः अखुजधर्कहालयजः रुद्ध
यायानिष्कयाः गथयूललातकजजः वलसः श्रीमहादवनः कुमारयातः आहादयकर्तः हायुत्रक

हा ५

१४

मात्रः याविकः देहयात्रयवूललातः कजलः आजनिष्कस्यायवलाहलाः स्याजधर्कः आहाद
यकाजः श्रीकुमारनः श्रीमहादवयाः आहाहिलसदूयाजः वतिकाजनः वन्दुवानवालाका

याजः धनुकसदयाजः कयकर्तः धर्नलिः भवालाकधर्नः केखाष्टत्रियुगाष्टनः निष्कयाः क
लधहाजविलः धसायाजः श्रीमहादवनः गथनकाष्टहाजः भदेहयाकलः हमिसहयमला
जः आकाशर्षाहाजकर्तः गथिठवलसस्यातधालसाः दिनयानीहालमदताः गत्रियानगुः

मलजनिः भथाठवलसः अष्टत्रयकर्तः स्यात्रयाहाजः दवलाकयनिसूतः लीतकाजः श्रीम
हादः केलाससमाहाजानन्दनविष्कर्तः ॥ धर्नलिः श्रीमहादवनः आहादयकाजः हादवलाः

ग्रीम

१९

यनिः॥ अज कलयालयनिसः हयमदताः अज कलयालयनिसः सकला रुध अ २ आसनसं वि
कुरुनिः ॥ २ ॥ अ २ आसनसं यानं हनि धर्कः बलावियो अः दवे लोक यनि माहा आनन्दनथ

अ २ आसनसं विद्वार्त ॥ ॥ ग्वकमनूजनीः धगुतिः ग्रा ३ स्वस्मानयत्र मष्ट गयाः धर्मवत
या कथा दनः ग्वकनीः धर्मदनः ग्वकनीः क्रातकलः ग्वकनीः कसख् दूय यका अतलः धः
यनिसः सदाकालं कृना शाशया अः यनी कृतः केला शाशावा स हू अः हनीः मियाह यः ग्रा

याहयः नाहाक याहयः श्व याहयः शाकू याहयः ग्वदलसः दहू अमश्वः ॥ ॥ हलाकसः महा सुखि
हया अः वत्रलाकसः केला सवधिला ॥ अ ॥ महा यातकि हया अः यानसीः युक्ता ह आन के न सीः
हनी २

हा ५

१९

दकाया यनं मूक हया अः दिव्य सली लहया अः ग्रा ३ स्वस्मानयत्र मष्ट गयाः लीनर
॥ ॥ अः हनीः गायत्री यावती नः धगुलि धर्म वतयाः यहा वनः ग्रा महा नूद्रयू वना हा अः

वतु दृष्टः जुवनया गानि हलः अथा हकि शास्त्रन सी रुका हया अः ग्वकमनूजनः धगुलिः
धर्मदनः अकमनूजयातः धुलियधिला ॥ अ ॥ ॥ धत ग्रा स्वस्मानयत्र मष्ट गयाः
धर्मवत ग्रा यावती देवि नः ग्रा महा दवः यूय का यनिमिर्निनः दहा धर्म धतः स्वर्गयाः

कथा हलाः ॥ ॥ ॥ धनीतिः धतु म् सुर्म दल या खनि क्रायः ॥ ॥ ॥ क्रायाः ग्रा ३ स्वस्मान
यत्र मष्ट गधर्क क्रायः कृत्कनसः कुका गवा सी था यना यायः गी ग्रा जलनः स्नान यातकः ग्रा

स्वधुः प्रकयन्तः सिद्धतः युष्माकज्जमकाः गन्धधुयदियः नेवद्याः इल्लइलः यकोनः कः
मुनः ताम्बुनः वल्लुआदिदकुनाः थमदूया (थः) सार्मेणी ताललानकाजः धाउ सउयवागने

श्रीम

१८

श्रीः स्वस्मानवत्रमध्वनः वृत्रायायः धनयुक्ता धनकाजः श्रीः श्वत्रयाकः मनतयाजः वा
श्वनदने ॥ ॥ धमस्ममभुत्रसः दकिधदिष्ठाः वक्रयुत्रनामनगलः कुगुतिदस्यवा
ठः धनगलसः धनगः वक्रा धयतिः वसलप्यवाठः रुने जूनगः धनधन्यनः यत्रियुधुः
हयाजवाठः अत्यकमनाः रुत्रथानहयाजवाठः रुने धदहायाः धामियसः गीगाहवद
लयाजवाठः धदहाठाः तजयूः श्विः शिववृष्णा नामवक्रा धः सतिनामवक्रुनिः निष्क
रुके

हाद

१८

स्त्रीयुत्रववसलप्यवाठः रुनेः धवतिसकायमायामदः द्वायमायीमदः धनमदः थथा
ठमहादत्रिडहयाजवाठः रुनेः थथमहादत्रिडहसेनैः लाहमाहमदः रुनेः गुलिवाकधः

याः कर्ममालः जलिमवलसैः मतालवुः रुनेः श्ववलसैः रुसश्वमहाकः अतिसत्यवादिः थ
थाठवाकधः निष्कस्त्रीयुत्रवः धनदहाठावसलप्यवाठः भथगुः महादः श्वसियाजः ताका
लरुहाजः यारुलाः धनलीः कुद्रयादिनसः शिववृष्णा नामवक्रा धनः सतिनामकलानयाकजान

आह्वयकलीः रुमृसतिः आजजिजिसः अतिमहादत्रिडहयाजवाठः धननिमिरुतिनः धन
दयकः रुनेः रुनेः यत्रमध्वनः श्रीसिद्धिगेशसयाकः मीगत्रवात्रवतिः आह्वयसः नसनया

श्रीम

११

सः श्राविनायकयाकः स त्राहयन् याधकीः सतिनामकलातयाकजानः शिवरुक्तामवाकश
नः **समधालयाहाजः** धायाः धनत्वामियाः आरुहहाजः सतिनामवृक्षनीनधालः रायपुलि

वरुक्ताकहाः त्रिजश्वनयाधकीः अथि समधालयाहाजः धनदयकवीक्याहाजः निक्कली
यत्रयः मंगलवात्रयर्हिः आरुहसः नसनवासः अतिकक्याहाजः श्रासिद्धिगेशसयाकः स
त्राहर्लः यथेदुमहाककूनः पिदेः आददयाजः **कुडूयादीनसः** श्रासिद्धिगेशः धयनिसः सः

ज्ञानः **संरुहयाजः** यलकुर्नः यजमूर्लिः धनत्रयाजः वक्रनयाः कजानः श्रागेशसनः आरु
वीर्लः रावाकहाः कनजिकः ताकात्रयताः अतितजककूनः सत्रायाकः **कुनिमिर्लिनः** कुम

रा ५

११

नवीकनः सत्रायाहाजः अगुलिवलहाधकीः आरुहयकाजः धन श्रात्रवादनयाः आरुहहा
जः **ममसः** अतिरुवमानयाहाजः सायाकहलाजः श्रासिद्धिगेशयाः यत्रहासहाकय्याजः निः

कीक्रीयत्रयसनः दिनतियातः रायत्रमध्वनः श्रासिद्धिगेशसः कसविश्रुनधकीः यव्रजन्म
सः कहाजतयामदुयानिमिर्लिनः अगुलिजन्मसः **यथिठमहादत्रिडहाजः** जन्मरुताः रात्रम्याद
त्रः धननः धनदयकहृक्यानः कलधालयाकः अतिमहाककूनसत्रायाहाः रायत्रमध्वनः श्रासि

द्धिगेशहाः धननः त्रिदत्रिडमायनयाहाजः धनयुसंनरुहविश्रामातः त्रितयुत्रदानः धननः
मकधकीः **दिनतियाहाजः** धनदत्रिडवाकहायाः राश्वहाहाजः श्राविनायकनरुहर्लः आरुह

ॐ

१६

यकाजः लवा कृशः धनीतया कृः सदा यार्थः न सनया सः न गलवा तखू कृः त्रिक सन्वा जामाः धन
क्रिकुज (शः) ईव मुक यानः अगुली वसुक काया जः धन लिः कृ य ठा जः य कृ का वा ताः न ग्वलनः

धयुका यमा ठा जः तिजः धन लिः य कृ दू खू कृः दू ला ज सा जः ध वल सः कुनतः धन य धु रू या जः
शानिजः ध त कृ नतः वल य सा द वि म धू नाः **आ ज कृ य नि लि रु रु नि ध कृ** आ कृ वि या जः श्री सिद्धि ग
शयतियाः आ कृ क ठा जः सन स ज ति जा न न्य मा ठा जः श्री वि ना य क याः य त श स हा क यू या जः वः

उ का या जः ध ज कृ लि रु ज लः धन लिः श्री ग (शः) श्रीः ज न धा न रु या ज वि कृ नः धन लिः श्री गः
(शः) या आ कृ र्थः य कृ खू कृ न स न या सः न गलवा तखू कृः श्री ग (शः) या क स वा ज नः ध व

हा द

१६

तसः श्री सिद्धि ग (शः) स याः कृ ज (शः) ग्वल रा कृ ग्वल य नः ॥ धन लि सदा यार्थः श्री ग (शः) य कृ
या ठा जः **दू का त्रय धा न या जः** म्हा त्रय उ त्र या जः माल को स म र्त्त य कृ ध न का जः **श्री ग (शः) य**

कृ ज (शः) कृः ग्वल रा का या जः ध ज कृ लि रु ज लः धन लिः श्री ग (शः) या आ कृ र्थः न ग वा त
त धयु का यमा ठा ज लः धन लिः **य कृ खू कृ दू ला ज सा तः** ध वल सः ध ग्वल राः सूर्य ग्वल रा रु
या ज ध नः ध सा या जः नि कृ ली य त्र य या म न सः ज ति र्ध म न या ठा जः ध सूर्य ग्वल रा का याः

जः **ज न ग व मु क द य क र्त्तः** रु न ध ग्वल रा या य रा ज न का य न का टि ध न उ त्र ति रु लः रु नः ज न
ग कृ द य क र्त्तः रु नः ज न ग ग त म शि ना धि क रू र्थ दिः द य क र्त्तः रु न का टि २ सा हि या वू वू या ज

श्री म

१२

कार्तः रुन धाल धालः सा म सः रज २ वल हा किन दय कलः अगुलि य का गनः श्री सिद्धि ग (श्री)
मा **कृपान धन नः** यत्रियुर्धु रया ज जलः धन लीः नाना य दार्थ हा ग या हा उः सतिना म वृ कृ

दि उः की ज हा ग या हा उः य र मः ज न न नः धन हा ग या हा उ या द रु लाः का यः ध वा क हाः क
स र्वा क हिला उः रि उ क हा उः **कि ने क का ल क क** हा हा ला त का उ या दः आ उः श्री सिद्धि ग
हा य त्रि याः कृ पानः अ न ग य दार्थ द य का उः सु ज्ञा तः ह दी ल आ दि द य का उः य र म सु ख न वा

दः रुनः **अ न गः** ग ल म शि मा दिक याः ति स न ति या उः उ लि र ल वा य याः अ स त न वृ हा उः अ न ग
सु ख हा ग या हा उः सतिना म वृ कृ धी न स दितः नि र्क मी य रू व र्णः **सु ख न का ल रु हा उ या द रु ला**

हा द

१५

॥ धन लिः ध शि व रु क वा क हा नः सतिना म वृ कृ धीः नि कृ ता दृ ति या हा उः धा याः हा व रू नीः य रू ज
म सः दा न या या हा म द्या नि मि र्ति नः ध गु लि र म सः म हा द लि उ र या उः रु म रु लाः हा पि यः ध न न
उः श्री वि णाय क याः कृ पानः जि डि सः न उा स य रि रु लाः आ उा ध गु लि र म सः ख हा उा न य रु त साः रु न
लि थु रु म सः म हा द लि उ र ०० उाः हा व रू नीः ध न नि आ उाः ग म गी र उा हा उाः ग म स माल द्रु या उा
की न ल ष ड्ढि ग का १००००० सु व र्ण वा क हा या नः रि कृ क या नः दा लि उ या नः दा न या य नृ था ध र्क धा याः
उाः ध न य रू व या हा हा द रु हा उाः वृ कृ नी न धा याः हा पु रुः ध न रू क ल या लः द र्थ दा न या यः ध म या य थ
सः कृ प न रू मे उाः सु ख रू क ल या ल स नः आ कृ द य क लः ध थ दा न या हा ध र्कः रु यि उा म रू थ काः य र ला
क स थ उा रू थ का ध र्कः नि कृ मी य रू व सा दृ ति या हा उाः सतिना म वृ कृ धीः ग म स माल द्रु या उाः की न ल
ष ड्ढि ग का १००००० सु व र्ण दा न वि या उाः श्री रु वि रु य हा या हा उाः अ न ग य दार्थः रु क हा रु न या हा
उाः अ न ग य रू हा हा वा ख न ज्ञा न का उाः रि कृ २ वा क हा य निः शी कृ २ यं ती न य निः थ हा न या उाः सा मिः

42

३१३

दाद

68

੨੬

८५

धनं लि. मालका. शासिवयु. यज्ञाया कडा. यज्ञाधूनकाडा. श्रीगनयान. यदकि धमयाडा. थडा.
 कलिदाडाल ॥: धनलि: श्रीग (ह) या ज्ञाकथ. थगुलिसासवि. वागनिग्वलन. थयूकाययाग.
 डगल. धनलि. यज्ञदधून. दलाडाशान. थयलस. ज्ञानमसासुन. कन्याकककानहयाडावान.
 गथिंकवालधधालसा. वनिसलक. धनसहकहयाडा. यक्रिया. सयथ. नरथलाडाशक. मिखाधाल.
 सा. पलस्रानयादलथ. कषत्रधालसा. गत्रुडयाथ. लादागुनिधालसा. डायवालसिकियासालथ.
 रवालधालसा. पुद्युयायन्धुमाथ. जधालसा. लक्रियाथ. पालिधालसा. सावित्रीयाथ. ज्ञानक. प.
 नससुनविहयाडा. लिथला. धनसनडाडा. वागास. ज्ञानहस्रान. थयलस. शावरकवाकदया.
 सनिनामवक्रुयीधि. मनस. ज्ञानक. ज्ञानहयाडा. वागा. थकायाडा. काथसंयडाडा. हीनकनिध.
 नयाडाडा. लदिडाडागल. गथेनकगगाया. श्रीगाडयकिहयाडा. गथेज्जानहल. ज्ञान. शिव.
 एकवाकदया. ज्ञानहल. धनलि. सनिनामवक्रुधीन. मदानिदानन. कथसयानाशान. धनलि.

न३

三

श्री म

६४

दृष्टाविष्णुकः थनरुमसयहनः आखनः लयाडावाहः थवलसः श्रीमद्वनः उम्वरुधाडाडाः रिह
श्रीडाडाः थनरुमसयहनः मामवव्यानः आखनः लयाडावाडाडाः नृदकावनधयाः शरिहकः
किमामववः गंमासलानयायधकविष्णुनः रिहविडासदः किहलः किववाहयाधगुलिः यायः
यानः आखनः लयाडावाडाः शरिहकः थविलदानियाहः किववाहः माहविष्णयीनाधकधयाडाः
वदकनयाडातलः ॥ ० ॥ धनलिः नाउनिर्नः लिहामडायाडाः ग्वमयहनः आखनः लयधनकाः
डाः रिहकाडाडाः काडायाडाः धलः शरिहकः किववाहः मामहः आडातलः लिहामविष्णुकः किहलः
आखनः लयाडावाडाः ३ः खनायमनडाः रिहानायाधकधयाडाः थनः ग्वमयीयाहोवाहडाडाः हः
धमिः श्रीमसादवनः आकादयकाः लावकुणीः थवलगावदकनयाडाः नकनिनिहिकानायाधकीडाल
आमारिहकिनमयगाः हनविलसाः हनमामवव्यानः लयाडानयाः आखनः किडाधकः मविलसाः

साद

६४

हननरुहिशायवियधकः आकादयकाडाः थनरिहकयाः लावाहडाडाः गमयहनधयाः शरिह
कः किमामवव्याः श्रीमसादवहः पुडायायधकनयाः आखनः गवियमरुः हयलसाः थरिहकाडास
यलसाः लिहानिधकधयाडाः थनरुमयीयायाः हिडलावाहडाडाः रवधमिः श्रीमसादवनः आ
कादयकाः लायापीवुवकुणीः मविलसाः हननरुहिशायवियरुडाधकः आकादयकाडाः अडाडावाडाः उ
म्वरुनः शायवियकलः थनउम्वरुनः नृहिशायवियाः लायापिनीः हननृदकावनः किनरिहामविहः
आडाहननः शायवियरुडाधकधयाडाः शायविलः लायापिबुवकुणीः हकसदः नृवलसः केयद
न० ३ थवाकुडाः विवाहावहयमालः हनः हनः मामववूनः मलकवनयाडाः शसिहिकागेश
याकः नयस्यानदयकाडागयाधनः समर्मानासहयाडाः माडामालः हनः हननृनिनडाकहनयाडाः
अनिमसाडलिडहयाडाः ३ः खीहयमालः हनः हनमामववृलाः थिः मरुहयमालः धयनाहन

श्री म
६६

म ५

लानथि. मृदुशयमालधर्क. धृयना. कलपालयानं. रिनं. धृशिकन. थस्यवाह. उम्वन. अयवि
याउ. रिक्कामकास्यपिसाउनं. लापिनामाना. धननिमिरिन. रिमनस. खयधर्कलालयाउ. खय
उवाहधर्क. धयाउ. धनं. मयइ. फाययावरनकडाउ. मासववनधया. लापुगी. मयइ. क
ग्यायमाल. आभाशिककयावरन. श्रीमहा. कया. आकासव. कया. सयायममाल. आभाशिककन.
धयानेइयउ. मव. कनमनस. स्याकायममाल. धर्क. वाधवियाउ. नल. धनलि. मयइ.
खदइ. डाउ. कसदया. लागइयाउ. अल. धनलि. शिवरंक. वाकन. मननलालयाउ. आउ. म
मयइ. रू. दिपायाय. उ. असलइ. ला. धनं. वाकन. शातकल. यमालधर्क. मननलालयाउ. कल
नया. डा. धर्क. ला. म. आ. उ. मयइ. विवाहा. मयाय. नला. आ. उ. कन. वाकन. विवा. या. उ.
रिनं. शातकल. यधर्क. सा. निया. डा. उ. धगुलिदिगस. द. निदयाल. धनक. रि. वा. क. डा.

हाद
६६

शातकल. कन. धनलि. धगुदिगस. रि. वा. क. धमालधर्क. डा. उ. प. नि. स. न. रि. वा. क. ध. ल. य. क. म
रु. न. क. न. ध. ल. सा. र. म. दि. म. र. श्री. महा. द. व. न. अयवि. या. उ. न. थ. नि. नि. रि. न. री. क. वा. क. ध. म. ल.
ल. थ. थ. ल. य. क. म. र. या. उ. य. न. दि. ग. स. अ. उ. प. नि. अ. सा. म. थ. इ. या. उ. लि. डा. या. उ. य. न. दी. ग. दि.
ग. या. स. म. या. ल. क. डा. उ. ला. वा. क. ध. रि. प. नि. स. न. ग. न. रि. क. वा. क. ध. ल. य. क. म. र. या. उ. रि. प. नि. स.
र. ला. सा. म. र. ध. क. लि. स. ल. क. डा. उ. ध. न. लि. स. ल. क. डा. उ. शिवरंक. वा. क. न. इ. ल. सा. थ. म. न. माल.
उ. न. ध. क. ल. ल. पा. डा. स. नि. ना. म. क. ला. न. या. क. व. ज. का. या. उ. थ. म. न. माल. उ. न. द. स. २. दि. ला. डा. सा.
ल. इ. इ. ल. सा. या. २. थ. स. ग. न. रि. क. वा. क. ध. म. ल. या. उ. थ. थ. माल. इ. या. न. म. ल. या. उ. अ. सा. म. थ. इ. या.
उ. थ. उ. क. लि. डा. उ. न. ध. क. मनन. ल. ल. या. उ. ग. ग. या. नि. व. न. नि. व. लि. डा. उ. न. थ. व. ल. स. ग. ग. म. स. न.
मा. डा. उ. वा. क. वा. क. ध. प. नि. माल. इ. ल. स. या. २. थ. स. रि. क. वा. क. ध. म. द. या. उ. ग. ग. या. ल. लि. स. सा. या. उ.
अ. ल. ध. व. ल. स. रि. क. ला. द. स. इ. क. न. डा. उ. ग. य. जी. इ. य. या. डा. उ. वा. क. शिव. ग. म. ध. या. ना. म. वा. क. ध.

श्री म

६६

अदयी अलाधधर्कं यथाहिला अरुया कलयालसर्न कन्यादानवियधर्कं माला अरुला ज्ञा अजुम
कन्याजितदानवि सविश्रय माल लोवा कृद ०० ०० वन छि अ रि अ नाय लान कल धन्य २ रिता गधध
कं लोपिना थन न रि वि न नि ० सविश्रय माल लोपिना शिवरु क वा कृद कलयालया चन न सका टि २ न
मस्कात्र लोपिना ज्ञा अ कलयाल सन ० थ थ थ धर्कं ज्ञा कृद स वि श्रय म न अ रि न वि वा सा न मधु
क नि थ न न लोपिना ज्ञा अ थ न थ क था स म द न लोपिना ज्ञा अ रि ख ठ अ द या द स वि श्रय माल ज्ञा अ
कलयालया कृ अ न नू था धर्कं वि न नि या ठ अ थ न थ थ वा कृद या ल खा ० ठ अ शिवरु क वा कृद न
धया लो शिव श मा वा कृद न क रि क्का च रु यू अ क द ख द या वे सु तु नि कलयाल रु यू अ थ थि कृ म थ
कृ द वे द या वे श म वा अ थ थ अ ग थ वि वा सा न या थ लो वा कृद थ न न रि य गी क न न ज्ञा ल थ रि
क्का च रु ०० अ य र म स द वि त रि अ स मा न कलयाल रु ०० अ म हा रु यं क ल म रि थ क न्या कलयाल

हा द
६६

यान ज्ञा गधधर्कं यो धो अ थ न शिवरु रु या व न रा खा ० ठ अ शिव श मा न धा या लो शिवरु क वा
कृद कलयाल सन ज्ञ म थ कं धे ज्ञा कृद स वि श्रय म न अ कलयाल वा रि क न थ रं माल स म व व
कृद न रि न क न्या दान वि ० अ र्म म द न लोपिना शिवरु रु थ न न ज्ञा म क न्या रि न दान वि स वि श्रय
माल म विल सा कृ न न व कृद थ वि या अ थ गु लि या द मा च क नि ष्व च रु ल लो शिवरु क वा कृद थ
न न व कृद थ का य ल कृ न य गी क न्या दान वि य ला नि ना स कृ ना थि क या अ धा अ ध क धा या अ थ न
थ थ वा कृद या ल खा न ठ अ अ या य द न म रि या अ ज नि ध धा का या अ ध र्म ज्ञा अ ग थ या य ज्ञा श
थ न क न व कृद थ ला का य क्का य ला वि य नि ना स कृ ना या य माल ज्ञा अ ग थ या य थ थि क वि व रु वा
कृद या न ग थ रि क्का य वि य म वि य धा य न थ व कृद थ न क नी अ थ थ थ वा कृद न या द मा च क नि
ष्व य या ठ अ ध र्म ज्ञा वि य रि न दे व न सा रि या ठ ज्ञा उ र न रु ० ठ अ रि कृ कं श्री म हा द व स
म न अ स पा ल या द व द व न वि या श्र य व स रु ०० अ म थ न न ०० व या अ रि श्र य रि न म

શ્રી મ

६३

खयके मरु विधान न यात काथ याय आ उ क याय व म ह थ क ता गा का य म व थ म थ वा म इ
 द यात कि क्का य विय माला देव न ललात स वा या उ न या गु लि म इ य म इ क या य कि क्का य य
 ल क्क थ थि क वि (ष ष न श्री म हा दं व या अ रि ष प न उ न न व ल ला गे ध म रे व य के कि र्ग म म
 इ म्ब क्क न्दु या र्ग म म इ ना व न या सा म थ म इ कि व ह ल या क द उ देव न म्ब सां ल चि ठा
 उ न य ध न गु लि म्ब अ दी क ख ला ठा वा ठा या गु द म इ ध र्क ध न म न न ल ल या उ म थ वा क्क द या
 क उ न ध या ला षि व ठा मा वा क्क द आ उ क या य क ल धा ल स न अ म लि ना ह न य या न ना स अ व
 ध न क न न कि य र्ग क न्या द न वि य श ला आ उ थ न री ठा या म्ब म द ना क्क उ न न्था ध र्क ध या उ
 ना र्ग क्क वा ठा उ य न ध न लि थ उ क्क थ ठा उ थ उ क ल न स ल ना उ उ न थ न स ति ना म र्व क्क धी न सा द
 थ उ ला मि वि ष क व ठा उ ह ना स न ना हा यी ठा ठा उ तु ति वा य का उ पा लि स ला क य या उ व क्क
 धी न न ठा ला मि आ भा क्क ल धा ल उ ना य उ उ क्क म्ब य उ ग न या क्क य वा ठा उ ह या थ या

नामक. शानक. कृपावन. वा. वा. उ. दया. समस्त. वृत्त. न. आ. दयक. स. वि. दयक. न. ध. क. ध. या. उ. ध. न. क.
ला. न. या. रु. ख. न. वा. उ. शि. व. रु. क. न. ध. या. ला. ली. न. रु. त्रि. न. न. म. य. श. या. न. वि. वा. ला. न. या. य. ध. क. द. श. २. दि.
ला. उ. हि. रु. वा. क. द. श. ल. श. या. ला. या. २. थ. स. म. द. ध. व. ल. स. ग. ग. या. ती. व. स. स्व. य. ध. क. उ. वा. ध. न. म. द.
ध. व. ल. स. क. लि. ला. उ. न. ध. क. रु. ल. या. उ. ग. ग. या. ती. व. न. ती. व. स. उ. या. ध. व. ल. स. ध. वा. क. द. श. ग. ग. या. ती. व. य.
या. उ. या. न. त्रि. ध. या. था. स. ध. न. क. ल. उ. वा. क. द. श. न. त्रि. व. रु. क. उ. रु. ना. स. न. स. ध. न. क. ध. न. ध. न. क.
उ. त्रि. ध. स. उ. या. उ. त्रि. क. द. न. ला. वा. क. द. ध. क. क. ल. या. ल. स. ग. न. द. उ. या. क. लि. मि. लि. न. ध. न. वि. द.
ना. नामक. का. व. न. क. ध. क. त्रि. क. न. न. ध. व. ल. स. त्रि. न. ध. या. ला. वा. क. द. ध. क. त्रि. ला. श. ल. स. शि. व. रु. क. ध. या.
ना. म. वा. क. द. थ. का. क. न्या. द. न. वि. य. ध. क. हि. रु. वा. क. द. श. ल. श. या. आ. उ. ग. द. म. द. या. उ. ध. न. ग. ति. व. स.
माल. ध. क. उ. या. ध. क. त्रि. न. ध. या. ला. स. नि. ध. वा. क. द. न. ध. ल. ला. पि. ना. ध. क. त्रि. न. क. न्या. द. न. वि. ००. उ. स.
न. ००. उ. ला. श. ध. क. मि. रु. द. न. ध. व. ल. स. नि. म. ध. धी. स. दि. ला. उ. श. या. आ. उ. न. ल. स. ना. न. क. न्या. द. न. वि.

श्री म

२०

असुमदः धननः कलयालयापुगीतिनकं न्यादानविधायकः किं कलोन धवल सतिनधायः क्रावाः
 क्रहाः क्रियुगीह ०० अः यमं मसुन्दरिः सुनः बालखनुनिः कलयालथर्थिं रुक्मथ गथभावा अः मथ अः
 विवादाप्रयायः कननः क्रियुगीजुगागुधकः किनधायः क्रामी धनं किलवाकं ठा अः धलिव ठा माः वा
 क्रहनधालः लासिवरुं कवा क्रहाधकः जभाकं न्यातिनं विमलसाः कननवृक्षविद्या अः धगुलिया हा
 भावकः निधेयधकः सुनयया हा अः या हा नालनः नयात्र या हा अः क्रिहा अनधालः लावा क्रहा अः आ अः क्रहाः
 यध अः वृक्षरुधालकायः कनयुगीलावियः निनासकनाः ननानध अः धकं धालः धवल सः क्रिमन
 सलालयाः आ अः गथयायः आद सादनकनः पुगीमय रगथविद्य वृक्षरुधाल गथकाय धकः
 मननरिक्ता या हा वृक्षरुधाल कनाकाय मखः बद्धयान गवमय र्क न्यादानविद्यधकः आद सा
 दनला हा अः धवा क्रहा धनवा हा अः रुयाः लापिय धनं निमिहिनः धलिव ठा माः वा क्रहा या नः ग
 मय र्क न्यादानः विद्यमालाः धनं निमिहिनः धनवा हा अः रुयाधकं धाय अः धनपुत्रया वचन

सा द
२०

पुजु

नहा अः सतिनामकलाननधायः लांजिवरुं कविननिमसुविष्कनः कृधालसा जमथिठः जधोत्र
 मलिः मथवा क्रहालाः क्रिहायः गमय रुया नः पुत्रयः लासा मिः धवा क्रहा नर्थिं रुधालसा खालधालसा
 हगलथः मिसखाकः यालमिखाः सें सकल्यं लाय अः धल अः ना हा कः क्रहा या ननः मगा अः क्रहा सुनः क्रि
 तुलू कनसा अः क्रुतुनलालथल दनसा अः क्रधालसाः भातिनीकः अतिरुयं कत्रमलिः यथी रुवा क्रहा
 या नः गथनियुगीः गवमय र्क न्यादानविद्यः लासा मिः क्रियुगीह ०० अः अतिकामलः नरुधालसा मध्या
 नया मय्यर्थः खालधालसाः पुष्टया वन्दु मय्यर्थः साकाल्लक्रिहा समानः वाक्षधालसाः कलिहा अः धः
 यथी रुयमं मसुन्दरिः गवमय र्क न्यादानः यिना हा वा क्रहा या नः गथविद्यनं हा लाय पुत्रयः धननः जम
 वा क्रहा नः वृक्षरुधालविद्यानः कलयालया नः रु ०० अः लाः मवया क्रहा यमया मविलधकं वृक्षरुधालवि
 यधका अः खानानः कलयालः गवया यममालः लासा मिः धवा क्रहा नः वृक्षरुधालविलसाः क्रिभालम
 रुयः कलयालः कृं हा मवा यममालः बालख अः मथ अः गथविवादाप्रयायः क्रिदरु अः क्रसदरु अः

श्री म

८१

ग (धर्क) न्यादानवियः हायुः, शिवरुद्र, यथामवियाधर्क, पापनयनसः, ज्ञेयला, ज्ञेयकिर्तिन, थकासन
मनला, धालुकि १००० वक्रदध्या लानर्त्त, थकाथवाक्ययातः, कनार्त्त, वियमव, निषयः, कलयालसनः
वियालयाहाडा, सासविश्वरुद्रनः, थयथास, थककलावाक्ययातः, हायुः, थनन, ज्ञेयवाक्ययातः, थ
दावियाडा, लिङ्गअधर्कधयाडा, थनलिवरुद्रडा, सतिवक्रवाडा, सवादेडा, कंठाडा, शिवशमानध
या, हासाससति, कनसविश्वरुद्रनः, थसहालस, ल्यायमदडा, थथंयडा, मर्वायडा, गुलिङ्गिया, मयाय
त्रिथिकलान, गुलिङ्गिया, थथया, मायाकलान, गुलिङ्गिया, ल्याय, ल्यायक, मीयप्रययाडा, थक, ००
थयन, उथंरुनक, सुदिसयाक, गुलिङ्गिया, मदासवि, गुलिङ्गिया, मदाइठवि, थकयाकलान, लि
थक, थकया, कलानमद, थकयाधनमद, मवावावायका, थकयाधनयायनाममद, मवावावाक
कासद, थकयाधनमद, कनड, सनानड, हासा, थसहालसविधतान, स्यात, सखवियाडामनडा
हासा, थससावहातान, कमालया, धलवाकथ, हिदुहिलाडा, अनिडा, कथन, सकर्त्त, थथकिथिड

हा द

८१

याडा, अनिडा, थका, सदाकाल, उथंरुमवान, हासा, थनलिमिर्तिन, ज्ञेयालखलाहायागुनममद
आमकन्याजिनमविलसा, ज्ञेयसंतिनवक्रदध्यावियाडा, पादभावकनिषयइला, हासा, सति
थनजिनयुनिकायायधना, वियलाखनसा, विसविश्वरुद्रन, मविलसा, कपनिनक, मीयप्रययात
अरिजायवियाडा, कनड, अलस, थगुलि, पादभावकनिषयइलाधर्कधयाडा, पादम, याहाडा
वक्राठस, पादवायु, थकायाडा, पादनालन, नयाययाकी, अथान, थनलि, शिवरुद्रकवाक्ययातः, कल
सा, शिवशमानवाक्ययातः, थडा, कस, पादनालन, नचखडा, कनसर्न, अपदडा, रुद्रिधर्क, हालाडा
शिवशमानवाक्ययातः, कडा, नधया, हावाक्य, आस, २, किमनिनक, पादनालन, थविश्वरुद्रमननि
षय, २, सखम, कनड, जियुगी, मययइ, कन्यादानवियः हावाक्य, मिसान, सनधयातः, जिनम
विडा, हासिवसमाधिरेयाडा, निषयन, कलयालयान, जियुगी, मययइ, वियइलाधर्क, वाधवि
याडा, रुतिसिनकाडा, रुद्रकाथस, नयाडा, अरिजादनयाडा, वाधवियाडानल, थनलि, शिवरुद्रकवाक्य

श्रीम

२५

कनलारुः ॥ ५ ॥ ४ ॥ दिनकृपायधर्कः ॥ कृपाथवाधविपायः ॥ कालयायानेः ॥ अनलिः ॥ समया ॥ आकाठकाय
लामयनधयाः ॥ लामाताः ॥ कलयालयनीसः ॥ कृपायनः ॥ दिक्कर्मसः ॥ वायायतयायुतिः ॥ लामाताः ॥ श्रीमहा

दवतविपायुतिष्ठावः ॥ सुनार्तमखयकः ॥ दिक्कयालसवायायतयायुतिः ॥ सुयार्तयालमायः ॥ लामाताः ॥ दिः
अर्हकागतः ॥ दिः दूरतः ॥ उख्दू दूठ अ अकः ॥ हिक्कः ॥ दिमलसः ॥ श्रीमहादवधर्कः ॥ लतया ॥ अ नधातसा ॥ दि
नअर्हकागतः ॥ हिक्कावीलमअसः ॥ लठकतयाय ॥ आखतलयाययछा ॥ आय ॥ अस्थीलया ॥ अहिष्ठायेनदि

कनः ॥ लामाताः ॥ गवक्रमनकुर्तः ॥ कायालातकः ॥ भअकसः ॥ हिक्कनः ॥ हिक्कादूतअरू अः ॥ भक्तहिक्कया
तः ॥ हिक्का मकुर्तः ॥ कतकासः ॥ अवसर्तः ॥ दिक्कनर्थः ॥ आयनकनीयः ॥ लीक्कयातः ॥ हिक्काकूठाअकूतसाः ॥ अ

ला ५
२५

कयातः ॥ रू रलाकसः ॥ महासूखिइयायः ॥ यगलाकसः ॥ सगर्जवातइइअः ॥ लामाताः ॥ भतनः ॥ कायालात
कः ॥ दूठअअकः ॥ श्रीमहादवदुः ॥ लतयाय ॥ हिक्काकूयमालः ॥ भक्तयातः ॥ सद्धितिलामीयः ॥ मकूतसाः ॥ रू

रलाकसः ॥ यगलाकसः ॥ गतिमदूः ॥ लामाताः ॥ दिक्कनर्थकागतः ॥ भगुतिः ॥ आयनकतः ॥ लामासः ॥ भतनः ॥ मम
नअर्हकागतः ॥ धूकाः ॥ मनूकलाकनाइइलाः ॥ दिः अर्हकातिः ॥ ममल्यः ॥ इयाय ॥ तिमिलिनः ॥ श्रीमहादवन
हिक्कनूयइयाय ॥ उम्वनूतः ॥ अहिष्ठायेविषकायः ॥ दिक्कनर्थकागतः ॥ कायनकायः ॥ विष्ठाताः ॥ लामाताः ॥ त

नीसकाटिदवताः ॥ दिक्कनूयइयाय ॥ अलसः ॥ लवधायिः ॥ श्रीमहादवयाः ॥ उम्वनूतविषायायः ॥ मः
वयकदूयिअमखः ॥ लामासः ॥ भतनः ॥ विधातानः ॥ गथलामालः ॥ विहायतलः ॥ अथमयामगकः ॥ काथ

श्री म

८५

इलसीः धूमिलइलसीः खलइलसीः कानइलसीः दमिडइलसीः प्रागाइलसीः कृष्णविषयाः
नसीः मदीयातकिइलसीः हिनसीः महिनसीः त्रिकर्मसः याकथिजलाः कलयालयाः कृदावनः

हामामः पूर्वजर्मसः याययाकानथकाः यथाकथयययलातः देवतकाया धूनकाः तलः कृ
यायः हायितामाताः देवनः सुयार्तः सुखविषयाः मतजः ४१ गामचन्दुमतिः देवनलिकाः वनवा
ससः अनगदखककनयाकायानमालः रुनः इधिविजमहागामः मतिः देवनलिकाः वनवास

गुफवाससः दुषसियाजवा नमालः रुनः श्रीमहागदयामतिः देवनलिकाः कालकूटः गलयात
सथातकाः तयमाललाः धयनिः तिलाक्याः दवतामतिः देवनलिकाः महादुःखसिजः हामा

हा
रु

ताः इधिविजसमानः धम्मत्माः भवयागादजलाः वलिगागासमानः दाताः भवसूदजलाः पुर्णगामः
समानः धनुर्द्वजः भवदजलाः कर्तुसमानः दाताः भवदजलाः श्रीगामचन्दुसमानः श्रीमहादवसम
नः तजधदवताः भवदजलाः हामामः धयनिः धिदवताः मतिः देवनलिकाः महादुःखसिजः
हामामः धतनिमिर्लिनः देवर्तकातायायः जकादवतार्तमदुःधतनः ४२ विधातानः कायाः क
यालसयायाजदयागुलिः सुतार्तमययकः हामामः सुखदुःखइलसीः थजकयालसथकाः मलम
खुः धर्मयाककाः सुखहागयायुजः याययाककाः महादुःखककनवूजः हामामः त्रिनय
द्वजन्मसः याययाकायाः निमिर्लिनः यथाकथयययलातः हामामः कर्मसयायाजतयाजतय

श्रीम

२५

गुलिः सुनार्तं कृ यमदूः लामामः धृतनः विधातानः तजधर्तमधाजः विकीधर्तनः मधाजः ग(थध
लसाः तजधर्तनः सलः किष्टिः विविधीकनः सयानिः निमीयाः धयनिर्तः दूखः सूर्यदयकाजः

सृष्टियाहातलः लामामः धृतनः ग(थधर्तनः सूर्यदयकाजः सूर्यदयकाजः सूर्यदयकाजः सूर्यदयकाजः
नधर्तः जयालः लयजः उमयः थलसः कृ काशकः उधर्तः लामामः धृतनः सूर्यदयकाजः कर्म
थलराहनः कयालथका लामामः धृतनिर्मिर्तनः जदीकखलाहायागुनमदूः लामामः धृतनः लः

विधुकाः सयः आभावाकशः अथइलसः दग्निडइलसः कृ यनभियाजानसः द्विराविनविलाः ग
(थमातः ज(थया सविद्राहः तधर्तधायजः धृतनमयइया लाखाठहाजः मामववृतधायः लायः

हा ५

२५

ग्रीः ग्वममहः धन्यधायः कृततवजः थभीकवालयः वेहाइसर्तः अनगः गुहाग्वानः जमगः यः
गहादिकथाः समर्तः सिजः धन्यधायः कृतग्वानयातः धर्तः वरुणः सक्तः मायाः थथन्याहाजयानः

धनलिः यातकातइयाजः शिवरुकावाकशतइलसः शिवगाम्मायाथसजहाजः शिवगाम्मावा
कशयातः नडवानकलइयाजः सुसिधतकाजः सूर्यातकाजः हिठउसततयूनकाजः हिठ
रयदार्थः हाग्ननयातकाजः सक्तिनिलोः हिनकलदिहाजः तलः धनलिः शिवगाम्मावाकशः हतिरवान

लाहाजः कृ ययुर्त्तागइयाजः लायकः याथः वलथलाजः कयायाद्रिदतः वानलाहाजः जलः ध
नलिः शिवरुकावाकशतइलसः सतिनामकलातया कृ जानधायः लाफीसतिः आजग्वममहः

श्रीम

३०

कं न्यादानविमयातः सास ग्रीतातलात किञ्चः रुर्नः भयः भयमिच्छिहातनातः यनिः वानकलका अधकं
धमाञः भमर्न हीद २ श्रानिक वाक्काशयनिः वानकलका माञः दी नखतकाञः धर्न लिः **भनगः** सामः

ग्रीमातकातातलातकाञः महामैगलयाहाञः महासूत्रलासः हीद २ वाक्काशयनिः सनः यदुर्वद
यात्रहायातकाञः रुर्न कृष्टुमाकाञः न अरुमैगत्रयुर्धकलसः आदिर्नः तयाञः गुरुक मात्रिः अः
नगः जलमहिमाहाकेयातिसानः तीयकाञः **रुर्न माकाञः नतयाञः** ग्वमयहः जलनः महिमा

हाकयाः आहजननयुकायेञः जलमालानकाशयकाञः हीद २ असतनतियकाञः हीदम
रुसूत्रलासः शिवरुहवाक्काशनः शिवहा मावाक्काशयातः ग्वमयहः कं न्यादानविल ॥ ॥ धर्न

हा ५
तुन

लिः ग्वमयहः शिवहा मावाक्काशयाः यत्रहासहाकयूयाञः सानमालानः काश्यायकाञः **भनगवा**
काश्यातः हावधुदक्षिहाविमाञः धर्न लिः शिवरुहवाक्काशनरुतर्नः यरुसपुर्धुमाहाञः ध

दसुउयवात्रनः वाक्काशयनियुगायाहाञः सूवधुदक्षिहाविमाञः रु २ सादानविमाञः वाक्का
शयनिः भनगवदार्थदयकाञः हाजनयातकाञः **वजविमाञः कात ॥** ॥ धर्न लिः समर्न
धूनकाञः भयमिच्छिहतिः वजविमाञः कातः धर्न लिः ग्वमयहनरुतर्नः भयमिच्छिहतिः शिवहा मा

वाक्काशः हीद २ यदार्थकाशनयातकाञः हीद २ असतनः तियकाञः महानिदानयाहाञः लहिः
हाजावर्तः रुर्नः हीद २ अयधिः रिकननयूयकाञः रु २ यरुसपुर्धुमाहाञः अययाथः

श्रीम

८६

कुमाः अः रि न क ल हि ठा ज त ली ॥ ॥ ध न ति : शिव षा मा वि का द न इ ल सी : ए म य इ : क ला त ला :
हो ज : थ ज षा गी त : द द य रू रु मा ज : ना न य द थ ह ठा मा हा ज : य र म स द त्रि ग्व म य इ : ना न म

थ न : क्री ज ण ठा मा हा ज : ता का ल य र म आ न द न : म हा सृ ख न : का ल रु ठा ज वा द इ ली ॥ ॥ ध
न ति : थ (थ रु : वि द या द द मा ज ज न : **ध न ति** : कु कु मा दी त स : शिव षा मा वि का द न इ ल सी : म न न
हा ल या ज : आ ज जि ता का न द ता : थ न वा हा : रु न : जि षा गी त : द द य रू रु हा आ ज थ न वा हा न : नि
ला म इ ज : आ ज रु स : ग (थ २ इ ज ख : वि च ल मा क म दू : ता का ल द ता : थ न वा हा : थ न न : आ ज थ ज रु
नि ज न : व ज का य ध र्क : म न न हा ल या ज : मा म व दू : थ ज क ला त : थ य ती स थ स ज हा ज शिव षा मा वि

ला ५

८६

मा ध न इ ल सी धा मा : हा यि ता मा ता : आ ज जि थ न वा हा ता का ल द ता : जि कू स : ग (थ २ इ ज ख : सू ना न वि व
ल या क म दू आ ज जि ज न त ला : व द वि दू न ध र्क धा मा ज : धा त शिव षा मा : जी ल मा ला र्वा द हा ज : मा म
न व दू न : क ला त न : सा क स र्क धा मा : हा जी ल या ला इ : रु स वि का दू न : ज म (थ ध र्क : आ रु द स वि का य
म त ज : थ न वा न सी : ज न वा न सी : **कु ल धा ल या** : रु स य र्की कु ल धा ल या : हा जी ला इ : जि य ती स इ क
सू द ज : का य धा ल सी : जी ल धा ल सी : **कु ल धा ल** कू कू थु का : जि क दू (थ यू (थ न मा ज : आ न द न वा द : हा य
रु : कु न वि का य धा य म त ज : **कु ल धा ल या** : रु स शा त क ल कू य मा ल धा ल सी : जि न सा त क ल कू य : रु :
ल धा ल वि का य म मा ल ध र्क धा मा ज : थ न स स र व दू या ला र्वा द हा ज : शिव षा मा वि धा मा : हा यि ता : रु

न

श्रीम

८८

सुविष्णुनः शिवा नक्षायमतः अः शिवा हा धर्कः लिहाम अ म मरुथकाः दितानिला मारणा लथकाः शि
इका सु मारणा सानकातः कः सु इका गथा २ इज ख धर्कः विवाल या हो अः न नो नी लिह अ म थकाः शिध

लसुः कलयाल वादिकनः भव मद्रः सामे व वृ कलयाल यतिः वृ वृ मि र्कः कलयाल यतिः नममः
दलः तका अत अर्कः कलयाल यतिः कला त म दलः कला वि अ र्कः कलयाल यतिः **दवः गुरु कलयाल**
यतिः हायिता माताः भूतन कलयाल यतिः ताल ता अः शिवा न अ नः तामा रव मे र्कः थकाः दितानिला ध

यागुलिः निद्यलि अ र्क थः अनी अ थकाः हायिता माताः भूतनः शिवा नक्षायमतः अः वज्र वि स विष्णु
इ न धर्क धा मा अः भूत शिव हा मा माः वयन द हा अः वम म इ न धा माः हा सा मीः कलयाल विष्णु

हाद

८८

यध ममतः अः कलयाल म दयकः शिवा क ग थ वा नः मिता ज्ञात याः यूतू व म दयकः गति मद्रः **निष्यय**
नः कलयाल विष्णु म इ ल साः शिवा र्क अ म ति ष्य य ध र्क धा मा अः भूत वम म इ मा हा सा द हा अः शि

व हा मा ति धा माः हायि य व म य इः कन अ म थ धा य मतः अः कन धाल साः क मा या मा हा हा तु निः रः
नः क वा हा अ म न या तः शिवा सः धन र्क य र्क म र्कः शिन क न का अ त यः थन क न य मा २ य दार्थ न
मा अ वा कः कः रनः क इ म् अः अति कामे ल हा नी त तु निः **शिवा ता या कः** य वृ त रा य मा लः रनः ता य न

अ धा र्क मद्रः सु स अ अ धा र्क मद्रः अ ग क धा य मद्रः वि क धा र्क मद्रः यि त्या कः प्या स य अ भ त धा र्क
मद्रः **क रू अः** म हा सु सिया अः वा द कः क न सु द्वा यि र्क अ न म न द कः क ग थ य वृ त रा या अ अ

॥२४॥

श्री म

१०६

यः हर्नः लसः वनर्तु माह यदजः हाथियः हर्नः कुरु उः म हायत्रं म सुन्दः कुरु नार्न र्वनस
हर्न हा या हा जः मनी जः गिरु उः थथी कक्र थः थ वरसः कुरु जगि जः वाय मा लि जः हा सुन्दः लस

स्व माह यदजः ति रः वा धु माह यः नाना र्तु माह यः दजः हर्नः कुरु म दू उ म र्वः हा मीः थः
त नः कुरु य धा य म र्तु जः कुरु न मा न व दू मा हा वा या हा जः वा कः गिरु लसाः यिला निला मा र्वा ल थ
काः यिला निला धा मा धु रिः नि ध रि जः कर्धः जनी ज थ काः कुरु ता स वा य म मा लः गिरु लः कुरु स र्क को व

(५२) हर्न म जः विवा ल या हा जः ज यः गिरु नार्नः कुरु न र्वा ल सा ल ज य थ काः गिरु जः हर्न कुरु न क थः
काः हाथिय सुन्दः जः ज गिरु न धा य थः मा म व दू याः स वा या हा जः वा कः धा य जः थ तं य दू य मा

ह २

हा ५

१००

हा हा क हा जः ग्वम य ह न धा माः हा हा मि क स वि कुरु नः कुरु ल था ल म द य कः वा ध लि स र्क गिरु वा हा ल नी ज म
र्वः हा थु कुरु ल था ल मा कुरु स ध त र्तु रिः द न र्सी म द त र्माः कुरु ल था ल स नः कुरु न लः ज गुरु ली गिरु न न यः कुरु

या ल द्या न ला त साः गिरु द्या न ला यः कुरु ल था ल कुरु ग ति रु सः ज गुरु लि ग ति रि रु यः कुरु ल था ल या सु र्व नः गिरु सु र्व
कुरु ल था ल या दूः र्व नः गिरु दू र्वः हा हा मिः ल स र्व धा त मा व न र्तु माह य दू ध कः जः हा द स वि कुरु तः कुरु ल था
ल द त हा सः गिरु कुरु माह यः य र्व त र्ता य मा ल र्सीः वि कुरु ता य ना ज ह ल र्सीः **कुरु स न दाल र्सी** यि त्या कः या स यः

ज ह ल र्सीः थ त ता ह ल र्सीः कुरु ल था ल जः ना र्थ ज लः ना र्थ ज न द त साः गिरु म हा सु र्व थ काः हा हा मिः थ त नः
गिरु ज हा ता थ धा य म र्तु जः गिरु द त हा सः कुरु ल था ल र्माः सु र्व ह र्थ काः कुरु ल था ल स नः गिरु ज हा ता (थ धा ल र्सी

श्रीम

१०९

न५

धनुस्त्रिष्टुतः तदिका नर्नः माय कनिष्ठयः सितसाः म्वातसाः कुलया लजः सितमन्त्रिक धायाः धतव्य
मयहया राखा दहा उ शिव धामा धायाः हायि मः कुनजम थ रुतया त ना सः जिन दू धा यः **आ ज कु न**

मा म व दू या कः व दा हा हा उ हा यि ता मा नाः आ ज जि त्वा सी उ ना र्थ ज नः व दा वि स वि द्वा ह न ध क धा या
जः ध तं व म य ह याः व द न द हा जः मा म व दू धा याः हा यू ती व म य हः कु न ज म थ ग थ धा याः कु न धा ल
साः जिय नि झ थः जि थि ह लाः आ धा कु न क त या उ या हाः जिय नी स का म धा ल साः आ व धा ल साः कु प्र का
न द तः हा यू तीः **कु म द त सा** जिय नी सः प्रा द ल नी उ म र्धः सु ना न जिय नी ल ही हा उ त रू उः सु ना नः ल ख का
या जः ल न का जः कु म द हा सः कु न मा र्मः जिः ज ना थ ह लाः हा यू तीः जिय नी झ थ जि थि ह लाः आ हा ना थ

त१

हा ५

१०९

४५

म त उः ग थ व नु मा म दूः ना ती थः जिय नी जू र्ध ह लाः हा यू तीः जिय नी जू र्ध या द उः कु ज न धा य म त
जः **ग थ धा ल सा** श्री मा म य नु नः हा ता म द या जः द हा ग थ ना ना नः प्रा द ता ल ना जः स्व र्ग वा स उ ना

कु म द हा सः जिय नी सः द ल डि सु द्रा प्रा द ल नी उ म र्धः हा यू ती व म य हः आ ज जिय नी स व व न द ह
जः जिय नी नि र्म म्हा यू र्ध य याः स दा या हा जः **ध न र्म यो** नि दान या हा जः दू थ य थ न या जः जान
न द न वा दः हा यू तीः कु न ल ल ता धा ल साः यि लाः ति ला या र्था ल थ काः यि ला ति ला धा यो गु तिः द ल डि ज

द थ उ नी जः थू काः हा व म य हः ध त नः जिय नी ता ल ता ज जिय नीः ज ना थ या हा जः कु ज न धा य म त
जः ध त जिय नी सः वि न ति क न मा लः ध क धा या जः ज न ग व का त नः वि ला य या हा जः मि र्वा न र व वि

श्रीम

१०२

हायकाशः ^नवयाकविनतिमार्तः ^नथितामातायाः विनायकादृष्टः ^नवमयहनधायाः हायिताम
ताः अमथः आकादयकसविश्रयमततः ^नतिनविनतिमायदसविश्रदूनः मिसागतयाः यत्रयताः

लतानः धर्ममदः गतिमदः कायभावायाः मामवद्वितानः धर्ममदः गतिमदः हायितामाताः क
लयालयतिः तिनसममातयनिमखः अनेगयराशसतिनादिनः विसविश्रकयतिः ^नतनः तिनः
सविश्रयमततः ^नमिसातः यत्रयताः सेतुतासः नकवासरुजः दनः तियत्रयक्रथइलाः लसः

क शलसाः सुतानं अयातत्रकायामुजः दनः धर्मसातसः ^नवमयाशलः वालखइताः लधः
कोः मामवद्वयाः कसवा नीजः तजधिकशलहासः यत्रययाक सजनिजः ^नवमवाजातिः माम

रा ५

१०२

ख

वदुतायवा नमदः हायिताः त्रिंतीयायाः इकाः वाडाजः तियतीनिक्ततायं अयथकाः धंधाकासवि
क्रयमततः ^नजतिगताधायमततः नतानं वदविश्रविश्रदूनधर्कधायाजः ^नतवमयहन

हायकादृष्टः मिसा हायाविरुयकाजः अनेगविनायमाडाजः तिलं ^नकार्यः वाडाजः अनेगवदार्थद
यकाजः हाजनमातकाजः अनेगः वसुधितरुमाजः निक्तयानं विमाः दनः हीदृशसतनतिमका
जः महिमाधिकयातिसानतिमकाजः दूयाथआदत्रमाडाजः अनेगः तत्वमशिः लः दलः आदिः

नंविमाजः अनेगमान्माडाजः निक्तलीयत्रयः दलीसथडाजः ^नधाकायितनः निक्तलीयत्रय
सनः लसलजनः ^ननतिः शिवरु वाक्रघनः दूलातं कअनधायाः हादूलायनीः तिरलः तिर

श्री

१०३

यैः लससायाजयः धर्कधायजः हर्नः शिवरुहवाकनः त्रिलंकार्यं याकजते धायः हा शिवः
हाम्माव्यमयः लससायादतिः कृपनि सनः त्रियनीः लमनेमालधर्कधायजः भतेयितामाताय
आहादहाजः दूलीनकाहाजयाजः त्रिकम्पीयूयसनः मानवव्यानुतिसहाकपूयाजः वजका
याजः दूलीसदहाजः त्रिकम्पीयूयजनः भर्नलिः त्रिलंकार्यः सयाजः खतेदतलः सिखासिनका
ससायाजयानः भर्नलिः खनमदयाजः सिमागयाजः त्रिकम्पीयूयनः सायाजयानः थथनः
खनमदयकाहाजः जयायहनससियाजः सिखानथाविरायकाजः हायपूरीधर्कः सिमावासेव
हाजः विनायमाहाजयानः भवेत्सः देवसंज्ञागनः सिमायाकयाः नाकधूयाजः सिमानकाठिनजय

१०३

जः शिवरुहवाकर्णः सतिनामवक्रुधीः यथासुहाजः नवकागर्तः दिङ्गायाजः म्मरुहलः भवत्स
शीमरादवयाः दूतयनीजयाजः हिदगुविमातसतयाजः गधर्षयनिसनः म्मरुलकोजः अय्या
यनीसनः श्रामलनः गायकाजः ज्ञनगवाहनथातकाजः दिवदहूपकाजः कैलासथतयनी ॥ ॥ भ
नलीः शिवरुहवाकर्णः सतिनामवक्रुधीर्तः शीमरादवयाः यद्वतीयाः यत्रनसहाकपूयाजः पुनर्वा
नः गहवासमूमालकाजः यत्रमजानन्दनः शीमरादवयाः सवायाहाजयान ॥ ॥ भर्नलिः शिवः
हाम्मावक्रुधीः व्यमयः दूलीसदहाजः यत्रमजानन्दनः ज्ञनगखलाहाजयानः भर्नलिः दूतवन
सथहाजः वनवनः लुङ्गितिलायाः लंथहाजः ज्ञनगः वनङ्गुसायाजः नातासिमाः खानसायाज

श्री म

१०५

लीरुययुतिमायाः वासमाहाः जनेगः सिसादुलमूलनयाः ना नायकावतः **निकमीयुतः**
ष. ख. झा. हा. ज. अतिरुषमानयाहाः जतं ॥ ॥ धर्तलिः कृद्वादी नसनराद्ववताकनसथहाज

नालीरुयाः जनेवासयानः शासरादवमाः उचननविमायायनः ववमयश्याः कसदकाः शिवहाः
मात्राकधयाः कसदकाः मासववतः विमाजहयाः धधनदकाः नातीसः खं जयाः दकोधनसंयलिः
खयाजयनं ॥ ॥ धर्तलिः प्रातकातरुयाः कलनवायाः **सातकास्यः** थजशकसयाहः तिसांमद

मासववतविमाजहयाधनमदः धसायाः सारकावनखायाः जनेगविलायमाहाः ववमयशनः
इलसाः इलातेकजधधयाः लादुल्लायनिः जजगधयायः धनीनातीसः याविष्टखुजयाः **जियनीस**

हा ५

१०५

धनसमस्तखयाजयनः तिमिसमाजयातुयानिनिहिनः कृयनिसः जियनीनिकयाः स्याहाथकलज
जः **जजगधयायः** धिल्लालः जियनीसकपोलः लादुल्लायनीः जजकृयनीः कृनकाजयनः दकोधनः

सकलीः खनखसमनः धतनः जजकृयनीः लीरादुतिः जितनकमदूतः विसमदूतः थथीठः जह
गीनीः त्रिकुमायः लादुल्लायनीः तिसासववइयाकः **जियनीस** निकयाः लाखानः सआथनकिजः त्रि
यनीः थनतः सयाजताधकः कठः दनः कृलयालयनिसनः विसरुयाः धनसंयलिः खनखसमनः धव

धकनमालः दनः जियनीनिकः मीयुतययाः लाखानकशलजजधयाः दलधजः शात्रीननिदानया
जधकः साहादुल्लायः दनः जियनीः निकमीयुतः धधककठः लादुल्लायनीः **लससायाजहनिः** श्री

श्री म

१०५

नधाकाः खं: रिमाम: वदुहयाकथनकमाल: धर्कधायाउ: भतममयहया: आहंरडाउ: दुल्यातास
धाया: **रामांश: जम(थ)शुद्धतडास:** जियनीउनतला: दु:खसतायकाभविश्राममततउ: धर्क: निज

श्रीयूयया: वगतसहाकययाउ: वजकायाउ: याका: दुल्यात्वं: भुलिभासतासताउ: लिहाउलं॥
॥ भतलि: ममयह तजनेगवित्राययाडाउ: अनठ: दु:खकृतेयाउ: वनं२ हिलुअ: यवतथहाक:
हाडाडाउ: निज श्रीयूयसुन: महादु:खसियाउ: हिलिठाउ: सिसादुलहक: आरागयाडाउ: म

हाककृतयाउ: अन॥ भतलि: वदुहयादीतस: महातागयाडायाह: यवत: भगयाउन: भयामस: लय
मदु: हिलिसादुलं मदु: यथाह: यवत: वल्लुन: भगयाउ: यवतया: वा(थ)नकाउ: जासुकासुतयाउ:

हा ५
१०५

न

अर्थयान: भवलस: ममयह धाया: हायपुठसविश्रामन: रिजुतिनयित्याता: यासयाल: **गनकायाउ**
लेखरुतिता नकिअ: रुन: रिवाथसदत: गसउना: जसामभरला: आउभयवतन: काहाउनमदुते

धर्कधायाउ: भयवतशस: गवल२ तुलाउरान: भतलि: शिवहामान: ममयह: गवलतुलाउयाहयडा
उ: आउगा(थ)यायधर्क: मतनेगलयाउ: वान: **आउकयाय:** कनेक: लयगनकाय: भयवतस: सिसा:
स्वानमदु: लयमदु: भनयथाहकथ: विसयन: याथसदु: यथाहकग(थ)मनकगीरुअ: नकेधाय: कन

दु: महाजतभरला: धर्कधायाउ: कलातयाकसययिययाडाउ: शिवसमाक्राशतधाया: हायिय: थ
थाह: यवतयाशस: (थ)ग(थ)वाहा: यथाहथास: गनलवदयुअ: गनजुनयातदयीअ: भतन: वल्लु

श्री म

१०६

हृत्कालाननन्या लवसिसादुत्तुहिकानदः शथथीवास्तु दमीज हावाद्ययिमा जिकिसु कु ता
 याकमस्तुत वल्लुहृत्त जंनन्याधर्क हापिपदह २थथीदुसु अताथा सज्जतथवा ननतता धर्क
 धमाता थतस्वामिमा का रुदहाता दूमाथ धिर्माहाता वल्लुहृत्त पर्वतया काथनकलता लः धन
 लि यर्वतयाकास दित्तिहाता दूदनकनकाता लखताहाता थाम २जातादिहाता जिवहामाया क
 थनकलता लः धनलि थतां थहाता जातादिहाता प्रजखतासायातावनः गथीन क धी लसा कता
 नः जतत्रवनः सिता न कली लता नः दथु स वायत यलिनयिहाता तयाः हिवा कु गथा क हिवा क धा
 लसाः माखायिवातः रुहाता वाद नितकक दूमाता तयाः यद्यु कतिन गत्रया वादित्री सः दयाता वादः

दा ५
१०६

धृतिवहामात्राकाशमाकु भु कु खहाता ग्वनमस्तु नः जतंगविनाय हा योता मिखा न धाविहायकाता कु
 यादता लसायाता मनसः जति धिधकायाता दूथय थनयाता जिवहामाया रुकायाहाता दूमायतिः
 कर्महाता लाधर्क मनन लता वाता जूथयानी ॥ थनलि कु दूमादीनसः आथजिवहामाति ग्वनमस्तु
 यादता न धाया हावुहाता जातातिनः हिहादूता नता नः कु सहीनकनिदानयाता जिला हातीसयव
 माययातः कु ख दूदनेख वमाजा ग्रा दूनेख कु या ग्रा दूनेखः कु वमुने ता न यमायः हापिप
 दनः कु नगर्तु स वा लखदयाता वाद थथु मया वलसा हाथयाय थनन जाता खलाया या लाल खः
 चिनयात वयवसानहनयात खर्व कु दूनेख थननिमिहिनः जिता नत लो व जविहृत्त कु नसगीः

श्रीम

१००

ल. हीनकनिदानयाउ. कुय. हीनकनिदानयाउ. धर्कंधायाउ. शतस्वामिमावचनदहाउ. ग्वमयश
नध्यामा. लायुपु. द. द. त्रिथथा. द. द. द. वाही. ती. स. आ. द. ता. था. उ. कु. ल. धा. ल. रि. का. फा. न. उ. न. ध. क. आ. स. द.

यकल. त्रि. स. ली. ल. रू. उ. थ. था. द. कु. धा. ल. सा. ध. न. र्द. रि. द. म. ख. कि. सि. आ. सि. द. म. ख. थ. था. द. था. स. त्रि. न.
कु. न. या. उ. वा. न. **थ. न.** कु. ल. धा. ल. उ. न. धा. य. म. त. उ. ख. ला. धा. या. ला. ल. य. वि. न. मा. त. व. य. व. सा. न. म. द. त.
सो. म. द. त्रि. अ. २. (थ. ता. त. य. मा. य. रु. रु. मा. न. य. के. रु. रु. उ. ता. त. य. मा. य. कु. ल. धा. ल. स. न. त्रि. रु. का. उ.)

रु. ता. (थ. धा. य. म. त. उ.) द. थ. य. (थ. न. या. उ.) थ. व. द. श्रु. ति. न. ग. त. रा. रु. रु. मा. न. य. नि. के. रि. का. रु. रु. उ. ता. त.
प्र. मा. य. वि. स. य. न. कु. ल. धा. ल. श्रु. थ. रु. ला. रु. य. म. रु. ता. मि. र. वा. न. रु. स. या. त. न. रु. त. म. ख. ता. थ. था. द. रु.

रु. द.

१००

ग. थ. २

ग. थ. य. त. द. द. हा. रि. का. फा. न. उ. न. ल. य. पु. **थ. न.** त्रि. वि. न. ति. रु. हा. उ. त्रि. उ. द. या. य. स. न. रु. मा. उ. त्रि. उ. क.
रू. धा. कु. या. द. य. का. उ. य. त. द. द. हा. वि. श्रु. य. धा. य. म. त. उ. थ. था. द. द. द. वा. हि. ती. स. त्रि. य. का. त. या. न. सू. ता. न.

त्रि. रु. का. या. हा. उ. त. रू. उ. सू. या. रु. मा. सा. न. या. न. कु. स. धा. ल. सा. उ. न. ख. न. द. म. ख. हा. स्वा. मि. वि. श्रु. य. धा. य.
म. त. उ. सु. रु. का. टि. २. त्रि. वि. न. ति. **रु. न.** रु. हा. उ. न. य. धा. य. त्रि. स. ली. ल. थ. था. द. रु. न. म. उ. न. सा. द्या. न. ली. ता.
सू. ना. न. त्रि. वि. न. ति. उ. रू. उ. ध. क. शि. व. हा. मा. या. रु. ति. स. रु. क. य. या. उ. द्य. स. २. य. हा. उ. रु. न. ग. य. का. त. न. वि.

ना. य. या. हा. उ. वि. न. ति. या. त. थ. गु. ति. य. का. त. न. धा. स. न. शि. व. हा. मा. वा. ध. म. रु. या. उ. **रु. न.** हा. म. य. रु. या. रु.
उ. न. धा. या. रु. या. हा. यि. या. रु. रु. कु. न. रु. म. (थ. धा. य. म. त. उ.) य. त्रि. य. य. मा. क. ला. य. क. मा. रु. त्रि. रु. ल. सा. ल. रु.

श्री म

१०६

वा लक्ष्मि मा रखा लथका कनमनस रुता सया यमूमा ल कनम (थ रवा या ज) रिवा (धाय म त ड) कू या
 यथ थि द द रि डि रि जि से र पि य **रुन** कने न य म द न सा भु व द्वा ति न वा त स य क्क या का इ त मा ने रि
 जि स द ड थ का थ य नि क्क रि का रु का ड न ड रि न ना न लि हा ड य थ का क ध धा वा य मूमा ल आ ड रि ड
 न त सा कने स ली ल ही न क नि द न या ड रि म द ध क्क रि या ड न स न स र्ग इ य म त ड ता या ख म
 र्थ का ध क्क ग्व म य इ का ल या ड रु क न र्थ ला यो या ला र्थ ख दि न या त य म व सा न द य क ध क्क म त
 न हा ल या ड य त द षा षा रि का रु न ड न ॥ **धु नी लि** द षा २ रि ला ड व र्ण २ रि ला ड म हा क व न य
 ड रि का रु का ड इ र्थ **धु नी लि** कू दू या दी न स षि व षा मा वा का ध न इ ल सा ता र्थ न र हा स ड ड ड

हा द १०६

जा या ड ड ड ड ड ल स द षा कू गु लि लू र्थ द षा या स मी य स गी गा कू का ड वा ड थु र्ग गा या स मी य
 स आ थ रि थि नि क्क व स ल य वा ड थु था म स अ न ग सि स वा सा स्तो न द या ड वा ड ज ति म ना रु त था
 न षि व षा मा वा कू रु न र व हा ड ज ति त स ता या ड थु था म स थ त क ड ड ड गी गा स मा ल दू या ड
 मा ल का र्थ धा न य धू न का ड दि रु लि या य ध क्क म त न हा ल या ड थु आ थ रि थि वा हा थ स म ड ड
 ड रि मा ग या ड स्तो न या य ध क्क भ रु ड न **धु व ल स** दे व र्ण ग न रि मा क या न त रि ला ड का टि न
 ड न **धु व ल स** षि व षा मा वा कू रु न कू रु न रि ला या ड म लू रु या ड ड म वा त ड न ॥ **धु**
न लि ग्व म य इ न अ न ग वि ना य या ड ड रु य क व २ ध क्क र्वा या ड अ न ग दू र व सि या ड र्थ न **धु**

श्री

२०२

एवलाया. या लाल खविन तं याडाउ सत. भुवध विवधार्मा लिहामडायाडा. भुवस यइन. जलन
कवु याडाउ. यनु आति नठा नस. इमे मान यतिह रिक्का दूदाउ. गुलि द्रा कंधा या. कर्म या यमाल

उल्लिखितं कर्ममाद्युपायैः नलिजिलास्यद्विष्टयाजमायावर्ल्लिखितं दयवातस्यधालस
अथैकसूदनवर्ल्लिखितं सल्लिखितं नलिहकसमस्त्यागनेनैधनसंशुक्रुष्टयाउशुहःथथैकपुत्रा
तहउपद्युपननसुअलिअनन्यमाद्युपायैः मज्जितंथिजिह्मस्वद्वयनकाजयन्त्रातिनननेतः

ती क. आ. क. द. वा. न. अ. इ. उ. ना. म. क. न. द. या. त. का. उ. थ. न. श. ति. क. आ. क. द. न. आ. क. द. य. का. ल. व. क. धी. ध.
वा. ल. व. या. ना. म. न. व. या. श. ध. क. य. ज. नि. इ. उ. अ. ल. व. क. धी. **द. न.** थ. मा. वा. या. श. त. क. र. स. त. अ. र्थ. य. द. वा.

दा ५

१०८

ॐ अधर्क वाच कृष्ण लसा धवालेखनः का सवन्निथका ॐ अर्ध न कनन महासूखसि यका अर्जति मा
न्यया वाच अर्ध ॐ अर्ध न धवालेखनः त अर्ध सवन्निथका अर्ध न कनन महासूखसि यका अर्जति मा

श्रीरामदशकाशुतं श्रुतिकवाक्यमा, राखाठकाशु, मनसु, अतिदुर्मानयाकाशु, उरमानयनिकु
 काकाशुतमा, दोमन, दूया, (थ) नाललातकाशु, दु, (थ) य, (थ) लो, नयातकाशु, थनदूया, (थ) दक्षि, धा, विया
 उ, वजाविया, उकाशु, ॥ **थ** नलि, ग्वमयहन, थभायामहानिदानयाकाशु, लदि, काशु, उरमानयनिकु

धनं कया स रूपा कायानं दूथेयूथेन या ज्ञातुं कया स रूपा कायानं दूथेयूथेन या ज्ञातुं कया स रूपा कायानं दूथेयूथेन या ज्ञातुं
 या ज्ञातुं कया स रूपा कायानं दूथेयूथेन या ज्ञातुं कया स रूपा कायानं दूथेयूथेन या ज्ञातुं कया स रूपा कायानं दूथेयूथेन या ज्ञातुं

श्रीम

१५०

यत्नननमानयतिस्त्वं ह्येताज्जनवनात्तु वाक्कृदा वा युतियात्तु माहाता तत्तु **हर्न** कयासकृद्वा काय
नं वशिष्ठं कृद्वा ह्यनं नमानयतिस्त्वं ह्येताज्जनवनात्तु वाक्कृदा वा युतियात्तु माहाता तत्तु **हर्न** कयासकृद्वा काय

धानविहाता भूतधनकाता विद्यासहा विद्यासंयुक्तु हर्न नलि गमती विद्या गुलि वाक्कृदा माकर्म
माहाता हर्न समस्त धनकाता ह्येताज्जनवनात्तु वाक्कृदा वा युतियात्तु माहाता तत्तु **हर्न** कयासकृद्वा काय
माहाता हर्न समस्त धनकाता ह्येताज्जनवनात्तु वाक्कृदा वा युतियात्तु माहाता तत्तु **हर्न** कयासकृद्वा काय

विद्यानसंस्कृद्वा ह्येताज्जनवनात्तु वाक्कृदा वा युतियात्तु माहाता तत्तु **हर्न** कयासकृद्वा काय
ह्येताज्जनवनात्तु वाक्कृदा वा युतियात्तु माहाता तत्तु **हर्न** कयासकृद्वा काय

हर्न
११०

यत्ननवनात्तु वाक्कृदा वा युतियात्तु माहाता तत्तु **हर्न** कयासकृद्वा काय
ह्येताज्जनवनात्तु वाक्कृदा वा युतियात्तु माहाता तत्तु **हर्न** कयासकृद्वा काय

नीस ह्येताज्जनवनात्तु वाक्कृदा वा युतियात्तु माहाता तत्तु **हर्न** कयासकृद्वा काय
ह्येताज्जनवनात्तु वाक्कृदा वा युतियात्तु माहाता तत्तु **हर्न** कयासकृद्वा काय

काज्जनलातकाता वाक्कृदा वा युतियात्तु माहाता तत्तु **हर्न** कयासकृद्वा काय
ह्येताज्जनवनात्तु वाक्कृदा वा युतियात्तु माहाता तत्तु **हर्न** कयासकृद्वा काय

श्री म

११९

सनधुमवायाग (यतिवारुहलुथु माहादिसन नितु धाम जगन्नाहला साधु कृत यति धर्क
लाइयनिःशुद्धिः क्लृप्त यति सेन माहाशिविष्णु अलिधातस नितु नका अतय **धनं** न सुनो
न क्रियनिस्तु उ द्वात्र माहा अतः क्रियनिसथथी कज वस्तु धर्क मिखा न रव विथ मा अ उर मान
यनिस्तु विनेति माहा अ धामा धनं व मय इ मा लावा दे हा अ क्रि क गृह मा या अ उर मान यनि
सन धामा रुद्र कृष्ण कुलया लज मथ रुता सवा स विद्या य म त अ क्रिये नी म द मा लो माल को सा
मणी क्रियनी सन द य क **रुनं** हिन क क द य का अ विम लाव म य रु द रु कु लया ल या रु ती रु
अक्र क्रियनि सन सु मा अत य ध ना ज ल्य क य र म सु च ति रु मा अ श क वे गृह य र ध मा ना म न

दा द

११९

गत मा अग्नि स्त्रामि धा मा ना म वा क श मा म्मा य व द्वा व ति धा मा ना क व कृष्ण ध कु लया ल या का
य मा त क न्या दा न वि य नि ष य ध क लाव म य रु न का अत य मा ल सा ति य का अत य मा ल सा क्रि
य नी सन त य कु लया ल कृ रु ता स वा य म त अ म ल का सा मणी आ रु द स वि द्वा रु न ध र्क धा मा
अ ध त र मान य नी स म धू र व र न दे हा अ मन स ज ति रु र्वा ना न या हा अ व म य रु न धा मा
ला ला इ य नी ध न्या र क्लृप्त य नी क्रिय हा अत ध द या ध न्य र धा य क्लृप्त य नी ध र्क मन स ज ति
आ न न्द या हा अ माल को सा मणी सम र्क थ थ र मा ल ध र्क क हा अ वि ल **धनं** न ति र मान य नी स
न वि धि सा द ति मा हा अ व म य रु न धा का सम र्क सा मणी ता ल ला त का अ न व ग र्वा क श मा त

वत्तुष्टा पत्रधायानाम नगरया अस्मिन्नामिनाम वाक्यमापूरी वन्द्यवति वृक्षोर्कानां प्रानविले
॥ **॥ धनलि** इति मानयति सन पक्ष्याक वाक्ययति यत्तुष्टायां अद किं विद्या अहो नय

त काज्जातं **धनलि** इति मानयति कृपान्दुःखियात्तातका अयन मज्जनन वन्द्यवति वृक्षोर्कानां
कीदारुणयां अद (थ) य (थ) साक मावा सन नया अत कार्क काह रुठा अवाह रुती ॥ **॥ धनलि**
कुट्टयादीन सन यत्ता अवाक्ययान मामया अज नधायामां माम कस विद्या न किं कित रुमा
वत्तुष्टा वन्द्यवति नगरया यासायनी सन वद मद्रुमा अरुधर्क कित कान अत **धनसल** इति न
(थ) (थ) धक धय मद्रुमा **धन** इति ववा इगा अत दनित्ता मद्रुमा विविद्या त समर्क वरुन

हाद
११२

आहोदस विद्या नधर्क धाय अ **धन** नवगात्रयुता राखा दहा अ गवमय नधाय रायुत्र नवगात्र दह कुन वयु माखक
न कुयाथ सद्रुमा खलाया का ला त विनयात वयव सान रुमायात वमुक नय या अ यत्र दहा अहि का नधर्क अह क ध
याय धिक रुता अज ता ली लिहाम विद्या क सित ता म्वा कनित्ता गन अन गन म अहा धन म सिया रायुत्र धुति रुक कित न सिया धर्क
धाय अ धन माम याव वन दहा अ नवगात्र वाक्ययान धायामां माम अम (थ) रुता स अ अति न ववा इमात अत विथथी द का मद्रुमा
अ वव रुया विवात माय म्मात लाहो माता अ अति न हि का दहा अ ववा इमात खात्र मयात अत क सति न कनिदान या अ ध अहात्री
रहीन कनिदान या अ अ अति न वज विरु नधर्क धाय अ धन नवगात्र युता राखा दहा अ माम नधाय रायुत्र नवगात्र विव दह
कुन अम (थ) धाय म त अ कुन वयु मद्रुमा **धन** ख स म र्क कुन खात साया अ तन का अयाना जिती अया अथात्र कु कु दत कु वयु म
दधायान कु मद्रुमा स विवनी स कु ववा इगा अ रायुत्र कु मद्रुमा स वदु मा मद्रुमा की धन **धन** इति तात ता अ ता धाय म
त अ **धन** कु मद्रुमा स कुन कला त वन्द्यवति विनि अम ख धन निमिर्दिन अनधाय म त अ धर्क धाय अ धन माम या अ अह क
अ नवगात्र नधायामां माम अम (थ) धर्क आहोदस विद्या म त अ कुन धाय सा अ अता ली सी कलौ म्वा कलौ या विवात माय म्मात
लाहो माम सित ली म्वा त ली इति नान अ यथ का म्वा अ अयान सा नार्वा वा अह य सित सा का व ख न विवात माया अ जय हो माम

श्रीम

११६

यकायनिमिर्हिनेदधर्मवृत्तधर्मवृत्तनामः श्रीस्वस्मानयत्रमध्वरधर्कध्वरमध्वरमाधर्मवृत्तनामिह
 इयाअठठहावक्रुधीधधर्मवृत्तयाविधानेकनेयीखेधुक्रयायुधुमासिकद्ववृत्तनामध्वरुनिर्हानिहमातह
 याअनकरकयाठाअलुकिताश्रीमहादवयतामायधनलिमाध्वरुक्रयायुधुमासिकद्वधर्मदनातकिद्याय
 अथितमधियकःहातकिद्यायुग्रमकादयकःहातकिद्याहातश्वनदयकःसतकिद्याहातदाहातस्वानदयकः
 सतकिद्यायातव्हातदयकःसव्यनसहितदयकमातधनलिगंगात्रलश्रीखधुत्रकेचन्दनसिद्धध्रुयदियनेवधस्वा
 नकमुत्रियकातयमुदकिद्याथमद्रुकायदार्थदयकाअश्रीस्वस्मानयत्रमध्वरध्वरःधाउसउयरात्रनमहासुविश्याः
 अहकिञ्चानसंरुकाइयकाअयुतामायधनलिवाखनठनठनदतसीमदतसीथमनंकायथमनंठनठन
 अवाठाःऋतंतंअतिलमाकसकाःकुंयमुहलसतिअथतधूनकाअजुध्वियवमुदकिद्याकयधतधूनकाअ
 काइयध्यानमायःकामुयदलयधतधूनकाअश्रीस्वस्मानयत्रमध्वरमाकःश्रीस्वाहानधअमननःकुकामनाय

दा ५ ११६

तअगुलिवल्लुहाअश्रीस्वस्मानयत्रमध्वरमातजुध्वियधतधूनकाअस्वानकाकायाथअठठअठाअतः
 किअथितमधिनथमतयासनमाययावाअथितमधियागुग्रमकायाव्वल्लुअतयाहातदाहातस्वानयाय
 तव्हालमव्यहासहितदयकाअयुग्रव्रलअहाययुग्रवमदतसाकायतअहायकार्यमदतसामित्रकायल
 अहायमित्रकार्यमदतसाथअमननःकुकामनायातअगुलिःकामनायुधुइयमातधर्कहातयाअनदीस
 वरुसर्वधामहावक्रुधीधधर्मवृत्तधधर्मवृत्तनामः श्रीस्वस्मानयत्रमध्वरमाधर्मवृत्तकनुधून
 अअकनधगुलिधर्मवृत्तदधधर्मवृत्तःखदत्रिदनाहाइयाअतअधठयदविलाःअमल्लुहलकासकेलो
 ससवासःअहावक्रुधीधतश्रीयावतीदवीनश्रीमहादवययुग्रकायनिमिर्हिनेधगुलिधर्मवृत्तदनाहा
 वक्रुधीधधर्मवृत्तयायुहाअनगुनिश्रीयावतीदवीनश्रीमहादवययुग्रलातहावक्रुधीधधर्मवृत्तयाविधी
 पूर्वर्कसमर्ककनेधनाअअगुलियतीअनतलाधदाविदनेधर्कःआहोदयकाअथतमयीलाकयाआहाठठ

श्री न

१२६

यात ग्यालया रुना मायधर्क हा लयान मद्रु त्रिथथा दया पिनी षन धिक्का त्रि न सङ्ग न धात सा त्रिथथा दया पिनि
 इया निमिरिने त्रि ला हा ति न दया ग्या लं मन स वि श्रत कु या य त्रि कर्म थथा द सु या त या ल मायधर्क मिख न या द
 हा य का उ ना ना मा थ त वि रा य या द अ थ म थ म न धे र्य या द अ तु रि का या उ व य त इ ल व य द वे ल स का य
 ति या त ल स ध न त या उ त अ ख द अ म न स ज ति आ न द या द अ या त न स फ म धी या त न म स्का त या द अ का य ह
 ति या त ल स का रु स व धु क उ रि का या उ म र म आ न द न त स ता या उ ध र्थ न **धन लि** स फ म धी न आ सु द य का थ र्थ
 यो व लु क या य र्थ मा सि र्थ कू णी १ ख स्का न य त स ष त या ध म व्र त क र्ण थ क र्ण नि स नि र्थ मा ल कू या उ न क र्ण
 क या द अ ०० १ त या क न न त या उ म हा धु रि इ या उ का य उ हा न व क या द अ नि र्थ णी म हा द व य र्था या द अ
 अ सु र्थ वि र्थ इ या उ लु ति ता वा ख न क्का द अ ध र्ण न का म र्ण वा ख न क्का द अ न र्थ क ल को ती मा म वि ला क या
 आ र्थ थ य नी क उ न त या उ वा ख न क क द अ ध र्ण **धन ल स** सा त्र आ ल मा रा ता स न व म य इ न का त न न ना क

हा ५
१२६

सुल ता या उ मा रा ता स क र्ण अ या उ रि खा कू या पि अ न वा द अ व म य इ न क्का द वा ख न क क द अ ध र्ण थ न मा र्थ
 ता स क र्ण थि थि न्वा द हा या सा य नी सा अ २ ग र्थि क्का ष र्थ थ व म य इ कू इ ल उ यि नि नि ध र्क इ ल ता न का त न न
 ठ म द य क वा ख न क्का द अ थ द ग र्थ थ व म य इ कू इ ल उ यि नि नि र्क वा ल ता रु न म र्थ ला न न क या उ
 स नी या न ते नि र्क न्वा त ला रु न म र्थ सु ना न वि धा न या द रु ले ला कू इ तु न थ थ इ ल आ अ थ न वा न म र्थ ता द र्थ
 हा उ अ द न नू या ध र्क धा या उ थि थि सा द ति या द अ व म य इ या रि खा कू स द र्थ अ द अ मा रा ता स न धा या व म
 य इ कू इ ल कू इ ल कू नि मि रि ने न का त न न्वा द अ क र्ण का र न कू स म र्ण धा अ ध र्क धा या उ थ न सा त्र आ ल मा रा ता स व र
 न क द अ व म य इ न धा या हा मा रा ता क द त्रि न र्थ क न क द त्रि थ था द द ० खि ख द अ स फ म वि ष र त्रि कू स थ न
 क ल वि श्र द अ त्रि अ द या य स न इ या उ णी १ सा कू न य त स ष त या ध म व्र त क र्ण उ य द द वि या उ ता थ ल आ
 अ त्रि न थ ग र्थ लि ध म व्र त क र्ण **धन न** क द म द त स थ कू ०० १ त या वा ख न क्का द अ ध र्ण हा मा रा ता **धन न** त्रि कू इ

श्री म
११२

लमखलागनकलममडूडूनीइलमखः कडमदुयातिमिहिनः दूठाउवाहाः नूतं कडाउवाहाः थकाधकैधायमभ
वममयइमाः राखाकडाउः तआममायाताः तसतामाउः दिनः सनयधकैः दयावित्रिः वममयइमाः तहाकलूहाउविरे
रुनः थसवनः कडायायधनः सतासः थावमालममालधकैः कडाउन२थायदमाजयानं **थनः** थसात्रआतभायातास
नः निर्य२राकिः वत्रिः सादूडाडाउः वाखनकनडाउः थवलनिस्यः वममयइमाः जूननयदमाजः डालं ॥ **॥ थ**
नलिः थथतुवाखनडाडाउः निर्यः श्रीमहावेदेः यत्रायाडाउः यानं **थनलिः** लुकिदयाउः माद्यधुक्रमाः यर्धुमासि
कूकूः सयमविनः आसादयकार्थः जूननः सार्मणीः तातसातकाउः र्गगात्रलेः श्रीखधुः तकायननेः सिन्दुलेः यथाः
त्रमकाः धूपदियः नेवययकानः दूलेदूलेः कमुतः वरुदकिष्ठाः सतकि १०६ अथितमधिः शातकि आयाव्याल
शातकि आयाव्यालः जूननः शातकि आयाव्यालः शातकि आयाव्यालः शातकि आयाव्यालः शातकि आयाव्यालः शातकि आयाव्यालः

हाद
११२

नः थआसकाह्रिथः सार्मणीतातसातकाउः सवनः सहितदयाकाउः रिडउसतनतियाउः नमयाडाउः नूकः
विरुयाडाउः रुकिषुद्यदियकाउः दूधत्रयाकमनेतयाउः यूननवरात्राः सानः वाकूयाडाउः मरायवितरुः
याउः सयमविषययाआसाथः माद्यधुक्रमाः यर्धुमासिकूः श्रीस्वस्तेनयत्रमध्वत्रयाः मराउरुमधर्मि
तदनं **थनलिः** श्रीस्वस्तेनयत्रमध्वत्रयाः थउसडयरातः यत्रायाडाउः दूकात्रयध्यानयाडाउः जर्धुशाका
उः मूर्तियातः हाश्रीस्वस्तेनयत्रमध्वत्रयाः रिदत्रिदुमायकाउः दूः खराकानः समूडः थथीकसमूडनंथकायाउः
उद्यत्रयादविश्रयमालः लयर्नवक्र **रुनः** त्रिकायनवरात्रववूरुयाउयदडाउः थयानिद्विधुयाडाउः रिउ
शनकाउः यसनरुसविश्रयमालः हादूधत्र **रुनः** त्रिसदाकालं त्रिनरिजुडाडाउः तयाउवाहाः जडात्रिनम
वयातः दातययायदूयकः लक्ष्मीयसनरुसविश्रयमालः लानिगत्रन **रुनः** त्रितः कडाकालसः त्रगदिष्यत्रः श्री
महादेवयाः उच्चनूनवियाः अरिष्ठाः यथअरिष्ठाः यनं मूकः इयकाउः रिउदयाउः मायाकविश्रयमालः लानि

श्री म
१२६

का ल **दुर्न** त्रिका य न व रा ग थ अ य त्र ल ल यो अ **दु** द ला क स त अ ध क य वि वि या अ य त लो क स त म य स य न म
द य का अ य न द त्रि ग क व स म म ल का अ य अ थो स वा डा अ त म म ल लो क ग ध स य **दुर्न** त्रि या वि नी य नू ग र
स स दा का र्त्त क ल यो ल यो ना म थ त का अ य स न र स वि श्र य म ल लो क ना थ **दुर्न** त्रि थ थो द ड ख दा त्रि ड ना
हा या डा अ त्रि का य न ना न थ न का अ क यो मा क वि श्र य म ल लो क न क म र्त्ति **दुर्न** थ ग लि त्र न म स क ल यो ल स न
त्रि त उ द्वा त्र या डा अ अ न का ल स क ल यो ल यो ग य ध्वा न ल म न का अ य र म य द मा ड वि स वि श्र य म ल लो क वि
ध र ल **दुर्न** क ल यो ल र **दु** अ सि वि सि ति स द्या ग या क र्त्त ह या अ वि श्र क क थ थो द ड **श्री** ३ स क न य र म
ध र या य र ध स का टि २ न म स्का र लो क न का ल व क स र य क ल यो ल त र स र य क ल यो ल अ न म आ दि
म ड थ क क ल यो ल थ र्थि क **दु** ध र या त का टि २ न म स्का र लो क आ दि ना थ **दुर्न** क ल यो ल र **दु** अ म नू ज या द
य क म र स वि श्र का अ यो य र्थ ध्वा सा वि श्र या अ यो य या क क ना हा या डा अ ध म या क क य ती उ द्वा त्र या डा अ वि

हा द
१२७

६

अ क क थ थो द ड **दु** ध र या त का टि २ न म स्का र लो क य र म ध र त्रि थ थो द अ य रा धी न क ल यो ल यो मृ ति या य क **दु**
दु अ **दु** क र त्रु र्थ व क या सा म र्थ म ड **दु** क अ त न म र्त्ति (हा य ना ठा या ग म म ड **दु** क स र स ति या लो ल
म ड त्रि थि व र नि र्ग ति या क ल सा म र्थ **दु** अ ध क ना ना मा थ न मृ ति या डा अ **दु** ध र या त अ य वि र्त्त **धन** लि अ य वि
य धू न का अ का टि २ य का र त द द य धा म या डा अ स्ना न का का या अ हि र्वा क स ड लो अ हा अ ची त स्ना न या या त अ थ
त म धि या द्रु र म का या य र अ उ त या लो ल हा लो ल स्ना न या या त य र या कू त य र स य धा स हि त द य का अ का
य न व रा ग या त द्वा द त या अ **धन** लि स त क अ थि त न धि थ म न या र न या डा थ त धू न का अ य र्त्ति ना ठा र्त्त ना या डा अ
दु ध र या ना म यो को अ र्त्त ॥ **धन** लि **ध** ग लि **श्री** ३ स क न य र स ध र या ध म द हा या र्थ ध्वा न थ कू दू या रा
त्रि र्त्त न व रा ग व क धा यो थ न क ल अ र्त्त **धन** लि न व रा ग व क धा यो न मा म स त ता अ अ र्त्त हा ना म यो य र ध ध क स र

श्रीम
१२९

ता शी वार्न धनसि ग्वम य इ न इ त सार् य त्र न व ग्रा मा स त ता मा ज्ञा द ता स नी रि खा कृ या खा पा ख रु क वि रु डी न र
उ ति सि त का ज्ञा इ न वा रु य रु डी ला सा स रु क त्र त का ज्ञा मा म न धा मा हा य त्र न व ग्रा रु कृ षा ल इ ज म ख ला रु न व व इ
या उ व द षा डी का या स मा वा रु ग थ र स म र्क क रु ध र्क धा मा ज्ञा ध त मा म या आ रु क रु डी मा म या व त्र ध स रु क य या
ज न व ग्रा न धा मा हा मा म रु स वि रु इ न रि व वा इ इ त सार् ग ग ती ल स रि डी रु डी डी रु डी रु डी या दी त स र्ग ग स
स्ना न या डी संधा त र्क धा धू न का डी दि रु ति या य या त सि मा ग या ज्ञा न या त ज्ञा रु ध व ल स दे व स र्ग ग न सि म
न का ति न डी या ज्ञा म रु इ या ज्ञा ख रु वा स डी न ध र्क अ थ रि थि नि रु स न रि त क न ध व ल स रि न म रु इ डी थ स थ न
क डी रु डी व वा इ या अ वि स क र्क र्ग ग ती त स रु ग नी र्क का त या डी वि रु डि नि ध य ज्ञा मा ल का क्रि या क र्म या डी
ज ग ति ला त का डी रु या ध न सि र्ग ग स रि न स्ना न या डी रु क डी य ध र्क हा ल पा ज या रु ध व ल स रि म न न हा ल या ज्ञा

हा द
१२९

कृ ध का डी रु डी न आ डी रि न गा गा या क स वा या डी ख र वि रु य रु न द य का डी रु डी न ध र्क म न न हा ल ज्ञा गा
गो या क स वा या त ज्ञा हा मा म ध न सि रु डी या ग ती स रु ल था ल य नी य न्द्रा व ति लू म स डी रु ध व ल स रि न गा
गा या क व ज का या डी रु ल या ल द र्ग न या य ध र्क डी या हा मा म य न्द्रा व ति ग न डी न हा मा म रु न ध नि या ग ती स
अ य गा रु र्क यो नो रु वि रु डी रु न ध न ग र्ग ध ध य गी ख रु रि रु २ सि सा स्ना न या वा स ना द डी रु न ध ल क
स्ती र्क वा म त आ दि न म धि व धि या न द डी ध त न रु ल या ल या थ नी या दी न स रु या रु वि रु डी रि न व वा इ या
उ व द षा डी का या स मा वा रु द का वि न ति या य ध ना आ डी रु ल या ल या स मा वा रु द का आ रु द स वि रु इ न ध र्क
धा मा ज्ञा ध त का मा य हा रु क रु डी ग्व म य इ न धा मा रु रि २ थ थ रु अ रु शि नी ख न रि ध र्क अ ति वि रा य या डी
मि रु न ख वि रु य का डी अ ति र्ग ग क मा र्क हा स्ना नि रि डी रु डी न डी न ध र्क रि न का त ज्ञा रु ता थ डी रु ल या ल रु का ख
रु वा स वि रु त हा य ध ना थ रि रु ना थ या डी रु ल या ल रु का रि वि रु डी हा य रु का य या रु ल म र्क र्क रु ल या ल

श्रीम

१२२

इकागविष्णुचर्कनामाथनविनायकाडावांनथसायाजयुतनवगानधायालामामकृतकलसनअन
 (थ)काकासविष्णुमतेडात्रिखातसायाजदःखतनकिडाहामामकृतनत्रिमडासिककाआनिमिहिनअ
 म(थ)विनायकासविष्णुमतेडादःखसानयाडाधर्कअनगयकारधामामयातवाधविनाडा**दन**नवगान
 धायालामामकृतयालयनीसगां(थ)रुतधधाडा**दन**थनअनगसूठाधयावासनादडाधक्यासमसर्वदरु
 नआकृदयकसविष्णुन(थ)कातालताडात्रिडादयाप्रसन्नरुयाडाआकृदसविष्णुनधर्कधायाडाधत
 युतनवगानयाहाकाडागवमयइतइतर्काययामधुनवाकृडाडामतसुअतिआनचयाडाडा
 नानायदार्थदेयकाडावामतआदिमधिवधिरिडदयकाडाकाययातिनियातकाहायुतनवगानधना
 २कृतनवाकृतत्रिअतिसकावशयधनाहायुतआडायातिनिधूनकिडा**धनलि**त्रिगुलिसमायालकनधर्कधा
 याडाधतमामयाआकृडाडायातिमार्त**धनलि**यातिधूनकोडानवगानधायालामामआजकृतयाल

हाद

१२२

सनरक्तिगागर्कनायादविष्णुकाकारनधनकृडिलाविलारनआकृदयकसविष्णुनधर्कधायाडाधतनवगानया
 ववनधडागवमयइतधायालायुतनवगाननकरिहयाडाकृकृतनकंसातनइयइयमासधर्ककडाहनवा
 कयाडाडाश्रीस्वस्मानयगमधरयाधर्मदहाधतनथकागधधयश्रीखधुहिठरसमासातयावासनाद
 तहायुतनवगानधधरयाधर्मवतइसंयजवीथेनेथनकलविष्णुडात्रितडदहाविनाडात्रिड
 आत्रयाडाविष्णुहायुतआडात्रिनजवीधरयाआसार्थधुलिश्रीस्वस्मानयगमधरयाधर्मदहा
 धतनथकागागर्कनायाडाडाहाहायुतआडात्रिनधुलिश्रीस्वस्मानयगमधरयाधर्मदहा
 विरुइयाडाकृ**धवलस**कृतनमूकइडाधर्कयक्तिगागर्कनायाडायायुतनवगानवाखनकडाडावांन
धनलियातकाहायाडावाखनधेडाडानवगानकाधतधायालामामधन्यरकृतयालयथीकश्रीसास्मान
 यगमधरयाअपूर्वकथाकडाडात्रिसमसंयायइडाडिवांशीगंइयाडाडाहाहामामधन्यरकृतयाल

श्रीम

१२३

धं न्य२ रिता हा मा ता थ वा ख न द का अ रि ज ति आ न द ह य ध ना कू ल या ल या य ग दा स ता वि र न म का र ध के
 मा म या पा लि नि या र्हा क य मा अ मा म या कू अ न धा मा हा मा मे अ उ रि र्ग गा स स्ना न या त ड न कू ल या ल स न
 आ ग क के ल ध के धा मा अ व ज का मा अ र्ग गा स्ना न या य ध के ड न ध न लि र्ग गा थ हा ड र्ग गा स स्ना न या र्हा स्ना न ध
 न का ड स धा त य न या हा ड स धा त य ध न का ड ग्री र्ग रि र्ग य रा या हा ड य रा ध न का ड ग म य ग्री या हा ड ग
 य ग्री ध न का ड मि रा ति सि मा अ र्ग द व ता यो र य धा न या हा अ र्ग र्ग व ल स ग्री र्ग स्ना न य र म ध र या वा ख न
 द क मा य ध न र्ग गा न ग्री र्ग रि र्ग उ ल रि इ या ड न व रा र मा थ स वि अ हा ड आ कू द य का हा न व रा र वा कू ध
 धं न्य२ कू कू न र्ग कि हा व न रि ज ति स म्भू कू ह य ध ना आ ड कू न त वे ल य सा द वि य कू ड ध के आ कू द य का हा न
 व रा र आ ड कू न त ज रि ख के वि य कू ड ध के र्ग गा न थ र वि अ हा ड र्ग गा र त न न व रा र वा कू ध या त अ रि ख के
 व रा न वि र्ग न लि ग्री र्ग रि र्ग न र्ग न आ कू द य का हा वा कू ध द क थ र्ग गा न द रि हा स गा व न धा मा न र्ग र कू

हा ५
१२३

लि द स का द ध न ग स गा रा म ड आ ड थ रा व न न रा र या रा रा कू र ला हा न व रा र आ ड थ द हा हा रा रा म द या ड क
 ड के उ ल्या त ने हा रा ड र्ग ला हा रा कू ध त न आ ड कू थ न रा र स र्ग नि थ व ल स रि कि सि मा कू वि हा ड वा न रि न ख न द
 य क कू न ज मा थ व ल स कू न त रि न अ रि ख के वि य ध के हा न व रा र थ त कू न त व रा न वि य ध ना आ ड कू रा
 व न द ध हा र्ग नि ध के आ कू वि या अ थ त ग्री र्ग रि र्ग या आ कू द हा ड न व रा र न र्ग ल र्ग म न स ज रि आ न द य
 का ड ग्री र्ग रि र्ग य रा या हा ड अ न र्ग कू ति मा र्हा हा व र म ध र ग्री र्ग रि र्ग धं न्य२ रि ता हा न खा या हा व र म
 ध र रि र्ग उ अ ना थ रु मा अ र्ग द कू थ नि मा दी न स ना थ कू ल या ल द ध न या हा र्ग र्ग र म द का र्ग रि ड कू या
 या हा ड कू ल या ल या र य धा न रि न र्ग ल स थ त का ड य स न र्ग स वि अ य मा ल हा र्ग र थ नि र्ग नि मा म या र कू
 स र्ग हा ड र्ग म र्ग ल ड या या सा र्ग ल र्ग हा ग्री र्ग रि र्ग कू ल या ल र्ग उ सा ध र न य नी र्ग या हा ड द कू य नी
 ना हा या हा ड य थि या रा कू व या ड र्ग र्ग उ ल रि या हा ड ध र्म या य मा सा कू इ या अ ना ना य का र न र्ग रि या

श्रीम
१२४

काज मन्त्रलोकमायान, तो कयमकाज ससागस्तितियाकाज, इग २ र्सी नानाज्वतानका माय साधुधर्मी कयन
याग याकाज यापि दुखयती कुदन याकाज यथियाला कताकाज विष्णो कथथा कृष्णानी दन मात सधकादि
नमस्कारधर्क हायत मधर दासकि कुरु थलका (हाय नागमी कुलयाल या मुति मायमदू गिन्नु यात कुरु
नकुसामथदेयुधर्क नानामाथन मुति याकाज सु ययात र्थ त्रथला काजणी दनी दन माक वजका मा
उकायायादु कनुकि त्ररुमकाज ज्वन मना दन मेरि इयकाज मनसजति दर्वमान याकाज थडां ऊं अनी श्री
दनी दन गी भास जने ध्यान इयाज विज्ञात ॥ **॥ धर्मेति** कु (थकाज मामसलताज अनी **धवलस** व्यमयहन क
यमासलतामाज दतासुन लख काकाज विरु अय अतिवायकाज दुवाक यकाज व्यमयहन ध्याया हायतुनव
गारु थनियादीने सकुजति त्ररुअन **धर्मे** मसासुन गजति मना दन गिमनसगीं उन्दुतुलातया कुन गयखड
डा गिमनसजति जो धर्म हायतु कायन भासमान लक्ष्मधर्क कुज कवलस थलिते त्ररुअन मइअ अजिम

हा ५
१२४

नसरा सुमसाकादि दवतायागारा उन्दुतुलातया सुन्दन धालसा कामदवसमान त्रधालसा सूर्य समान हाय
तुनवगोत्र गिमनसरा जति विस्मय रसा समर्क गारुत रुशन र्सी यधु इयाज वाक हायतुनवगोत्र आभा राजतु
ग गजउदुन सुनान कन गदिया अहन दनमधु जिमति निकज मरुवना गधरुल जिमनस अमिर्दरुहना लं
समसुव लंक कदधर्क धयाडा थगमासया आ हाकाज नवनाजन धया लामासुठ सविष्णु रुद सुनान जित
थविद गज गारुत रुन नर्सक रुयकाज मवन विरु अला कलयाल सन दहा धर्म यनया पुम्भन विल लामाना मव
नउ नानमविज कलयाल याप सादन धूकाजिनला हा लामासुठ थनिया दिनस गगमसुत्र नया ग अहा थवलस
गीमनपी हनी रुनयग रुयाज जिगवनदान विल कुवनदान धालसा लाव न्यधया दसया अतिष्णक जित विरुअ अ
रुध्मान रुयाज विष्णु लामासुधन थूका जिमलील दिवा मनीरुल लामासुधमसर्क कलयाल सन याकाधर्मन जित
थुलिन पीरुनिहन नवनदान विल लामासु कलयाल यावनधसकादि २ नमस्कारधर्क मामयाया मिनि धार्सी काकय्या

श्री म

१२५

अ. थडा काला दका ख क का अ यान् धन पूग नव गज या व व न क का अ मन स अति रुष मान या का अ ध म य रु न का य
रायूग नव गज ध द र क न हा र ग आ अ क न न ग या अ न या अू थी ग न धि स ग व भ स हि न को अ ध क या पा न अ वि न म धि
आ अ उ अ म का आ ग व ल म उ ग आ ह ल द्वा ह ल खान आ पा न ग व न आ क न ग व धी ख र न क र व न सि न द हि न स
न स हि न न ग या अ का य न व ग ज या क अ र ध या रायूग नव गज ध द क अ ह न व का या का अ जि न जी ३ सा
स्व न य न म ध र या ध म द का थ क क मा गी स क (थ न क ल जी ल हा य त थ थी क णी ३ स्व स्त न य न म ध र या य त क द अ क
न थ क ः ष र मा वा ख न क ठा या य ध न णी रु त्रि रु त्र त क र यो ज ना व न द णा या अ रि ख क क न त व ल प्र सा द धि अ
ध द र क न हा र ग हा य त आ अ क न धे म णी स्व स्त न य न म ध र या य त य धा न न ग ल स त या अ ति अ **ध व त स** क न म न
न थ य धु र ः अ हा य त न व ग ज आ अ थ क न त त या अ त या स व द्वा का अ ध क धा या अ ल अ क्का अ अ वि ल हा य त क न
क लाने रु य मा ल क क न म नो र थ रु त अ ग ति म नो र थ य धु र य मा ल ध त आ णा धा वि या अ स व द्वा वि ल ध ने ली न

रा द

१२५

व ग ज न रु ल सी मा म न वि या स व न का या अ वि थ न ति का अ स्त न का या अ या पा अ थि त म धि कां या अ व य व ल मू ख स
दि का या अ मन स अ ति आ न न द या का अ मा म या व र द स र क य या अ मा म या क अ न धा या रा मा म आ अ ति णी रु ती
रु त्र या आ क्का थ रा व द्वा द णा अ न व द वि स वि द्वा क न ध क धा या अ ध त य त न व ग ज या रा ख क ठा मा म न धा या हा य त
न व ग ज क अ न त क का य स णी स्व स्त न य न म ध र न ल अ या य मा ल त ति स का टि द व ता न क न त क लान या य मा ल
णी रु त्रि रु त्र न क न क त न मा ल ध क का य य य हा अ मा ल स ला रु त त या अ मि खान रु व र वि रु य का अ धा या हा य त न
व ग ज क न म नो र थ य धु र य मा ल क न रु य र रु य मा ल क न आ स नान वि द्वा या य म रु य मा ल ध क न व ग ज या मा ल स
ला रु त द क या अ ना नो मा थ न आ णि धि द वि या अ **ध न लि** न व ग ज न रु ल सी मा म या आ णि धि द का या अ मन स अ ति आ
न न द या का अ मा म या व र द स र क य या अ व द का या अ रा व न द णा अ न ध क रि क गु व ला स प्र स्त न या का अ ग म न या त
॥ **ध न लि** न व ग ज या क धा रा व न द स (थ न क ल अ न ध ख रु या दि न स रि क दी न रु या अ म की य ती र न स व धु य

स ग

श्री म
१२६

लशानकाउ, किमिह्ररनययकाउ, अहिषक, वियकधक, गगामदयाउ, किंकितातताउतय **धवलस**, नदयउकद,
घ।थनकलउल, किमिनइलस, गगयायवदलमलयाउ, हिउहिलाउ, मालहल, **धवलस**, धदहायाकटकवालाउल
ननतियाउ, अतगममिमाहिकयाहिसा नतियाउ, किमिया, ऊउरलिउ, गगयउ, गगारुयधक, ललयाउ, किमिउ
सपतीक, घाठरुल, **रुन**, अतग, दहा२याकटकयाउ, गगारु, ऊयाकाउ, चित्रविचित्रासतनयहिलयाउ, नल
मालानकावायाउ, किमिया, ऊउरल, गन२ किमिउतअन२ घाठरुल, **रुन**, अयासिन, अकायालातक, थदूयानः
दूया, थदूराजया, थिथिगगारुयल, लयाउ, किमिउ, नायनारुल, थथनकिसीन, लिहूतस्वयाउ, गगयउ, सायाः
उ, मालारुल ॥ **धनलि**, नवगगयाकधनइलस, दूलकुगुलितवाहाउ, किमिइउसायाउ, यान, **धवलस**, श्रीदनि
रुन, किमियाकइवित, विद्याहाउ, नवगगयाकधमालइल, **धवलस**, दूलसवाठ, नवगगया, मिखाउ, किमिया, मिखाउ
वृललाहाउ, किमिनइलस, विपुविठ, अयाउ, दूलसवाठ, नवगगया, सयूहाउ, काकायाउ, सुवधुघलसवाठ, लव

हाद
१२६

उाग

न, नवगगयामालस, अहिषकविल, **रुन**, सोलन, सयूहाउ, थउगलयातसतयाउ, घाठ२ गगारु, रुसायाउ, अन
धवलस, समरुलोक, कटनधल, थकिमिउयवाला, साउ२ अतनयामदूयाकधयात, अहिषकवियाउ, सानमा
लानकोखायकाउ, थउगलयातसतयाउ, घाठ२ अठ, निष्ठयन, थकिमिहायवालाधक, धदहायाकटक, दून
नूननहालाउल, **रुन**, ऊऊनिक, ऊनियनीसनधया, लपगालोक, कसदिसन, थकिमिगहायमवाल, छिस्क
नयनीथका, हायवात, थकिमिननखक, गगयायमख, किमिरुल, दवथका, मनूऊ, लाखानइका, खहायमनाल, कय
ममालक, किमियात, चाहाउ, हाधिका, गकपति, गकधल, ललस, वेसइलस, सुइइलस, अयातयस
दूलनइल, थतनममालक, अम, थहालाउ, रुयमत, श्रीनागायद्या, अममदयक, गगारुयमदू, लमुखपगाला
क, वक्रयातयसादत, अकथका, गगारु, उा, थतनममालक, हालाउ, रुयमत, लमकवाठधक, वधवियाउ, गली ॥ थ

श्री म
१२०

नलिः श्रुतिरुतद्विज्ञाजशः किंति नरुलसं नवरात्राङ्गद थडागल पातसत याज न गद सन कल यन थ
लि किंति याका इविज्ञाजशः श्रुतिरुतथ जंथा सविज्ञातं ॥ थनलि नवरात्राङ्गद किंति याका (दाका स यं जं
रात्र गद रुद सजं न ॥ थनलि उपाध्मा मनी यं व यत्र मानय नि सन थिथि सा दृति याका जं शक्ति कयनी यन का
लका याज रिद गु म्दु रू सा या जं आदि स उद य रू यां थ रुलका द य काडा तर्ल ॥ थनलि ना ना ती थ या लख रं गत्र
ल आदिका य कलका या जं न ग सा म ग्री ताल ला त काडा ध्रु रुत या म ल आदि न रु ज न त या जं सू व धुं या सिं हा
सन रु ज न त या जं थ द हा या रा नि रा व न्न व ति धा या र्क र त्त म ल स न का यो य का जं म धि मा द्वि क थ का ज त या आरु
घन य य का जं रात्रि रात्र वा य या जं स त न ति य का जं थ थ य स त या जं तर्ल र्न थ स २ विज्ञा मान य न का डा तर्ल र्न
था स २ रि ति म धु य द ज ल आदि न रु य या जं तर्ल र्न थ द हा ज द का या ख न वा ज न थ य नि रु डा न वा या ज त या

हा द
१२०

जं

र्न अ व म ग ल पु र्ण क ल स गु क क मा ग्री थ य नि रु डा न त या जं प्रादि त न रु रु या त का डा न व रात्र वा क र्ण रा व
ध्रु व ति रा नि र्वा सिं थो स न स त या जं रु रु सा किं थ हा जं य रु सु य सा किं थ हा जं का यी र्क नो दा न वि या ज थ त ध्रु
न का डा न व रात्र वा क र्ण रा व ध्रु व ति रा नि र्वा नि र्क रु लि सिं थो स न स विज्ञा त का डा न ग रा क र्ण य नि थ उ
स उ य यो व न पु रा या हा जं सू व धुं द किं धा वि यो ज थनलि न व रात्र रात्रा न ग्री रु ति रु त या प्र सा द न रात्रा रु मा जं म न
स रु ति रु र्म मा न या हा जं रु रु २ सा द न वि या का डि २ सू व धुं द न वि या रु रु २ स ल किं सी दा न वि या रु रु सा नि मा हा
थ त ध्रु न का डा न व रात्र वा क र्ण न रु ल स य रं म आ न च न रा व न्न व ति जं रु रा या हा हा म ल स ख न थ र्न ॥ थनलि
म नी व र मा न य नि स न रु ल स न ग सा म ग्री ताल ला त का डा थि थि सा दृ ति स न रु या हा जं न व रात्र म ल रात्रा या
रु ज न न ना य या त हा म ल रात्र आ जं स म र्क सा म ग्री ताल ला त का डा रि द गु म्दु रू द य का डा त य ध्रु ना आ
ज रु ति र्क म धु रु ति रु ति र्क का स विज्ञा रु न ध क धा या जं स त म नी य नी स ल ख रु हा जं न व रात्र न धा या रु

श्रीम
१२८

सू३

२ मन्त्रीयनी कृष्ण आश्रित न अहि रव क काय या त, त्रि मा म व म य श म द य क, ग (थ) अ हि र व क का य म म त्री य नी, :
आश्रित मा म, नि को य क त ल उ आ म म त्री य नी कृष्ण व न्द्र श्रु ति न ग ग या, वा दी त्रि स, हि र व कृष्ण व ल द उ, अ हि र व कृष्ण
त्रि मा म वा च ठा वा कृष्ण आ उ थ (थ) व य ग श न का उ, कृष्ण नि थ (थ) अ उ, त्रि मा म वा कृष्ण कृष्ण, **थनेलि**, त्रि न, अ हि
र व क का य, आ उ कृष्ण व नी थ (थ) कृष्ण, वि ल र या य म त उ, ध र्क, आ कृष्ण वि या उ, अ त ग्रा य आ कृष्ण कृष्ण, त क
ग र्क, सु र य पा ल श न का उ, ग कृष्ण २ क त क न ली त का उ म त्री य नी ग म न या त ॥ **थनेलि**, ग र्क न्द्र द श या य ग्रा ली
कृष्ण पा ल त कृष्ण कृष्ण २ उ कृष्ण, व म य श या कृष्ण न धा या श म द गानि, व म य श, कृष्ण वि श्रु न्द्र कृष्ण ल सा
कृष्ण पा ल या य त, त्रि य नी स, ग र्क न्द्र द श या ग्रा ली, आ उ कृष्ण पा ल, वा कृष्ण या, श म द गानि, अ त वा कृष्ण न
य या य ध र्क, त्रि य नि कृष्ण या ग र्क, अ या ध र्क धा या उ, अ त वा कृष्ण कृष्ण, व म य श न धा या, श य ग्रा ली क, त्रि का ये ग
(थ) न ग्रा श्रु उ, कृष्ण वा कृष्ण ग र्क, त्रि म न स ग्रा, अ ति अ र व वि स य श ली, कृष्ण नी स न, त्रि र य क ध र्क उ या

हा ५
१२८

नी२

ग, निष्ठ य न र व डाला, मि थ्या न धा य म त उ, स र य (थ) धा उ ध र्क, आ कृष्ण द य का उ थ (थ) ध र्क न्द्रा उ वा कृष्ण ल स, म
त्री य नी स न, सु र य पा ल श न का उ, ल र्क ल र व क न क न ली त का उ, व न्द्र श्रु ति न ग ग या, वा दी त्रि स, (थ) न क ल उ या उ
व म य श या, हि र व कृष्ण (थ) न क ल उ या उ, म त्री य नि स न श ल सा, व म य श या, य ग न स र क य या उ, व म य श या
कृष्ण न न्द्र ना य मा कृष्ण, श म द गानि, व म य श, कृष्ण वि श्रु न्द्र कृष्ण ल सा, कृष्ण पा ल या य त, त्रि य नी स द श या ग्रा
श ली, आ उ कृष्ण पा ल या य त न व ग्रा, म द गानि, कृष्ण पा ल थ र्क वि श्रु त क म ल ध र्क, त्रि य नी कृष्ण या उ र ल, आ उ
न नान, अ सु र य पा ल स वि श्रु कृष्ण, ग म न या य वि श्रु न्द्र ध र्क धा या उ, अ त म त्री य नी स र व कृष्ण कृष्ण, म न स अ
ति अ न द या कृष्ण, म न स र व मी न यो कृष्ण ध र्क २, कृष्ण ध र्क, व म य श न श ल सा, सु र य पा ल स द कृष्ण, ग म न या
त ॥ **थनेलि**, व म य श न, सु र य पा ल स द कृष्ण, म न स र व मी न या कृष्ण, ध र्क २, कृष्ण ध र्क, म न न, श्री र त्रि र ग या धा न य
कृष्ण, ग र्क न्द्र द श (थ) न क ल वि श्रु त ॥ **थनेलि**, व म य श (थ) न ध र्क, द श कृष्ण, त ग या उ, न व ग्रा न श ल सा, स ल कि सि अ

श्री म
१२८

रुद्रयुक्ता उना न वाग्ननथा त काउ मामल सल जर्न ॥ थ नलि ग्वमयइ मरा राग या काउ जने गवा द्यथा त काउ
सिद्धे राग या काउ राग गद द्दु विष्णु त कर्ल ॥ थ नलि नवराग रागार्न रावै धवति राक्षि यार्न ग्वमयइ मा द
हो स हा कय या उ आ सु दय का हा मा म द स विष्णु न कल याल स न या का धर्म निष्ठा स्व स्तु नयत्र भक्षत्र या य रा
दत आ द्रि द्रया कयान कुल पाल या आ लि द्वा द न थ था द रा व न द हा या राग राग य ध ना हा मा म ध द २ कुल याल
या ग य म्मा ध द २ रिता ग्व हा मा ना आ उ गित अ रि ख क विष्णु विष्णु द न समस्त साम ग्री त यात्र या काउ त य ध ना ध क
ध या उ थ त यु न व राग या हा खा द काउ मामन धा या हा पु त्र ध द २ कुल ग्व ध द २ रिता क थ था द यु त्र राग हा
ध क धि थि कृष्ण ल वा क दि न धून काउ मनी य नि स क उ हा ग्वमयइ न धा या हा मनी य नी आ उ रि यु त्र न व राग या
व अ रि ख क वि य या त साम ग्री ता रा त कि उ ध क आ सु वि या उ थ त ग्वमयइ या आ सु द काउ मनी य नी स न द ल
सा हा द २ वा क हा प्रा दित आ दि न वान क ल क या उ रि द दिन सात काउ आ स २ वि त्र मान य न काउ धु त्र द्र या म

हा ५
१२८

ल हि द्या स न कि सि स ल आ र द न यु य काउ गु क क मा ति अ कर्म ग्व ल प र्थु क ल स थ त साम ग्री त का त र न
द या उ थ द हा या द थ स म दि मा द्वि क थ का उ त या सि द्या स न त या उ न व राग म हा रा गा रा व न्य वे ति रा नि सि द्या
स न स विष्णु त काउ रि ग्व दी न स ख द्दु म हा सु व ला स ग रू कृ द्वा ल क उ न त या उ हा द २ या क न य नि स न व
उ या रा य हा या न काउ प्रा दित न अ रि ख क या त थ न लि ग्वमयइ न ना ती थ या ल ख न अ रि ख क या त थ न
लि द का र्थ य य त मान य नी स न अ रि ख क या त थ व ल स ना ना वाग्ननथा र्द न ज न ग या ख न दू य काउ म हा रा
ग या काउ इ ल थ द हा या मि र्ग न मि र्ग न दू या २ थ व ल न व काउ ना ना ति सा न ति सा उ सा ल उ न थ न लि अ
रि ख क धून काउ ग रू प र्ण या काउ थ न लि ग्वमयइ स ख का या उ उ या धा या क हा य नी यु रा या काउ थ त धून का
उ ल र्व ल ख सा द न वि या उ थ न लि गु क क मा ति आ उ स उ य रा त न यु रा या काउ हा द २ आ र न न यु य काउ त ल

श्री म

१३६

माला न कोला य काठा सुवर्ण दक्षिणा विद्या उ नानव दार्थ हा न नया त का उ त ल ॥ थ न लि न द र वा क द
या त का टि २ सुवर्ण दक्षिणा विद्या उ लिङ्ग क हा त थ य नि र्म दक्षिणा विद्या उ **र न** ज न ग प दार्थ द य का ठा उ
सो घ प नी हा न न या त का ठा **र न** कि सि स ल व क आ दि न र र व ल व य न द प नी सु वि मा उ स का ष या र्थ **थ न**
लि ग्रा म दाय नी र्म न आ णि र्वा द वि मा उ न व ग र म हा ग्रा या ग य २ इ य न ल ध र्म आ णि र्वा द वि मा उ थ अ र क
उ न ॥ **थ न लि** स म र्म माल का ध न का ठा द णा हा ग्रा या का ठा द णा क र्म द य र्थ क क मा रि र व त स त या उ क उ न
वा न त था न का ठा क र्म **थ न लि** ग व म य र सु ष्या र स त या उ क या **थ न लि** न व ग र म हा ग्रा कि सि या म स ज न्वा लि त
या उ थ र्म र्थ का ठा थ ज लि उ न म नी न या उ वि श्र र्थ **थ न लि** ग र्म न्वा व ति सु ष्या र स त या उ क या थ या लि उ न
य व य र म न य नी स ल कि सि ग या उ लि उ २ उ का थ ग लि प्र का र न म हा ग्रा या का ठा ज न ग वा न त था न का ठा

हा द

१३०

महामंगल जायाया राजवागसविश्रुत ॥ **थानीली** नवराज महाराजानः श्रीहरिहर पूजायानावः श्रीहरियापसा
दतः राजया अधिपति इयागामयशः गार्व न्यवति महाराति सहीतन अर्नगपदार्थ हा न नया ता उ ॥ अ
न ग पु ग ना दि क थ नि ति वि चा न या ना व च गु न दि ग र्म ग्रा षि र्थ का व गो म य श मा म न्हा च्छा हा उ गार्व न्य
व ति स ही त न सु ख हा ग या ना व प न म अ र्न द नः ग्रा ण क ल पा उ का ल ह ना व ची र्म ॥ **थानीली** क र्म
या दि द स न व ग र म हा ग्रा न मा म या क व न ध ल हा मा ता आव सी जि ०० स्व न या क पा र्म ग्रा ज र्म श य धू नः मा या सी जि मि
हा ड रि ड ज ज मा न प ति क्क र्णी जा हा ना व क्ति त च्छ पाल त या व ची नाः हा मा ता आ उ सी जि ०० स्व न या क पा र्म त ड सी प द
ला य धू नः आ उ पृ थ्वी स द र्का र्वा क्क न हा ज न या क सु व र्ण द जी ना वी य ॥ थ गु लि ज न्म स ध र्म या त सा ली थू ज न्म स त ड
ध न कू ल स ज न्म श या उ हा ग म ती श यू उ थ र्म ती मि ति न सु व र्ण अ र्च द न या य जी म न स अ र्ति ०० क्का र ल ध र्म क

॥ श्रीम ॥

धायाऽः ~~ध~~ ~~त~~ ~~थ~~ ~~श~~ ~~प~~ ~~न~~ ~~श~~ ~~न~~ ~~ज~~ ~~श~~ ~~व~~ ~~च~~ ~~न~~ ~~द~~ ~~न~~ ~~त~~ ~~व~~ ~~गो~~ ~~म~~ ~~य~~ ~~श~~ ~~न~~ ~~ध~~ ~~ल~~ ~~ः~~ ~~ह~~ ~~पू~~ ~~न~~ ~~व~~ ~~न~~ ~~ज~~ ~~ध~~ ~~त~~ ~~प~~ ~~र~~ ~~क~~ ~~न~~ ~~क~~ ~~र्म~~ ~~ध~~ ~~र्म~~ ~~या~~ ~~य~~ ~~गु~~ ~~ल~~
समहात्रसशशो नवनाजशमपीपनीवानकलच्छायाऽः ~~अ~~ ~~ह~~ ~~द~~ ~~य~~ ~~का~~ ~~श~~ ~~स~~ ~~ध~~ ~~न~~ ~~या~~ ~~श~~ ~~ध~~ ~~क~~ ~~ध~~ ~~या~~ ~~श~~ ~~ध~~ ~~ग~~ ~~म~~ ~~न~~
याया ~~अ~~ ~~ह~~ ~~न~~ ~~न~~ ~~व~~ ~~न~~ ~~व~~ ~~न~~ ~~ज~~ ~~न~~ ~~म~~ ~~पी~~ ~~प~~ ~~नी~~ ~~वा~~ ~~न~~ ~~क~~ ~~ल~~ ~~च्छा~~ ~~या~~ ~~व~~ ~~अ~~ ~~ह~~ ~~द~~ ~~य~~ ~~क~~ ~~ल~~ ~~ः~~ ~~ह~~ ~~म~~ ~~पी~~ ~~प~~ ~~नी~~ ~~जी~~ ~~न~~ ~~क~~ ~~गु~~ ~~ध~~ ~~ह~~ ~~य~~ ~~न~~ ~~श~~ ~~कू~~
धलसाजीनाजशयायावा ~~क~~ ~~न~~ ~~प~~ ~~नी~~ ~~ह~~ ~~ज~~ ~~न~~ ~~या~~ ~~त~~ ~~क~~ ~~ः~~ ~~सु~~ ~~व~~ ~~र्त~~ ~~द~~ ~~जी~~ ~~न~~ ~~वि~~ ~~य~~ ~~ध~~ ~~न~~ ~~क~~ ~~प~~ ~~नी~~ ~~वा~~ ~~न~~ ~~क~~ ~~ल~~ ~~ह~~ ~~या~~ ~~अ~~ ~~व~~ ~~पी~~ ~~थी~~
बीसदकीवा ~~क~~ ~~न~~ ~~प~~ ~~नी~~ ~~न~~ ~~व~~ ~~र~~ ~~ज~~ ~~र~~ ~~जा~~ ~~या~~ ~~सु~~ ~~व~~ ~~र्त~~ ~~द~~ ~~ज~~ ~~न~~ ~~ध~~ ~~क~~ ~~क~~ ~~न~~ ~~व~~ ~~नी~~ ~~म~~ ~~नु~~ ~~न~~ ~~या~~ ~~त~~ ~~क~~ ~~ल~~ ~~च्छा~~ ~~व~~ ~~ह~~ ~~न~~ ~~म~~ ~~ल~~ ~~का~~ ~~स~~ ~~म~~ ~~ा~~
गीताललातकीव ~~ह~~ ~~म~~ ~~नु~~ ~~थ~~ ~~न~~ ~~ः~~ ~~क~~ ~~न~~ ~~सु~~ ~~क~~ ~~र्पा~~ ~~च्छा~~ ~~य~~ ~~म~~ ~~ल~~ ~~ध~~ ~~क~~ ~~अ~~ ~~ह~~ ~~न~~ ~~वी~~ ~~या~~ ~~व~~ ~~ध~~ ~~न~~ ~~व~~ ~~न~~ ~~ज~~ ~~या~~ ~~अ~~ ~~ह~~ ~~सि~~ ~~न~~ ~~सु~~
नयाऽः ~~न~~ ~~त्का~~ ~~न~~ ~~न~~ ~~स~~ ~~म~~ ~~ा~~ ~~गी~~ ~~ता~~ ~~ल~~ ~~ला~~ ~~त~~ ~~का~~ ~~व~~ ~~वा~~ ~~क~~ ~~न~~ ~~प~~ ~~नि~~ ~~ध~~ ~~स~~ ~~र~~ ~~प~~ ~~नी~~ ~~नी~~ ~~म~~ ~~नु~~ ~~न~~ ~~या~~ ~~त~~ ~~क~~ ~~ली~~ ~~च्छा~~ ~~न~~ ~~ः~~ ~~ध~~ ~~न~~ ~~ली~~ ~~गो~~

॥ १६ ॥

॥ १३९ ॥

मयननवनाजाया ~~क~~ ~~न~~ ~~ध~~ ~~ल~~ ~~ः~~ ~~ह~~ ~~पू~~ ~~न~~ ~~व~~ ~~न~~ ~~ज~~ ~~अ~~ ~~व~~ ~~च~~ ~~नु~~ ~~जा~~ ~~ति~~ ~~न~~ ~~ग~~ ~~न~~ ~~या~~ ~~ज~~ ~~ज~~ ~~म~~ ~~न~~ ~~प~~ ~~नि~~ ~~या~~ ~~स~~ ~~प~~ ~~नि~~ ~~द~~ ~~कां~~ ~~ध~~ ~~द~~ ~~स~~ ~~स~~ ~~श~~
नवानकलच्छा ~~अ~~ ~~ह~~ ~~न~~ ~~क~~ ~~न~~ ~~क~~ ~~ला~~ ~~त~~ ~~व~~ ~~द~~ ~~वा~~ ~~व~~ ~~नी~~ ~~ता~~ ~~का~~ ~~न~~ ~~द~~ ~~न~~ ~~ध~~ ~~श~~ ~~च्छा~~ ~~ता~~ ~~व~~ ~~चा~~ ~~न~~ ~~ध~~ ~~न~~ ~~वा~~ ~~न~~ ~~क~~ ~~ल~~ ~~च्छा~~ ~~या~~ ~~व~~
~~अ~~ ~~ह~~ ~~द~~ ~~य~~ ~~क~~ ~~ली~~ ~~ह~~ ~~दू~~ ~~ल~~ ~~पा~~ ~~प~~ ~~नी~~ ~~च्छ~~ ~~प~~ ~~नी~~ ~~ध~~ ~~र्ष~~ ~~वा~~ ~~ना~~ ~~श~~ ~~व~~ ~~नू~~ ~~ना~~ ~~पू~~ ~~न~~ ~~द~~ ~~स~~ ~~या~~ ~~अ~~ ~~नी~~ ~~स्व~~ ~~ामी~~ ~~ध~~ ~~या~~ ~~क~~ ~~या~~ ~~का~~ ~~य~~ ~~च~~
~~द~~ ~~वा~~ ~~व~~ ~~नी~~ ~~या~~ ~~त~~ ~~दू~~ ~~ली~~ ~~स~~ ~~ध~~ ~~ध~~ ~~ध~~ ~~न~~ ~~व~~ ~~न~~ ~~त्का~~ ~~न~~ ~~ध~~ ~~ध~~ ~~न~~ ~~क~~ ~~ल~~ ~~ह~~ ~~य~~ ~~म~~ ~~ल~~ ~~ह~~ ~~न~~ ~~जी~~ ~~क~~ ~~ला~~ ~~त~~ ~~या~~ ~~म~~ ~~म~~ ~~वो~~ ~~व~~ ~~ध~~ ~~न~~ ~~य~~ ~~दू~~ ~~या~~ ~~दी~~
नसवी ~~ध~~ ~~या~~ ~~म~~ ~~ल~~ ~~ध~~ ~~क~~ ~~ध~~ ~~या~~ ~~श~~ ~~ह~~ ~~न~~ ~~जी~~ ~~न~~ ~~व~~ ~~ध~~ ~~द~~ ~~स~~ ~~या~~ ~~न~~ ~~ज~~ ~~श~~ ~~ल~~ ~~ध~~ ~~की~~ ~~क~~ ~~ना~~ ~~श~~ ~~दू~~ ~~ल~~ ~~पा~~ ~~न~~ ~~च्छ~~ ~~पी~~ ~~वि~~ ~~ली~~ ~~ह~~ ~~या~~ ~~ना~~ ~~वा~~ ~~न~~ ~~म~~ ~~न~~ ~~न~~
नंदुनीधक ~~अ~~ ~~ह~~ ~~न~~ ~~न~~ ~~ना~~ ~~श~~ ~~न~~ ~~ज~~ ~~या~~ ~~च~~ ~~न~~ ~~स~~ ~~श~~ ~~क~~ ~~पू~~ ~~या~~ ~~व~~ ~~व~~ ~~ला~~ ~~क~~ ~~या~~ ~~व~~ ~~व~~ ~~नू~~ ~~ना~~ ~~पू~~ ~~न~~ ~~ग~~ ~~न~~ ~~स~~ ~~श~~ ~~न~~ ~~ः~~ ~~ध~~ ~~न~~ ~~ली~~
वदुजातिनगनसुवा ~~क~~ ~~न~~ ~~द~~ ~~की~~ ~~वा~~ ~~न~~ ~~क~~ ~~ल~~ ~~हो~~ ~~न~~ ~~ः~~ ~~ध~~ ~~न~~ ~~ली~~ ~~दू~~ ~~ल~~ ~~पा~~ ~~त~~ ~~व~~ ~~नू~~ ~~ना~~ ~~पू~~ ~~न~~ ~~ग~~ ~~न~~ ~~स~~ ~~ध~~ ~~न~~ ~~का~~ ~~व~~ ~~अ~~ ~~नि~~ ~~स्व~~

॥ श्री म ॥

मीतामवाकृतयाकृतनाडावने ॥ वल्लुचव्यावतिनमालनकीसुयावचानखनाबहुल्यातस्यतधा
लेहाचव्यावतीमाशकाहावीकाहुनधर्कधयावधर्कधूल्यातयावचननतावकाहायावजलमा
लवाहकपनीचूनीमिति नवयासूतानकायावहलसमस्तधवधर्कधयावधर्कचव्यावतिया
हाघाननाडादूल्यातस्यनचव्यावतीयाचननसहाकपूयाडावीमति यातहामहागतीचव्यावती
माशः आवविलीहयायसतनतानपुल्यातयास्यविक्राहुनधर्कधयावधर्कधूल्यातयावच
नननाडासनसज्जतिहर्षमानयानावचव्यावतिनधर्क ॥ हादूल्यापनीधत्यश्चपनीधत्यश्चिपूतूयधत्य

॥ हा ६ ॥

॥ १३२ ॥

जीहासहादूल्यापतिआवचपनीपानूकडालमहतिदीवधर्कधतवानाडायनाडावजीनकलीधर्कधूतका
वमासववायाकृतवनेधर्कहामातापीताक्रीस्वामिनवराजनावन्धदस्यनाजाशुलधर्कः आडाजिवानकल
हलदूल्यातकायावदुलिवीयावहलकलयालपनीयकूवीकायमालधर्कहानावहलआडाजीअनतल ॥ ध
लाविहुनधर्कधयाडा ॥ धर्ककावचव्यावतियाहाघाननावतहाहर्षमानयानावधर्क ॥ धत्यश्चिजीलयाभारध
धत्यश्चिपूतीयाहाधधत्यश्चिपनीसयाभारधः किजीलराजानुलयाडाजिकावमानीहलधनीतिमीजिका
चरुमकयागुः हाहलहल आवविलीहयायमासालनतानहुनीधर्कधयावधर्कनगतीहा

॥ श्री म ॥

सतततिथिकाव वलाविया वलावतामवीवया चरनसहा कपूयाडा इलि सवाताव डार्त ॥ लसडा वं वजह पूरुसीर
तातास्वान उहा लस्वानः पलेस्वान हायाव चीनयता व थस २ मुग आदिन सितल थन ह स्ती पूरुषस
हितन चीन हर्त एज हर्त जाल २ लन चीनयता व अति हाता यमान वन स्वया व तातासा थन वहाता
व चन्द्रावतिया मनस अति हर्षमाणा याता व डार्त **धनीली** दगुली थन हहित २ सुगीध धूप दीप स्नान या वास
दयाव चीन खनाव दूल्यान स्थलः चन्द्रावति दुलिका पस्तुथकाव ॥ थथस कूद धंधक उधं थू र्वि त्वल
अन धकी वनी थथयस अपसनापती स्थन **थी ३ स्वस्वानी परमस्वया** धर्म दना व चीताडा चीनयताज

॥ हा द ॥

॥ १३३ ॥

इत्या गो सनधाया हा माहयनी गियनी सनी दन तडा लाधकी धायाडा थ त हाखा दहाडा ज्यु गाप नि सनधाया हा म हायू
व कूय नि सन कूयसा तडा खधकी धायाडा थ त ज्यु गालोक या वयन दहाडा मनस जति हर्ष मान या डाडा इत्या गो स
डाप नि सकी साम ठिका याडा ज्यु गालोक यात जाला का याडा रुया दाम वि याडा ज्यु गालोक ड नार्थ म हा ज्ञान द
न धर्म दहाडा वीर्न ॥ धन लि धर्म दन धू न काडा ज्यु गाप नि सनधाया हा म हायू थ गियनी स ख द ह (म क म
न कूर्ध थ गुलि शी स्वस्व नयत्र भषत्र या धर्म व्रत व्व कर्न धर्म दनीडा व्व कर्न ज्ञात किडा व्व कर्न ज्ञात ड व्व
कर्न दनीडा व्व कर्न कू सख नू हा दू दय काडा त ड डा थ यनी स समर्क दू ख सनो य द रि दू ना सहा याडा समर्क
याय दू हाडा दिव द ह हायाडा दू र लोक स म हा स रे सि याडा जेन काले से स्वर्ग वा स र ड डा हा म हायू थ थ गु
लि शी ३ स्वस्व नयत्र भषत्र या रुय धा नही नक नू गल सत याडा तिडा थ वल स पुनेत्र न म म्हाल काडा भा दू ला
अधकी हा म हायू थ थ द २ कूयनी सहा कू कूयनी स नहा स जति म हा र क न थ गुलि धर्म दन ज्यु डा कूयनी गन

श्री म

१३४

ठानतं तां अठुलिथासहनि धर्मसास्त्रान् कृपायनिर्लभ्यधर्कध्यायात् धर्मज्यागालकया ज्ञाहृदकात् ससास्त्र
 नकायात् दुल्यातासनध्यायात् मोहपनी धर्मद्विस्तरयनी द्विस्तरयनी धर्मयनी सनधर्मादधर्माधर्मा
 २ क्रियनी लोकाधर्कध्यायात् ज्यसास्त्राकया तृतिस्तरयनी धर्मकायात् ससास्त्रानकायात् मनसज्जतिहर्ष
 मानयाहात् वन्द्यवतिथासं (थनकलउत्तं ज्यसायनिस्तरयनी ॥ ॥ धर्मलिदुल्यातासनहर्षसाससास्त्र
 नकाहात् वन्द्यवतिथा कृता नकाया लोमरुतानि ज्यसन्नमतता क्रियनी सविनतिहर्षविज्ञादुने कृधा लसा कृ
 कृथास गनयामययनी क्रियनी सनमसिया धर्मक्रियनी सनहर्ष सास्त्रनयनमधर्मधर्मदहातायाने ध
 थायस क्रियनी सनमालताहा धर्मवलस क्रियनी सनध्याया लोमाहयनी क्रियनिस्तरयनततालाधर्कध्याया धर्मवल
 स तताहर्षधर्कध्यायात् क्रियनिस्तरयन धर्मदहातायाहा रतिविलहर्षलो ज्यन्नहर्षविज्ञायमतता ज्यअधर्मा ३
 स्वस्त्रनयनमधर्मध्याया ससास्त्रान् कृत्यालयातं हमा का सविज्ञादुने धर्कध्यायात् धर्मदुल्यातासराहृदकात् ज्यसक

ला द

१३४

क्रोधयाहात् मिथ्याया उककाहात् आकट्टटनकृयात् नागननिस्त्रासतयार्थं वलमलस जासूकालतयाहा मर्क
 किसितमयां तां क्रोधयाहात् ततागवदन भव्यगर्भयार्थं गर्भमानयाहात् ध्याया लोपापिष्टदुल्यायति क्रि
 थर्थिदवनानागसन्नकाता उहताथाहा दुसनदायकात् कृपनिधर्मदहातायान ज्यभाधर्मनमदुला क्रियदुला
 क्रिनहर्षसा नकाहृया ज्यभास्वस्त्रनयनमधर्मध्यायात् गनयादव ज्यभादवन कृविज्ञा दुयाहृता कृपायदुधि
 कात्रकृपनी क्रियनानागसन्न दुसनदायकात् कृपनी स धर्मदहाधर्कध्यान थथोदला सवकायाधर्म सवकायाध
 मर्हर्ष सास्त्रिनध्याया थयाय थथकासवकायाधर्म ज्यअधर्मान कृपनिस्त्र कृपसादवियातादल क्रिनहर्षसा
 सास्त्रियायं हृया पुसादविर्यहृया धिक्कात्रकृपनि कृपाय क्रिहर्षसा वनानागसन्न लोता वनसमलातसा तकात्र
 ने कृपनी स पादकायधर्क हर्ष क्रिहर्ष नवरात्रमहाभागाया थसं (थनकरुतास हायापिष्टदुल्यायति क्रि
 लता गगाहर्षधर्क मसियाला थथला कृपनी सकार्य हायापिष्ट ज्यभास्वस्त्रनयनमधर्मध्यायात् कृपनी स व

श्रीम

१३५

रुत दवताथुका क्रियतिभनज्ञां न मननका धिक्का गृह्यनी सज्जन्म मदायातकि धाय द्रुयतिथुका गिरुलननाने
(थन के दतासे द्रुयनिसथधिद थंदादल मदां ज्यप्राधिधाय द्रुयनीथुका धकंधायाउ ससाखान केनातिकयाव
काउ कृति २ थयाउ दूर २ याउउ हाकातिहाउ अतं दनंधाया हा द्रुग ४५ त्रि द्रुयायनी ज्ञाउ खर्दू ननाननू मा धका
धायउ थत वन्दा वंतिमा छिउ हाखा दहाउ द्रुया ताहलसा ग्याहाउ ननमडा स्या द्रुलिकु वयांउ वगनउन
॥ धनलि गावंध दहाया समियस साली नधाया खसिदु गुलिदंउ धसालिनधाया खसि (थेहाउ) खसि छिहाउअन
धवलस ०० ४५ त्रयातनिद्यायाहापापन यतक हाउ थाद सूर्य तन्का प्रर्ष ०० लानसूलयाउ नंहायाउ पुर्वसात
याउ मूसलधा गायमानन आ गहाउ मदा जर्धकाल रुयाउ विप्रतिन वायुवरुतयाउ मदायापिनि वन्दाव
वि द्रुली हाकेहायाउ धसालीनखसिया दथुसलातक कातिनउन द्रुया तां वसेयन धगुलिपुकारन आ गहाउ
मदा जर्धकाल रुयाउ मदासा सिनेल ॥ धनलि द्रुया तां रुको श्री खरुनयत्रभेष्टया धम्म दहायापुष्पन चिहाय

हा द

१३५

उरुका वृस्यहाउ द्रु तादमहाउ द्रुया ताहका खसिनथहाउयाउ थउ २ द्रुअन धमदायापिनि रुका खसि र्मयः
दलयाउअन धमदायापिनि यदलयाउ थाहाया निमिहिन धसालीनधाया खसि मक्का सयान थथखसिमक्काक
खहाउ माजिहा दका म्हाउ ज्रुतिज्ज ४५ थयायाउअन दन माजिहादका म्हाउ थिथि समधा लयाहाउ नवग
रुमहाग्रायाके (थन के धकाअन ॥ धनलि माजिहा सन गागहा रुहाउ धाया हा मदागात्र ज्रुत ज्ज ४५ थिथि
ता ०० नाययाय दसविष् दून द्रुधा लसा मिद्रिम सालीनधाया खसि मक्का क ज्रुतिज्ज ४५ थिथि पुर्वेलिया रुथ र्म
त्रनशरु लिमदु द्वा मदु दम्य भनहा द्रु निमिहिन थथरुल गा थहायाउ मक्का त्रियनी ज्रुतिको तुक वाय
उ थत वाका ०० नाययाय धकाउया धकाधायउ थत माजिहाकया हाखा दहाउ नवगात्रमहागात्रा ज्रुति विस्मयव
याउअन धनलि नवगात्रनशलसा मकीयनिस द्रुअनधाया हा मकीयनि थनियादिनस ज्रुतिज्ज ४५ थिथि
धा लसा थ माजिहासन क हाउल मिद्रिम सालिनधाया खसि पुर्वेलिया रुथ मक्का सदा रुधका ल थज्रुतिज्ज ४५ थिथि

म
१३६

कुनिमिलिनमकातहालजनेनुधाधर्कज्जुदयकाजदकाभनूपनिभूतकाजहि८२५
यधर्कविद्विज्ञात॥**धनलि**खुसियाथास(यहाउ समस्तकाकर्तखसिभकाकयहाउजुतिविस्तयवायाउधर्क
धनलिनवरात्रमहाग्रागानध्याहोमामिहाकधखुसिसद्वयकुदतखसद्विज्यात्रवकुमदतसाधखुसिधीननदाया
जमखधतनकुयनीभनआलाउसधर्कज्जुदयकाजधतग्रागयाज्जुदकाजमाजिताभनरुलेसाखुसिसका
हाउकाउआलाउसतगुलिङ्किर्नकुनाभनआलागुलिङ्किर्नग्राततिहाउआलागुलिङ्किर्नलाहातगुतीनआ
लाधगुलियुकात्रनआलाउसात**धवलस**महापायिनिग्रातसधधुयाउयानकुनकाउग्रातसधाहाउजल
धनलिधमाजिताभनअधधर्कमसियाउखुसियाधिसहाकतिहाउकर्तसुनानधपायिनिअधधर्कमसियासा
हाउधधर्कज्जुवेतनाशयाउयानकुहाउधतनामदयकाउखुसियासिसगालेगुलाउयान**धनलि**माजिताभनकु
तामदधर्कग्रागयाथासज्जुदकाजद्विज्यात्रवकुमदतसाधखुसिधिसलकेर्नधतमाजिताभनयलिसलकेहाउनवरात्रमहा

हा
१३६

ग्रागानरुलेसा नवरात्रतयाउपाधालसादूतयाउज्जुदकाज्जुदकाभनूपनिभूतकाजहि८२५
दविजिनज्जु(थथधधर्कमसियाकुनिमिलिनकुलयालथीत्रनविज्ञाहाकुलयालभनकिउकयायाहा
उविज्ञायमालधर्कज्जुदयकाजज्जुदयविलधतग्रागानज्जुदयवियकुर्नसालीनधयाखुसिमहावगन
काहाउअर्न॥**धनलि**नवरात्रमहाग्रागानरुलेसाखुसिभकाकसायाउमनसज्जुतिदृषमानयाउसमस्त
लोकेर्नलीतकाउधतग्रागलिद्विज्ञात॥**धनलि**महापायिनीखुसियाधिकधाहाउमहाककनयाउया
न**धन**धमहापायिनियाउलाहातधथाशयाउयान**धन**सत्रिस्त्रयाउअतुलालयधनमसियाउज्जुवेत
नशयाउयान**धन**खविर्नधतनादययर्नधगुलियुकात्रनमहादुखककनयाउयानलाहाउग्राहातध
थाशयकाउमासककनधियाउमहाज्जुदयत्रनकहागयाहाउखुसियाधिकसहाहाउखियाउयान**धन**
पियाहाउज्जुननेयमदयाउखुसियाधिकसधाहाउवाकूतुधुयाउनयतर्नधर्वाहाहाशयाउयानधहाम

श्रीम

१३०

अ. अतिविनायका उवाच न **दुर्न** शीतया वथाशया उ. यथा सदलपमद्रुया उ. न का उ. अतिविनायक न
साला उवाच न **दुर्न** खविनं विद्याकश्ययनं **दुर्न** खविनं यतना मयका उवाच न **दुर्न** खविनं शीतलं नश्यः
का उ. साक क २ धर्कं साला उवाच न धुलिपुकारन श्री स्वस्त्य नयत्र भक्षययात् निद्राया कानि मिहिन मराज्य
त्र नत्रकलागया उवाच मराक कृतया उवाच न **धनलि** नवरात्र मरागाया आहूत न पथिसदको ब्राह्मणं गवधद
शां विज्ञानं **धनलि** नवरात्र नश्यत् ब्राह्मणं यनि विज्ञा कखचा उ. काटि २ टं कासू वधुचित दया उ. समस्त सामः
श्रियप्रियुषा उवाच तलं **दुर्न** रकलो नयतं जून गवर्थ दयका उ. आस २ मकी यनिरु. लागा विंया उ. आस २
हं द्या त्रि तां तया उ. तयात्र या उवाच तलं **धनलि** पथिसदको ब्राह्मणं (थनकल विज्ञातं **धनलि** धमसा यापि नि. वा क
थासन कपी लध्याया ब्राह्मण निष्ठा गवधद दशाहा. लागा न धर्कं धुलिपुकारन उवाच **धवलस** सालिन ध्याया खुसिया
धीस. थयापि निशा उवाच न ध्यायस कपिल ध्याया ब्राह्मण (थनकल उवाच **धवलस** ध्यापिनी न ध्या ब्राह्मण प

दा ४

श्रीम

१३०

नीखका उ. रता सनं अपदका उ. थपनी सथा सडा उवाच ध्याया. ला ब्राह्मण कृतयालयनी गन विज्ञायतं धर्क ध्याया उ. थ
तयापिनी मा ला उवाच उ. कपिल ध्याया ब्राह्मण पनी सन ध्याया. लायापिनी कठ. श्रियनी शलसा. लागा न तं धर्क ध्याया उ.
धत ब्राह्मण या ला उवाच उ. यापिनी न ध्याया. लागा यनी. लागा विज्ञायता शलसा. श्रितं रति रोता कृत्स्नं. लागा उ. रसविः
आयमात्. श्रितं पया उवाच दता. द्या न लाक. थत न श्रियापिनी खका उ. कया दयमात्. लागा ब्राह्मण थत न श्रित. आशा तया
उवाच न. थत श्रिक धर्म या उ. थत कृतयालयनी दुःखविय. थत श्रिवि नति क नमाल. लागा ब्राह्मण थत श्रियापिनी या. विनती
दहा उवाच दयातं श्रियायमात् धर्क ध्याया उ. थत यापिनी या. लागा उवाच कपी ल ध्याया ब्राह्मण पनी सन ध्याया. लायाः
पिनी कठ. थखे श्रियनी सन ध्याय मळला. श्रियनी स. लक्ष्म मळला. श्रियनी सन ग (थध्याय. स्याक कला न. सुनानं वि
उ. श्रिया मळ. तार्या मळ. लाया ब्राह्मण ग. थथि मिथि उवाच. लायापिनी थत न आशा तया उवाच न मतं श्रियनी स.
न ध्याय मळला. धर्क ध्याया उ. निष्ठा ब्राह्मण गवधद दशाहा. नवरात्र मरागाया क. लागा विज्ञातं **धनलि** नवरात्र न. प

श्रीम

१४०

भायापिनीमिसायाग. ध्यानिमिहिन. गगयाहजगसुखासुखयशयाडाअन. हाकधीनवाकत. आउथअनमहाप्रिय
 रुह धर्कधयाअधर. दानियाववनरुडाडा. वाकननिर्कलकवायाग. गाडीनाडाअन. धनलि. वाकननिर्कलकवायाग.
 अनरुह. समसुवसु. नेआदितया. धर्कधयाअधर. हाकधीनवाकत. आउथअनमहाप्रिय
 डा. कायायालन. लिहाअन. **धवलस**. पापिनीन. धवाकधयनीलन. धनपापिनीन. धवाकधयनीलन. धनपापिनीन. धवाकधयनीलन.
 वायलमनसविष्णुकला. शिर्क. यन. अन्नाडाडा. विष्णुकला. शिर्क. यन. अन्नाडाडा. विष्णुकला. शिर्क. यन. अन्नाडाडा.
 रुडाडा. कपीलेवाकधयनीलन. अन्नाडाडा. विष्णुकला. शिर्क. यन. अन्नाडाडा. विष्णुकला. शिर्क. यन. अन्नाडाडा.
 वाकधका. नममाल. कनधर्कधयानिमिहिन. गगयाहजगसुखासुखयशयाडाअन. हाकधीनवाकत. आउथअनमहाप्रिय
 यालडाडा. धन. गगयाहजगसुखासुखयशयाडाअन. हाकधीनवाकत. आउथअनमहाप्रिय
 याडा. अन्नाडाडा. विष्णुकला. शिर्क. यन. अन्नाडाडा. विष्णुकला. शिर्क. यन. अन्नाडाडा.

दा ५
१४०

डा. मर्क. कनधर्कधयानिमिहिन. गगयाहजगसुखासुखयशयाडाअन. हाकधीनवाकत. आउथअनमहाप्रिय
 मथपापिनीरुमाडा. यन. अन्नाडाडा. विष्णुकला. शिर्क. यन. अन्नाडाडा. विष्णुकला. शिर्क. यन. अन्नाडाडा.
 हापापिनी. कृष्णडाडा. शिर्क. यन. अन्नाडाडा. विष्णुकला. शिर्क. यन. अन्नाडाडा. विष्णुकला. शिर्क. यन. अन्नाडाडा.
 निगाका. ग. ३. स्व. कनधर्कधयानिमिहिन. गगयाहजगसुखासुखयशयाडाअन. हाकधीनवाकत. आउथअनमहाप्रिय
 यातडा. य. रमा. ला. पा. य. व. क. रु. था. आ. दि. ला. त. र्सा. ना. स. रु. मा. डा. डा. नी. डा. हा. पा. पि. नी. ध. त. न. श्री. ३. स्व. कनधर्कधयानिमिहिन.
 र. म. ध. र. या. ध. म. य. त. द. द. **धवलस**. कन. उ. द. वा. र. रु. यी. डा. ध. र्क. उ. य. द. ध. वि. मा. डा. वा. क. ध. नि. र्क. ध. डा. द. डा. नी.
 ॥ **धनीलि**. धपापिनीन. कपीलेवाकधयनीलन. अन्नाडाडा. विष्णुकला. शिर्क. यन. अन्नाडाडा. विष्णुकला. शिर्क. यन. अन्नाडाडा.
 धया. र्क. सि. र्क. ला. डा. अन. **धवलस**. ध. र्क. सि. र्क. ला. डा. अन. **धवलस**. ध. र्क. सि. र्क. ला. डा. अन. **धवलस**. ध. र्क. सि. र्क. ला. डा. अन.
 द. र्क. डा. डा. द. र्क. डा. डा. अ. ति. वि. रा. य. न. र्क. या. डा. शि. व. र. ध. र्क. ना. म. का. या. डा. जा. र्क. को. ल. रु. को. त. या. डा. र्क. सि. न. ध. र्क.

श्रीम

१४२

पसरायनी संध्या रायापिनी ६६ कृ न ज्वर स्वयं अ, त्रिपनी ज्ति क रक्षा वा यधूना, त्रिपनी शर्त, स्वर्ग लोक
या, ज्वर सारायनी भूका रायापिनी, कृ उधारायाय, न क विरु या द्वाडा ६६, त्रिपनि सन क न, रायापिनी श्री ३ स्व
स्व नयत्र भवराया, धर्म वृत्त दहा **धवलस**, कृ न उधारा रा हूडा, सदा काल ज्वर मथ पापिनी रायाडा वानला धर्क धा
याडा, धत ज्वर सारा लोक या रा खा ६६ डा, धयापिनी न हलसा, मन न रा लया, सा रा ग (थ) त्रि न म सिल, डावलस
त्रि न, द्रव्या गा सन सडा, धर्म वृत्त या, स्वा न कृ ति रथ याडा, द्रु काल न वियाडा, सा का ति न कृ या, आडा थथी ६, ज्वर स्व
नयमा ल, धगु लि र न स, धु लि त क, ज्वर रा ध या द्वा द डा, ध न कृ थ र न स त्रि न, कृ कृ या य या क ख, ध त्रि न म सिया त्रि
ज्वर का ली रा याडा, श्री ३ स्व स्व नयत्र भवराया त, निद्रा या द्वा, ध या द्रु ल त्रि न याडा, न या य धूना **रुर्न**, ध या पिनी नम

सा ६

१४२

न न रा ल या, आरा डावलस, कयी ल धा या द्वा कृ दानि क र्से न, त्रि कृ डा (दा), आ कृ द य का डा ता थू डा य नी स र्ने श्री स्व
स्व नयत्र भवराया, धर्म वृत्त दहा धर्क दहा ता थू, ज्वडा ध ज्वर सारा लोक न, ध यत्र भवराया, धर्म दहा धर्क, त्रि त उय
दहा विल, ध स रा ल स, श्री ३ सा स्व नयत्र भवराया दिक न, भव म द्ध स थाल या, ज्वर या द्वा डा न, त्रि थ थी ६ ज्वर स्व
डा, आडा त्रि न, ध कृ यत्र भवराया, स म धा या य, ध स थाल या, धर्म वृत्त, त्रि न द ने धर्क मन न रा ल या डा, ज्वर रा
लोक या द्वा डा ने धा या रा ज्वर सारा लोक, त्रि या पिनी या, वि न ति ६ स वि आ द्रु न, श्री स्व स्व नयत्र भवराया, धर्म वृ
त रा न या त, ग (थ) र मा ल, स म र्क द र्क नि, आ कृ द र्से वि आ द्रु न धर्क धा याडा, ध त पापिनी या रा खा ६६ डा, ज्वर सारा
क न धा या रा या पिनी ६६, ध नि नि र्म नि र्म, ध ख सि स मा ल द्रु याडा, वा द्वा रा डा वल स, श्री म द्वा द द य रा या द्वा, क्री

ग्राम

१५३

नकुपुः श्री स्वस्त्य नयत्र भवत्रया वा खला उः श्री मरुत वया सात्रया ० अदिः कदा वा खन कायमद्रुतसाः
हिव रधर्क नामखर्नकाडा लकि ताथ (थ या डा) थोषधु कया यधु मासिख्द्रु निर्यः मायधु कया यधु मासिख्द्रु
द्रुत वा खन कायः दृडा डा दतसा दृडा डा यनिकन मदतसा दृवमुद्रु डा क्षदत डा गुलिकन धनलि समा
फया यख्द्रुः श्री स्वस्त्य नयत्र वक्रया धर्मदने जातकि १०७ पाया अथात मधिदयके श्री खधु त्रकवन्दन
सिद्धः पुष्यः गुरुमका अद्रुत दाद्रुलल्लान गंगागल ग्वय ग्मल ध्रुयदिय ने वद्य यक्रान द्रुल द्रुल दक्रिध
वमु अदि थमद्रुया (थ ताललातका डा) नक्रविरुन मरुसु विहया डा नक्रविरुया डा श्री ध्वत्रया कमन
तया डा थनिनी सक्तन धधर्मवृन शा दधर्क रापायिनी ताक दया यमाल मखु लकि ताथ का क्रियनी सन थ

राध

१५३

६३

नि निर्यः धधर्मवृत शान यात धुदिस स्त्रान यात डा या रापायिनी अडा क्रियनी सन धाया (थ या डा) धवलसः
कनदिय शरीर हया डा डा दकोपायन ता लता डा डा नी डा थथि दक्रयत्र भवत्रया अत्राधना या डा धर्क
धत उय धा वि या डा अय्म गाला कन धसाली नखु सिस स्त्रान या डा डा शा ग्नेला कथ राडा न ॥ ॥ धनलि ध
क्रुद्रु निर्यः अय्म गाला कया ववनथ निर्यः खसिस की न साया लभा लक्रु या डा मध्या नवलसः श्री मरुदवय
ग्राया डा डा श्री स्वस्त्य नयत्र भवत्रया गयध्यान या डा डा निर्यः २ थ (थ तु या डा डा) धवलसः धपायिनी या
यखु दया डा मरुयुधु शत्रि र हया डा डा लल्लन धपायिनी थिल दन धया शरीर वृलिग्रा या डा ल क्राया या
सिन दगन कि सुन्दरि हया डा डा ल दकोपायन धताल ता डा डा न धनलि धपायी नितशुलसा थडा शरीरदि

श्री ५

१४५

व्यहारी त्रयया उडाडा सायाडा, मनसु अति सुख मानया डाडा, की नकु पूवाय न झाडा, लडि या थुगु लियः
कारन काल सुनः ॥ **धनलि**, लडि दयाडा, मायशु कया, पुष्टु मासिकु क, स्वर्गे नः अया गालाक, धया मरु, डाडा
याडा, धसाली न धाया खसिया तीर सु, श्री ३ स्वस्तु नयत्र भषत्रया, धर्मवृत्त दनयात, समस्त साम गी ताल तात का
डा, तयात्र या डाडा यानः **धवलस**, धया पिनी न, धअयू या यनि धर्म दन न गतक, वाक्य डाडा, डायनी सथा सडा डा
डा, पापिनी धाया, हाज्य स गालाक, धया यस, छिस्त्र सवचन थ, त्रिन उखु कुनिस्य, की न साया ल, तानया डाडा म
ध्या न वलस, श्री मरु रूड य गाया डाडा, त्रिन कु कोर य धान, आदि वायन सोत्रया ० आदिर्न, **सक** र त्रिन राक
स वाया डा, धकु नु निर्म, त्रिषा त्रि यूलि सायाडा, अति निर्मल दहया डाडा ल धर्क, हाज्य या माहयनि, आडा त्रिः

राम

१४५

श्री ३ स्वस्तु नयत्र भषत्रया, धर्म दनयात, कुवर्मु मद्र, त्रिन गथया य, त्रि कु क्रा थुगु लि धर्म दन काडा, कया य
कदिय माल, त्रि पापिनी खडाडा, दया क रूडा, दय माल, त्रि पापिनी उडा र या स दिय माल, त्रिन कु या कान, उडा
त्रय डा, हाज्य स गालाक, छिस्त्र स दयान, त्रि थु लि ता उडा र हाता, आडा, श्री ३ स्वस्तु नयत्र भषत्रया, धर्मवृत्त दन
यात, कुकु दय क माल, धवृत्त या विधि, गथ २ समस्त, उडा न दय क स वि **माल**, त्रि कु वरु मद्र, त्रिन कु वरु न ध
र्म दन, धर्क धाया डा, धत पापिनी या राखा द डाडा, अय स गालाक न धाया, हाया पिनी क, अमख सिसवा क, द्विका
या डा, समस्त साम गी दय किडा, अमख सिया, द्वि डा, लय डा, निगान, समस्त दय काडा, धर्म द क धर्क धाया डा, धत
य स गालाक राखा द डाडा, पापिनी न हलस, द्वि डा, लय डा, निगान, समस्त साम गी दय काडा, अय स गालाक न धाया

শ্রীম
৭৫৬

[illegible]

५

956

२ नमस्कारः नमः कर्त्तुं कलयालः आदिमदः नमः कर्त्तुं कलयालः अतिस्त्रुलधायकः कलयालः शान्ति
शान्तिलयकमत्रिडाकः कलयालः देव्याः देवकलयालः यथाकृत्तेलाकनाथः वार्त्तावनमस्कारः शान्ताथः
नाथयाडाथकः कलयालः इतिदलितयाः शान्तनयायकः कलयालः मल्लदेवतायाः मल्लकः कलयालः कालदः
वतायाः कालकः कलयालः सकिस्त्रुयकः कलयालः तत्रयातत्रकः कलयालः शान्तनयनकः कलयालः यथाः
कृत्तः कलयालयाकः सदाकालः कीटि२ नमस्कारः शान्तिवर्त्तुः विष्णुयकः कलयालः यद्यथियाशाकोयः
कः कलयालः यवर्त्तुदहाकुवनः यथाकथस्तयाडाः शान्तिन्यायाकः शान्तनयनकः कलयालः इति
शान्तनयाकः साधुयकः यथाकथस्तयाडाः वार्त्तावनमस्कारः शान्तिवर्त्तुः शान्तिवर्त्तुः

१५३

दा

१५३

४२

श्रीम

१५८

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यन्मावती नरुत सा साली नखसि स कासा नकाडा स्नानया नकाडा संध्या नयन धन मया सा नयनी त
मधिः या तु प्रमका या फल का फल स्नान या या त ग्या ल या कू त ग्य र सि सा स्नान स ग्व न स हित गाडाडा सु सि स य
काडा धा या रा ग्री ३ स्व स्त न य त म ध्व त त्रि ला हल सा रा ल त्व म ड् य उ पु र्ति म ड् ५ अ थि थि रा ल ना ल मा म व दू सु
ख् नू त्रि थ न ड् म ड् मि सा ग्रा ति गु का न या ड् ता का ल द ता थ न म हा ड् ६ ए सि या हा थो हा आ अ त्रि थ अ स्ना मि न व त्रा त
अ हा न का डा य स न र स वि श्र मा ल ध क् ७ त धा या डा म हा व ग न ह्या का डा वा ड् सा ली न धा या ख सि स द य क ल ह् का
त ॥ ॥ धन लि नि य या थ् श्री म हा दे व यू ता या य धू न का डा ध ख सि या धि स व ल या छ गु ति द य का डा ध व ल स
या का डा थ म न श त छि १०० अ थ त म धि या त न या डा डा य त म अ न न द न वा न ॥ ॥ ध व ल स र द्या व ती या डा ॥

का

१५८

गीत गुरु सा दि द द द रु या डा क या या सि न य प्र म सु न गी रु या डा द व क न्या या थ् ६ का डा वा न अ ति ति न्म ल रु य
डा थ डा डा गी त थ म न यि तु र् स सा या डा ध द २ र् ६ थ र ध क् म न न रा ल या डा र् ६ थ र या ध्वा न या डा डा म न स अ
ति रु र्वा मा न या डा डा य त म अ न न द न वा ड् रु ला ॥ ॥ धन लि ध र द्या व ती न द य क ल ह् य अ थ त म धि य या थ
सा ली न धा या ख सि स वा ड् ना ग क्क स न ला डा डा का डा य या रु का ला य म ड् अ न न स मू द थ न क दू स य ड् ध व
ल स ध क् ना ग या हा य हा य ग थि ६ अ यूर्व म धि य या क ला त ना ग नी न ध म धि य या ला डा डा का या डा ध व ल स
ध ना ग नी न म न न रा ल या हा य हा य ग थि ६ अ यूर्व म धि य या त्रि न ला डा अ रु थ थि ६ म धि त्रि रा ल ता न क द
त सा थ् का यूर्व त न्म या या य न मि न नि द द ता वा या डा वा डा आ डा ता ल् सी क म्बा क या खा रु ख व त म ड् न न डा न

१४२

५५

223

दनितामदतलागडाउनख. मिमनिगुलि संवत्सराडाकान. खाग्रखवरमड. सिताला, म्वाकनिता. ज्ञातासात
नितान. डिग्रकाकनत्रकग. (थथथीक. ज्पूर्वमधिनय. नागनीनायलातसा. कतिनियामीठाउनय. नायम
लातसा. थगुलियादा. ज्मिसद्वडाडा. भावकनिष्ठय. ज्ञाताथ. (थथानमखता. सातनिता. नधकंरातयाडा. स
मूडसमाहं धकंउानं ॥ **धनलि.** नागनीन. नागसातधकंखलउानं. **धवलस.** देवसंतागन. ग्री३सखनय
त्रमध्यया. ज्थीतमधियापुलावन. समूडडा. सातीनधायारूस. हाकथास. निष्कनायलात. धननागनीन. थ
उास्वामिखडा. मिखानरुखविशयकाडा. नागयात्रघस. हाकयूयाडा. स्वामियाखालसायाडा. नागनीन
धया. लास्वामिनागनाग. धन्य२गिराह. धनियादीनस. कलयातया. वनघात्रविन्द. दत्रसघलायधना. धन्य२

ॐ

१५

१५०

शिराह्, जिमनिगुलिस्वत्स्रान, कुलया लयादप्रसनमद्, थनियादी नसुति, कुलया लया खिलुखका, लख
मि, कसविश्रुन, तिनजुतिहिय, विनतियाय, थनियादी नस, तिन, ज्युर्वमधिषयालाका, **धवल**, तिमनन
रातया, लाय २ गथा कमधितिनलाका, थथाकवलसु, तिस्रामिमद्, तिनका तनशका ग, थथथाक, ज्युर्वमधिनय, तिस्र
स्रामिमदयका, तिनका तनशका ग, थनय, धर्कलयाडा, अस २ लयायति, सागर, समुद्र, आदिसकलरुन, माल
रुया, स्वया २ असगर्हलुयकमरुयाडा, प्रादभासकनिष्ठययाडा रुया, लास्रामि, थनियादी नस, कुलया लना
यमलातसा, थप्रादभासकनिष्ठययाडा रुया, लास्रामि, थनियादी नस, थसालीनध्या, लुस, मालधर्कडाया
देवसंगगत, थनी, जिग्रीसनिष्कनायलाका, लाप्रदु, जिमनिदयता, कुलया लगीविश्रुन, समस्तवर्णित, आकाद

ला

१५०

१५०

यकसविश्रुन, धर्कध्याडा, थत, नागिनीया, लाखाकडाडा, नागदीरुसर्प, मनसजुतिहर्षमानयाडाडा, मस
कनकिलाडा, ध्या, ला नागनी, कड, जिमनिदयता, कुनकतुमनतयाडा, कुनधधकायाडा, मालरुया, थनीया
दीनस, कुडागिडा, नायलाका, तिमनस, थनि, मलानन्द, ला नागनी कड, तिनथनी, जतिज्युर्वमधिलाका, **धव**
लस, तिनमननरातया, थथाकयदार्थवमुनययात, तिनका तनशका ग, थनय, थथाकवल, तिकलात, नागनीमद्
आडा ग, थयाय, नागनीनायलातसा, कतिनियायिडाडा नय, लातयाडा, कुस्वयधर्कडाया, ला नागनी, तिनथनि,
कुनायमलातसा, प्रादभासकनिष्ठययाडा, समुद्रस, कुस्वयधर्क, मालडाया, लाप्रादध्वरी, धन्य २ जिग्रीस
ह्, थनियादी नस, कुडागिडा, लानदडा, वक्रदेवगान, जिग्री लानकलध, धन्य २ लीध्वर, धन्य २ जिग्रीसलहर्

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ७९ ८० ८१ ८२ ८३ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८ ८९ ९० ९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९६ ९७ ९८ ९९ १००

श्रीम

१७१

नागनी, धृष्टपूर्वमधि, निया कनत नाथा, नियागिनरु कृदा या यधर्क धाया, निया नागनी या तविया, **धृ**
लि, नागनी नधाया, रुपु नाग गागा, कृतया लस नला दार्थ, गिन, धृष्टपूर्वमधि धया ला, आधमधि, ना क
लया लया तका सविश्रु न, नियागिन नय, धर्क, निष्कमी यूय स न, यिथा मधिविशा, यिथि रवा ल सा या, उ
य रं मभान न न, रुं क या तं ॥ **धनी**, नागदा इलसा, नागनी या रवा ल सा या, उ, उति ध मरा वतान, मूसू क न कि ल
ठा धाया, रु नागनी दृढ, यनिया दीन स, कन रवा ल स्व या, उ, गिमन स, उति आ न न, रु नागनी, धृष्टपूर्वमधि या का ग
न, सिरी स ना य ला, द, ग्व क म न् रु द, थ गु लि म धि यू य क ल द ल, थ क म न् रु या, म ना र थ र्वा क यू र्धु रु य मा ल, ल
की वृद्धि मान रु य मा ल, ठा कू रु य रु य मा ल, कू थ या म ना र थ र्वा क रु ल, उ गु लि त क्का ग र्वा, सिद्धि रु य मा ल, रु द

रा ५

१७२

ला क स, मरा स वि रु या, उ, रु क काल स, के ला स य दि ला य मा ल, रु नागनी, ग्व क म न् रु द, थ म धि यू य क ल द ल, उ
क या क क स, रु सूर्य उ द य रु य मु र्, म ना र थ र्वा क रु य मा ल, रु नागनी, सिरी निष्क रु न का र्थ, थ या सू उ रु न
वर्द्ध रु ल, उ क उ, त क्का ग र्वा न मा ल, रु या, (दा भा गी, आ उ सिरी थ उ रु क यू गी डान नू या धर्क धाया, थ त
नाग या, वर न द ठा, नागनी न, आशि र्वा द वि या, रु स्वा मि ना ग गा गा, गिन आशि र्वा द वि य द स वि श्रु न, ग्व
क म न् रु य न, थ श्री ३ स्व क न य र म र या, धर्म द ठा, थ म धि यू य क ल द ल, थ क म न् रु या, न व रु द द व ना
न, दृष्ट वि य म रु य मा ल, सदा काल थ य ठा, न व रु द द व ना, य स न रु य मा ल, सिद्धि रु य मा ल, द व ना र्थ, थ क
म न् रु या या त, ल जा या य मा ल, रु त थ त, यि शा र्वा कि न्या दि, ग उ स आ दि, थ य नी र्म न, थ या त, रु य दृष्ट वि य म रु य

ॐ नमः

१७२

मातृ, कृष्ण, आदि, लागादिर्न, रुयवियमद्रुयमातृ, विदावज्जादिज्ञानर्न, थयात, रुयद्रुयवियमद्रुयमातृ
 श्रुतस्त्रीथयावधुद्रुयमातृ, मरुताग्वअकद्रुयमातृ, रुस्वामिनागगात्र, मित्रीनिष्क, म्नीयूत्रुषराठाथ, थ
 क्रमनूक्रया, कायडावायाडाथानर्नसा, मामववडावायाडाथानर्नसा, थडास्वामिडावायाडाथानर्न, थतवायाडावा
 नसा, सुडाथ, याहानवाँछइल, डाक्रडातक्रागर्नहानमातृ, रुस्वामि, कृलयातसनज्जादयकाथ, ग्वक्र
 मनूक्रया, थधर्मवुतयामधिरुयकलरुत, थक्रमनूक्रया, तक्रागर्न, कक्रस, शादवाकतर्न, उदयइलछास, मना
 प्रथकामना, सिद्धिइयाडा, मरुताग्वइयाडा, सूत्यनयानमातृ, ॥ रुस्वामिनागगात्र, ज्जाजिमित्रीस, थडावासगुरुडा
 ननूयाधकीधयाडा, मिष्क, म्नीयूत्रुषसर्न, ज्जेनगवकात्रन, यद्रावतीयात, ज्जाहिर्वादवियाडा, पत्रमज्जनन, नाना

५५

१७२

यद्वाडा. निष्कनार्थथाडाडाडा. ज्ञानगकीजयाडाडा. परमज्ञानचन. महास्वरन. का. दडाडा. यादडाडा. ॥
 धनलि. धरुयासु. यज्ञमानरुयाडा. गति. यासमयरुयाडा. पृथुचन्द्र. उदयरुयाडा. डाल. धनलि. धरुयावतिव
 कृष्णनरुलसी. रुद्रि. रागरुनायाडाडा. था. स्त्रामिनवगात्रडा. न. वरुयाडा. धी. स्वस्त्रनयत्रमंशत्रया. ध्यानयाडा
 डाडा. गति. रुद्रुली. धनलि. यातका. रुयाडा. पृथुदिसान. धी. सूर्य. उदयरुयाडा. डाल. धरुयाडा. रुद्रावतीनरु
 लसी. सालीन. ध्याया. रुस. को. रुडायाडा. निर्य. कर्म. था. मात. को. धूनकाडा. धी. सूर्य. देवतायात. ज्य. वि. याडा. दधु. यडा.
 मयाडाडा. धत. धूनकाडा. धी. महादेव. वरायाडाडा. धनलि. हि. ठ. गु. ला. रु. रु. वरुस. रु. क. रु. डा. धी. स्वस्त्रनयत्रमंशत्रय
 ध्यानयाडाडा. मि. र्वा. ति. सि. याडा. यान. धवलस. ध. राव. न. द. डा. या. क. ट. क. ध. सालीन. रुस. स्त्रानया. यध. क. डाडा. धनलि. स्त्रा.

श्रीम

१७२

नर्मध्वयेतेन आदिधूनकाडा अनतडावलसुधकटकन यडावतीखन थसुयाडा राव न्यदहायाकटकथि
थिन्नाडा लायासायनि सुडा २ गथीद यत्रमसूदत्रि मिसाकक मरुनकयिक याडा मिसातिरियाडा
४५२ याध्वनयाडा मरुनिस्त्रिकनयाद लावलसु मिसीसनमखडा थसूहूडाधर्क अतिमरुसूदगी
हयाडावाड मिसायात्रकुधकासमर्क थयाकंदयाडावाड साडातूकामदवयाकलात त्रतिथादध्वथादस
मरुलकुधनर्मशक निरुययाडावाड लायासायनीकड मिमनसगा धमन्ममख साडातूलकीदवनाथ
वाड थगाकिदवर्कन्याला गंधर्वकन्याला विद्याधरयनीसर्कन्याला अथवा अय्यालाकयानर्किंक नराधया
कला तिलाकमाधयाकला उर्वसिधयाकला थसूहूडाधर्क मिसीथयाथासडाडा कनन्याधर्कधया

रुद

१७३

डा सकलसर्न सादुतियाडा थयाथासडाडाधया लासूदगी कलयालसूहूडा क्रियनीसनमसिया दवर्क
न्याला गंधर्वकन्याला विद्याधरकन्याला अथवा मन्थाला थथादतिथिसयाडा मिथानक्रियनीकनमतडा मि
सागातूकाकनविष्कत ककामनान थथतयस्यायादविष्कडाधर्कधयाडा थतलाककटकया लाखाकडाडा वड
वतीनधया लोमरायूरयनीकसदिसन त्रिगुलिवारुखकन त्रिलाहलसा दवर्कन्यामख गंधर्वकन्यामख वि
द्याधरकन्यामख त्रिलाहलसा मन्कुगातिथका लोमरायूरय त्रिहूडा वरुधा यत्रधयादहाया अतिस्वामिधा
यानामद्राकहाया यथा त्रिनामयडावतीवकुधीथका त्रिलालाहलसा लोमयडाधया वकुधीयाकाय
नवरात्रधयावाम्रधया लोमरायूरयनी रनकड क्रिगयादिनस थथायस स्वर्गन अय्यालाकयनडाय

श्रीम

१७५

अ. श्री ३ खल्लनयत्रमं धनया धर्मवृत्तदहाडावान. त्रिनं धयनी सथा सहाडा. नायं धर्मदहाडा. वरुं धय
यस. त्रिनुका नन. गगर्कनाया हाडा हा. अडा धदिनस. स्नानसं ध्या. निख कर्म धूनकाडा. थडा दहा वरुनाय
न. लिहाडा न्यधर्क. मननरालयाडा हा. हा. मरायूरुष. त्रिवर्कनथ तधर्क धयाडा. थ तव द्यावती या राखा कडा
डा. ना वं ध्या दहाया कटक. अडा ध्यायाडा. थिथि साद्रुतियाडा. हा. या सायनी गयी अडा ध्या. थ वरु धी नधा लुग
मयश या काय. नव गगर्क धा. त्रिराल हा धर्क धाल. नव गगर्क धा. शलसा. मित्री सथा कल धय द्यावति वरु धी.
मित्री सगगया कलात. खडा लामयुला. अडा. खडा मयु विवा लयाय. मित्री सगगया क. थन कनू या धर्क धयाडा. स
कल कटक. थिथि साद्रुतियाडा. नाया क. थन कधर्क. गगर्क दहाडा. न. धनलि. व द्यावति नहलसा. थडा निख

हा ५

१७५

श्रीम

कर्ममालका धूनकाडा. ख सिनथा हाडा याडा. वरु सडा हा. धर्मदहाया. लुहला दहाका नयाडा. वरु ससुमूकी
धान. धनलि. लोकसर्कल. नाया याथा सडा हा. नाययात. हा. मरागगला मि. जति अडा ध्या. थ वरु ता. नायया
यह स विष्कन. थनी यादी नस. श्री सुय उदयशय मुर्नु. त्रियनिस कल. साली नस. सि स. मा लुय धर्क डा हा.
ध वरु स. त्रियनी समालको क्रिया कर्म धूनकाडा. लिहाडा यत हा वलस. यत्र मसून्दगी. क न्या क कल हा. थ
क न्या गथा क धालसा. साद्रुतलकी वा कथ. वरु सल कुधन सहा. लिहला हा सद्रु कडाडा. मरा सुविहाया
डा हा. नक विरु न. धनया. गगर्क धान या हा. थ हा याडा. त्रियनी सकल. थ याथा सडा हा. त्रियनी सन
कडा. हा सुन्दगी. कल पा लसु रुडा. सुया म्माय. सुया कलात. नाम क. कु निमि कि न. नयसा या क विष्कडा.

हा ५

१७५

श्रीम

१७६

उ। अ। न। ग। त्रि। त्र। य। य। य। उ। स। व। यि। त। द। य। उ। थ। स। म। च। ल। क। ड। ड। ड। य। नि। स। श। अ। २। ति। न। व। स। द। वि। य। उ। **रुन**
न। व। रा। त्र। रा। त्र। न। आ। कू। द। य। का। लो। य। रा। लो। क। धं। न्य। २। कू। य। नी। आ। उ। छि। स्त्र। य। नी। स। न। व्व। कु। लि। थ। स। त्रि। क। ला। त। व।
आ। व। ती। न। व। ल। द। य। का। ड। ३। स्व। छ। नी। य। त्र। म। ष्च। त्र। य। ग। न। ध। र्म। द। ड। ड। ड। ड। उ। गु। लि। थ। स। छि। स्त्र। य। नी। स।
न। ति। सा। आ। दि। स्र। य। य। त्र। रा। त्र। न। का। ड। न। व। रा। त्र। वा। कू। द। न। वि। स्र। ल। ध। र्कं। कू। नि। त्रि। न। श। ल। स। ल। स। ल। ड। य। थ। का। लो।
य। रा। लो। क। आ। उ। कू। य। नी। थ। थ। ड। ड। ड। ड। स्र। य। य। ल। स। थ। ड। ड। थ। थ। वा। ड। ड। ड। ड। य। म। ल। धं। र्कं। ध। य। ड। ड। थ। त्र। रा। त्र। य। आ। कू। **रुद**
ड। ड। ड। ड। द। त्रि। ड। ड। धं। र्कं। आ। कू। लि। ल। स। त्र। य। ड। स्र। य। य। ल। रा। त्र। न। का। ड। स। क। ल। य। रा। लो। र्कं। ध। का। न। यि। ल। ड। ड। नं॥ ॥
धनं लि। न। व। रा। त्र। न। श। ल। स। स। म। र्कं। म। नी। य। नी। वा। न। क। ल। छ। य। ड। मा। म। व्व। म। य। ड। क। ला। त। रा। व। न्य। व। ती। स। दि। त। कू। ड।

१७६

न। त्र। य। ड। आ। कू। द। य। का। त्रि। य। ड। ड। थ। नी। या। दी। न। स्र। त्रि। क। ला। त्र। व। आ। व। ती। स। ली। न। ध। य। थ। सि। य। स। मि। य। स्र। न। व। स्र।
या। र्कं। य। न। धं। र्कं। थ। न। य। रा। लो। क। न। त्रि। क। ड। ड। ड। आ। उ। थ। य। आ। व। ति। द। का। य। य। त्र। स। म। र्कं। स। म। ग्री। ता। ल। ला। त। कि। ड। ल। म।
नी। य। नी। रु। नं। द। ष। ष। क। ड। क। द। कां। ल। स। ल। ड। न्य। या। त्र। ना। र्क। ल। क। य। कि। ड। **रुनं** थ। रा। त्र। स्र। द। का। वा। कू। र्कं। ड। य। म। ल। धं।
र्कं। ला। त। कि। ड। **रुनं** य। य। ल। न। द। का। ड। य। म। ल। धं। ड। **रुनं** थ। स्र। २। व। त्र। मा। न। आ। दि। नं। द। य। कि। ड। **रुनं** दि। ति। मं। द। य। आ।
दि। नं। कू। य। य। ड। त्र। य। म। ल। धं। र्कं। धं। **रुनं** थ। स्र। २। वा। कू। द। य। नी। स्र। नं। द। व। ता। य। स। नी। य। स्र। य। रा। द। दि। व। दा। दि। य। ०
या। त्र। कि। ड। **रुनं** थ। द। ष। या। य। रा। लो। क। स। क। र्कं। रु। या। न। रु। या। थ। व। मु। न। य। ड। ड। ति। स। न। ति। य। ड। ल। स। ल। ड। न। म। ल।
धं। ड। **रुनं** स। ल। कि। लि। स। क। र्कं। आ। र। त्र। द। य। य। का। ड। आ। व। ती। आ। दि। त्र। य। ड। रु। य। म। ल। धं। ड। ल। म। नी। य। नी। थं। स। क।

श्रीम

१७१

तां थर्थनयात्रयाद्युत्रियकिउधर्कं आहूदयकाडा थतग्राया आहूदकाडा मनीयनीसनइलसी दधर्क
आहूदिलसनयाडा तकात्रनं मनीयनीसनतयात्रयातं **धनं** नवग्रायाग्रा नइलसी मामवमयइया
कडानं आहूदयका लाममकलयालस्यनं सुखयालसविश्रदाडा वद्यावतिलमालविश्रयमाल लो गावः
नयती कनसुखयालसदकः त्रिकलातवद्यावतिलमाल डनमाल धयाडा **धनं** समस्तथायस सामं ग्री
नयात्रयातं **धनं** मनीयनीसनइलसी समस्तसामग्रीनयात्रयाडा ग्रायाथासडाडाधया लाम
हाग्रा कलयालस आहूदर्थ समस्ततयात्रइला आडासुवग्रास यस्तनयासविश्रकनधर्कधयाडा थतमनी
लाकयाहाहाकाडा वद्यावतियात अन्नगमहिमाहिकया आरुगहयिकायाडा त्रिग्रावायया वमुन्नग

हृथ

१७१

गन्धमाला समस्तविकायाडा मनीयनीस कडानधया लामनीयनी आहूदयनी डाडा थ अलंकालसमस्तका
डाडा वद्यावतियातवमु अलंकालनतियकाडा नानावाग्ननथातकाडा सुखयालसथडाडा काडा रकिडाध
र्क त्रिनइलसी धाका तालमालडा यधर्क आहूदवियाडा थतग्राया आहूदकाडा मनीयनीसनइलसी स
मस्त अलंकाग्रीनकाडा वद्यावतियाथास थनकलडनं **धनं** नवग्रायाग्रा नइलसी अन्नगतिमानतिया
डा त्रिग्रावायया वमु यदिलयाडा रिठरस्वानमालानकायायाडा किमिगयाडा रिठगुसुवलास यस्तनय
तं कायां वमयइसुखयालसथडाडा अया **धनं** गावधवतिगानिसुखयालसथडाडा अया **धनं** थडाक
डानं अष्टमंगल प्रधुंकलस **धनं** थयातिडनं गुककुमात्री अययाडा अया थमकिमिगयाडा थडालिडनस

श्रीम

१७८

वर्धुच्छुवशानकाउ, मन्त्रीपनीसमस्त, सलगायाउ, थडा लिडा २ तथा उ, काठानकाटि कटकनलीतकाउ
महामगलगायाकाउ, यन्त्रावतिलसायधर्क, नवगात्रमहागात्रान, धाकातोविश्वकेशल, ॥ धनलि
वधदशयाप्रशासकल, सुखयालगाकाउ, सालीनधायालुसिया, समियसडायाउ, यन्त्रावतियाठथास, धन
कलउल, धनलिप्रशासकलसर्न, यन्त्रावतिया, यत्रनसलकयूयाउ, विनतियाका, लमहागानिठसविश्वक
न, कलयालयास्वामिनवगात्रन, क्रियनीछर्हल, कलयालथथविश्वककमालधर्क, सुखयाल, अदिनविया, सा
डाहल, आडाथथविश्वकन, विर्लयायमतलाधर्कधायाउ, धनप्रशालाकयाराखाठकाउ, मनसुतिह
वमानयाकाउ, सुसुनकिलाउ, मननलया, धन्य २ धास्वस्व नयत्रभषत्र, कलयालया, धर्मवतयायू

साद

१७८

न्यन, थनित्रिस्वामिनवगात्र, महागात्र, शानकाउ, प्रसन्नडा, धन्य २ कलयाल, कलयालया, यत्रधस, सुदशरके
टि २ नमस्कार, रात्रगदिषत्र, क्रिगकलयालया, धर्मदेठान, थनित्रिस्वामिडा, नम ३, लकयदा, मय, कलयाल
रुद्धा, रुकियावस्वस, द्विविश्वकक, थथाठ क्रियापिनिधायक, वाछक, महा ४ लककनयाउ, महासमूडस्य
दलय, शठा, थथाठ क्रिउडात्रया, प्रसन्नडा, थथाठ ध्वत्रया, ककाटि २ नमस्कारधर्क, लालनाथ, कलयालय
प्रपथानका, उर्मत्र, सदाकाल, तिनूगलसतयाउ, कयाप्रसन्नडा, सविश्वयमात्र, रापरवृक्ष, कलयालया, कताउ
नसायामाउर्न, वृक्षादा, वरुदश, उवन, सुखीया, सविश्वत, थथाठ ध्वत्र, वार्नवात्र, नमस्कार, ललगवान, कलया
लया, कयान, थनित्रि, गवधदशया, गानिहयदता, धन्य २ तिरावध, धन्य २ कलयालधर्क, नानामाथन, धी ३ स्वस्व नय

श्री म

१७८

प्रमथप्रया मननमुति याडाडा, जोरुवतसु समस्तु न क्रीय निजु न गवकु, ज्ञाह्रनज्यादि वाडा, रडावति या, वल
स (थेन कलडा याडा, मन्त्री यनी समस्तु सन, रलडा सलाकय याडा, धाया, शमला ना नि, क्रियनी शर्ल, नवरात्रमला
ग्राया, मन्त्री यनी थका, कलया लु विष्णु त के मालधर्क, क्रियनी क्कसं दल, ज्ञाडा न नान, उल्ल न या द विष्णु क न, शमला
नि, कलया लया स्त्रामिन, उरुन हस्य दल, थ ग्री ग्रा वा य मा, वमु न यदिल पाडा, थ ज्ञाह्रन न य याडा, थ गल माला
आदिर्न का ला याडा, सूय पा ल स विष्णु डाडा, न नान उल्ल न या स्य विष्णु क न धर्क धा याडा, थ त मन्त्री यनी स व र न रा
खा द डाडा, मनसु जति र्धमान या डाडा, थ डा स्त्रामिन, विस्व रु या, वमु न यदिल पाडा, म धि मा धि क या, ज्ञाह्रन न
पू याडा, ज्ञ न ग गल माला न का ला याडा, वल न पि ला डा याडा, सूय पा ल स द डाडा, ना ना वा र न थ त का डा, गा व न्य द

ला द

१७८

डाडा न धर्क, उल्ल न या र्त् **धन** लि, रडावती न रु लु मा, मनसु जति र्धमान या डाडा, मन्त्री आदि ज्ञ न गला क क ट क नः
ली त का डा, ना ना र्म गल या त का डा, ज्ञ न ग का र न थ त का डा, गा र्ध ध द ला या, धा का (थेन कलडा ल ॥ **धयलस**, गा र्ध ध द ला
या क ट क, का टा न का टि, मि र्ग न, मि सान, ना ना रि उ वि रि उ व मु न य द डाडा, ज्ञ न ग ति सा न ति या डा, रडावति ना नि शाल डा
न धर्क, मला ग्रा या डाडा, अ या सि न डा, का पा ला त के थ, क्क डा ल, **रुन** न व रा ग्रा ग्रा न, थ डा क ला त ल स य या त धा
ग, क्क उ, याम ल स दित द य का डा, ग क्क २ स ल क्क य या डा, दाल दाल कि सि ज्ञाह्रन न य या का डा, ज्ञ न ग मन्त्री यनी, लि डा न
सु ल कि सि ग य का डा, मा म न्य म य र्, गा व ध व ति, स दित क्क डा २ त या डा, मला र्म गल ग्रा या डाडा, ज्ञ न ग का र न थ त
का डा, का टि २ क ट क न ली त का डा, वा क्क धा य नी स न, य दा दि, पू ग धा दि, या ० आदि र्न या त का डा, सि र्ग ग्रा या डाडा, र

श्रीम

१४१

सुस्तानयाछाउतयस्यायादशठ्ठथनतथनकडायानगथननप्रिमात्राहउमसियाहउतयावतिहूनिमिहि
नथयूसियासभियसवलवयाउविर्संधायाछाउमहाकछुननयस्यायाछाउयाछालाउयावतिहूनिहू
कान्तायासायनीमदयकंनिरुययाछाउगथयाछथथायसकगथयासासुनानहूयाछाउरुलसमसुव
रुनिककधकंलासुन्दरीहूनिहूनयुपकोरुनकायायाथमयमहातत्रस्त्रीहयाउयाछसाकातयुहुरनयाछ
थप्रिमनिदयातत्रुहिरयाउवतिसलकुधनसहकसाकातलस्त्रीयाछथप्रिमात्रमानहयाउयाछमहायन
मसुन्दरीहयाउदवकंनयायाछथप्रिमात्रमाननतत्रुलाउयाछप्रतिउसमानथथीहतत्रव्यक्रादयतानह
नतविलहूतयस्यानहूनलाकाथततासमसुविसात्रयाछाउकधकंलाउयावतिहूउकाकलसजित्री

हाथ

१४२

तितडाइठिहयाउयाछाउप्रिमात्रयायसादनश्रीहूस्वस्वनयत्रमध्वत्रयाकयानत्रावनादहायात्र
ग्राहयधुनालाउयावतिधनशमित्रीसुलवमनूकुरंनकासुडयायाकनार्थहलासुन्दरीआउकनव
रुनिककधकंधयाउथतस्वामिनवगात्रयाआकाकडाउरयावतीनहलसाथडावार्कनाययाछाउ
स्वामिनवगात्रध्वत्रिगुलिवार्कनाययायकभविश्रुनकायाकलयालयनीसनइत्याताछयाउ
प्रियानकलरुथवसइत्यातायनिसनहलसाकलयालगात्राहलधकंकाछप्रिनहलसाथतसमजालक
छाउमनसुतिरुवमानयाछाउमामवयथासुडाछाउककाहामहागात्रथतवार्ककडाउप्रिमात्रव
उतिप्रस्तायाउमाहाजानननप्रितवलावियाउरुलस्वामिधनलिप्रिहलसाइलीसदहाउमामव

श्रीम

१६२

या के वला कायाडा मदाजान ननयाया **धवलस** दग्गवना करस (थ) डाडा थथा यस दग्गा ता माडा दि न रुस
 मि थकु द्गुल मायडु कयायु मासि शया डाडान थथा यस जयस रायनी श्री स्वस्व नयत्र मधयया धम
 वुत दडाडाडा **धवलस** दग्गा ता सन रिडलिकायन तु यक तथा डा थथा यस दग्गा ता सन साय धक डाडु लो
 मदागा **धनलि** दग्गा ता सन रुल सा श्री स्वस्व नीयत्र मधयया वायन कडाडा धर्म दडाया सान शो डाडा रि
 थसडाडा लयडु **धवलस** दग्गा ता सन रिडु डान धा रा मदागानि जय ~~म~~ म तं डा क्रियनी रुति विरु
 रुलखडा श्री स्वस्व नीयत्र मधयया वायन रुति कडाडा डा डलया लया र्ध थसि सा सान शो डाडाया
 का से विष्णु कन धर्क ग्धा क २ रिथा सडायाडा थथे धाल राखामि **धवलस** रिन रुल सा जल न क्रोध या डाडा

दा ५

१६२

धस्वान कायाडा कति २ थयाडा इकालन वियाडा रुका नि डाडा छया छन गमाथन दवता या न निन्दा या
 डाडा न्वा डा दग्गा ता यनी र्क नाना माथन वाल वियाडा न्वा डा रुमदागा **धनलि** दग्गा ता रुल सा ग्धा डाडा
 नानमडा र्क रिक्क या डा रुल **धनलि** रि सालीन धाया खसि थन कल दल **धवलस** तस्का गर्ध रत कडाडा
 याडु गु जाका सयि डयाडा र्क लाड सुल याडा मदाडा वन नं डायाडा म्हा ल धा रा प्रमानन आ गा डाडा **ध**
वलस रि खसिया दथ स (थ) न रायडु **धवलस** इली दूक रायाडा खसिया दथ स रात क रिक्क ति नडा न दग्गा
 ता रुका ग (थ) १ डा रि नमसिया राखामि दग्गा ता स माया ल थन ता रि नसिया सिकलाम्बा क निला **धनलि**
 रि नमसिया रागा रि न्दु **धनलि** रि त रुल सा खसिया दथ स थत का डा तल ज (थ) थ (थ) डा रि क विचाल म द रुन

श्रीम

१६३

त्रिलासतु निःकसकासं कृष्ट नथियाउ थथा हयाउ आन **दुर्न** खविर्न ज्ञा ठर्क हययर्न **दुर्न** खविर्न
गरु नाशययर्न लस्मि **धन** लि कसकल्य धालु गितकाउ लिलासतु थथा हयकाउ पायया साठप्रसुना
काल मदाज्योत्र नत्रकला गयास्मि यथा ककृष्ट नयाउ मदा ३४ ख सियाउ दानलाकाउ
थुगुलियकात्र दयिदकादरुका **दुर्न** त्रिनहलसाममवदलालमका कलयाल लालमका दालनाल ०० कृमिस्त
थपनि त्रिनलालमका त्रिथुगुलिगात त्रिथकयायसधर्क थं त्रिनलालयमद्रया सुनानं त्रिस्वयाउ अठस
कमिद्र सुनानं त्रिविचालयाकमद्र लस्मि मदागात्र थुगुलियकात्र मदा ३४ ख सियाउ मदाज्योत्र न
त्रकसयदत्रयवाका लस्मि थथेयिद निददयाउ आस्य नली कृष्टयादिनस् द्य कधयनी निक्क थलनला

हाद

१६३

कडानधर्क त्रिवाद्यथसनउल **धवलस** त्रिन थपनीसकडा (घाउठाअध्या लयाकध कलयालपनिग
धविष्णयतं का लविष्णयतलसा त्रितं ज्ञनचिरासखर्न काकाउ हयमालधर्क काकाळया लामदागात्र **ध**
नलि द्यकधयनीर्क ला नयाउ त्रितं लयतस ग्राचिरासपालचिकाउ लिदाविष्णत थवलस त्रिनह
लस रतासर्नडा काउ द्यकधयनीथासडा काउ त्रिनध्या ला द्यकध त्रिनहा कळया गुलिज्जुनत्रितं
ठाउ हलाधर्क त्रिनध्या थ त्रिराखा कडाउ द्यकधयनीसेन त्रितयां लचिस्मं तया ग्राकाकाणी कडयाउ
त्रि कडा (घाधाल लयापिनीखलखर्न सिधउनअधर्क सदां ज्ञमं थयापिनीध्याकाउ मदा ककृष्ट नयाउ ३
४ ख सियाउ दानला श्री ३ स्म स्म नीयत्रमं थया सुमधुयाउ **धवलस** कनरुतिखर्न उं कत्रिहर्क थं

श्रीम

१४३

याऽऽज्ञायाऽपनीसनउपदष्टाविल, लायायिनीकनशीस्वस्वनीयत्रमंषत्रया, मलाडरुमधर्मवृत्तदठ
 धर्क, त्रिद्विजानधाल, थवलसत्रिनधया, लाञ्छनायनी, त्रिथथाडयायिनीन, क्वमुनधर्मदन, थयाविदिगाथ
 २श्रीस्वस्वनीयत्रमंषत्रया, पुताविदिगं (थ२माल, ग (थ२याडाडाआलासंतुस्करुडा, क्वंसांमगीदय
 कमालसमस्तकन्यामालधर्क, त्रिनविनतियाडा, लामलागा, **थवलस** ज्ञयसगायनीसन, त्रितंउपदष्टाविल, लाय
 विधर्क, पोखण, कयायुधुमासिखन्निर्माय, कयायुधुमासिख, कता, त्रिनसायाल, लक्षितास्नानयाय, वाकि
 ग्राडावलस, श्रीमलागुदपुतायाय, लक्षितायनक, श्रीस्वस्वनीयत्रमंषत्रया, वाखनकाय, **धनलि**, लक्षिसंयुधु
 यमुन्, मायथु, कयायुधुमासिखन्, धर्मदन, सतछियाया, ज्ञयितमधिदयक, श्रीखन्, नकरन्दन, किम्वल, स्व

लाद

१४३

स्वर्ग ३

नी २

नदयक, धूपदियनेयद्य, थमरुकोयदार्थदयका, उ वमुदकिध, आदिदयका, उ, श्रीस्वस्वनीयत्रमंष
 त्र, वादसउपरात्रनपुतायाय, थतधूनका, उ, स्नानको, का, उ, यो, रछितागर्कनायाडा, उ, वादधर्क, थ (थनउं, क
 नउर्जात्र, यिअधर्क, त्रितंउपदष्टाविल, लाय, ज्ञयसगा, लाकथ, लाडा, क, लाय, कुमलागा, उ, खन्, पोखण, कयायु
 धुमासिहया, उ, वा, क, थ, खन्, निर्मा, त्रिन, ल, सा, त्रिन, सा, या, ल, मा, ल, क, या, उ, श्रीमलादवल, लक्षिता, नक, क, या
 थ, सु, वि, ह, या, उ, मलाडरुमधर्मनस, वायाडा, थ, खन्, निर्मा, त्रि, शा, गी, र, वलि, डाल, नय, तिर्यदया, उ, डाल, लामलागा, त्र
धनलि, मायथु, कयायुधुमासि, डाल, थ, खन्, या, दिनर्, स्वर्गलाकन, ज्ञयसगा, लाक, थ, था, य, स, क, ला, उ, या, उ
 श्रीस्वस्वनीयत्रमंषत्रया, धर्मवृत्तदष्टाविल, **थवलस**, त्रिथयनी, स, डाल, या, त्रिनधया, लामलायनी, कल

थास

श्रीम

१७५

या लपनि सञ्ज्ञात्थं पो रव शुक्रया पूर्वमासि रव निर्यात्तु किं ताः श्रीन ताया मातु क्रया अ श्रीम द व क
यूरा या ठा या ठा लुकि संयु र्दु र्दु ला आ अ थ नि मा य शु क्र या पूर्वमासि र वा किं व मु न ध र्मा द न ध र्क कि न ठ
ठा **धवलस** अ य स रा य नी स न धा या रा स च गी अ म सा गी न धा या र सिया किं उ त र व ठा नि ता न स म ल सा म
ग्री द य का अ ध र्मा द न ध र्क किं उ अ (ध धा ल रा म रा रा **धवलस** कि न र ल र्मा अ य स रा ला क न धा या थ किं उ
ल र व ठा नि ता न स म ल सा म ग्री द य का **धवलस** थ स म ल सा म ग्री कि न द य का अ व या गु लि स म ल सा गी र य
अ रा न र्द न किं गी र दि य ठा लि त र या अ अ ल रा स्वा मि **धनलि** कि न र ल र्मा थ गु लि सा म ग्री न अ य रा ल
क अ ना र्प श्री ३ स्व स्म नी य त म ध र या ध र्मा द ठा ध र्मा द न ध न का अ स्वा न का का या अ अ य स रा य नी स्व र्मा अ
न रा य तु **धनलि** किं क व ल क गु लि द य का अ उ किं य त म ध र या य धा न या ठा अ रा वि रु ठा **धनलि** स ति क

दा ५

१७५

व ३

क्रु स थ का र्पा या या अ थि म धि स म्ब न स दित द य का अ म रा व ठा का ठा अ रा ठ र सिस व य क ल क या **धनलि**
कि न स्ता न या ठा अ श्री म रा द व यू रा या य धू न का अ व ल स अ या अ ठा त किं अ थि त म धि या त न या ठा रा स्वा मि **धव**
ल स कि न र ल र्मा थ अ द ठा व र्मा य रि लि रा अ न ध र्क म न न रा ल या अ वा ठा **धवलस** थ रा व न्द द ठा या क त क न स र व या
ल अ दि न र्मा ठा अ क ल या ल या अ क ध र्क कि वा न अ ल रा य तु म रा रा श्री ३ स्व स्म नी य त म ध र या क या न क ल
या ल अ ल न धू ना ध न्द २ कि रा ल ध न्द २ श्री ३ स्व स्म नी य त म ध र थ थि क ध र या क का टि २ न म स्का त रा
स्व मि क पी ल धा या ग क ठा या उ य द ठा न अ य स रा ला क या द या न श्री स्व स्म नी य त म ध र या क या न थ थि
ठ दि य द रु र य का अ क ल या ल रा न क ध न्द २ थ क ध र रा य तु थ र सा त स श्री ३ स्व स्म नी य त म ध र

श्रीम

१६०

वाहिकन मवेदवतामख दवयादउं थक धर्मधर्मथक कालकालथक ग्राणीयनीसन ग्रागनल्यक
मीथक सूर्यकोटिदवतानेमान्यपूरायाकमीथक थथीठविष्वसमात्र उंकीत्रयाठाउ समर्कसाकयात्र
सापूत्रवइयाउ पापपूषयासाकिइयाउरुकात्रन उंकीत्रयाठाविष्वाकक थथीठक पूषत्रया चरदाक
मलसकाटि१नमस्कात्र रायहमरात्रांषत्र थक पूषत्रया कृपान त्रिउकीत्रइयाउ चरदात्रविन्द दः
शनयातउया राखामि त्रिनइ४खकठनयार्थकन्यधूना त्रिउकीत्रइयाउ र्विनीयायधूना रायह आउक
लयाल थदशाशात्राइयायाकात्रघसमर्क आहदसविष्वाकन कृतयस्यान कृतयालसन थथीठगुत्रांलकी
लाहाकात्रघाग विस्मात्रन आहदसविष्वाकनधर्क थतवद्यावतिया वार्कठठाउ मत्रीयनीसकलस्यन व

हाद

१६०

द्यावतिया सखदः खयाखदघाउ नवगात्रमरात्रावहति सकर्क अतिविस्मय रायाउ धन्य१ वद्यावतिधर्क सकलस्यन
अनगगुदावर्ग खिहाठाउअन ॥ **धनलि** ग्वमयहन इलसां वद्यावतिया खालसायाउ धया रावद्यावतिधन्य१ कः कः
नखदठाउ त्रिअतिसनावइयधूना रात्रिचा आउकनरा लता ग्राइउगुलिकालनखसमर्क कन्य नक विरुइयाउ
ठठ रावद्यावति कः कः कालस कनलता वदइया उयदछाउ नधर्कडान कथठाकडानधर्कडान **धवलस** त्रिनइलसां मरा
कठनयाउ मराइ४खसियाउ वरिहाइइयाउ कयासरु अकायाउ क्रीनककालअत्रकलातकाउरा ना रात्रिचा **धनलि**
ककयाक्रीनस सफमविष्वत्र त्रिकविष्वात थमवियनीसन त्रिखठाउ अतिकरुणायायाउ त्रिदत्रिडभारनयाय रालयाउ त्रिक
उ। (१) आहदयकल रायकृणीधर्क कृतडाइः खिखठाउ त्रियनीकरुणायायधूना आउक उंकीत्रयाय त्रियनीसन उयदछाक

श्री म

१५६

न प्रक विरु ह या अ ठ ठ धू धा ल सा श्री स्वस्म नी य म भ ष र धा या द व ना या ध र्म पु त क थ क न त क षा ज ता थ सा या थ व त शो
न पोष शु क या पृ धु मा सि र्दू नि र्दू नि र्दू नि न सा या ल मा ल दू या अ म रु य वि र ह या अ ल षि ता श्री म रु द व दू या अ म नी न
कृ प वा ख न ह्ना य ध न रि मा य शु क या पृ धु मा सि र्दू षा त षि या पा ज्जि त म धि द य क थ म रु का प र्द थ धू य दि य ने य द य का अ
षा द स ड य रा न श्री स्वस्म नी य म भ ष र धा या अ ध व ल स क न उ र्दो र हू उ ध र्क थ थ स क म षी ष र य नी स न रि क उ न आ रू
द य क स वि ष षा अ का य ति या त ल स स व र्धु या को रि क स म्ब ल त या अ श्री स्वस्म नी य म भ ष र धा म रु उ र्द म पृ ध व त रि त उ य
द षा वि या अ स्व र्ज थ र वि ष त र र रि रा ध स क म षी ष र या आ रू थ थो ष शु क या पृ धु मा सी र्दू नि र्दू नि र्दू नि न सा या ल मा ल
दू या अ म ध्वा न व ल स र ग दी ल र श्री म रु द व र्द य रा या अ षा न कृ प वा ख न ह्ना य ध न रि ल षि र्दू ह या अ मा य शु क या

रु द

१५६

पृ धु मा सि र्दू षा त षि या पा ज्जि त म धि द य का अ धू य दि य ने य द र्ग म रू ल श्री ल व शु प्र क र च न न म्ब ल सि सा वा सा
व म्ब द षि षा थ म रु या थ सा म ग्री ना ल ला त का अ ध र्दू ध र्म द का थ म रु का पृ षा मु ति या य धू न का अ ज्ज वि या थ त धू
न का अ स्ना न का का या अ थ अ षा या ध न रि र षि र्ग र्ग ना या अ श्री स्वस्म नी य म भ ष र धा र य ध्वा न या र्थ या अ ध व
ल स रि न रू ल र्मा क न रू ल ता या त या पा ज्जि त म धि स ग व न स रि त र्था अ त या र य न्द्रा व ति ध न रि रा त्रि या नि य रू
ल रा अ व ल स क न रू ल ता थ न क ल ड ल ध व ल स रि न रू ल र्मा र ता स र्ग ता रा या र्ग अ पि रू अ या अ ध न रि क न
रू ल ता तु ति सि त का अ थ त वा क य षा र र रि रा ध न रि ध र्म द का य ल षि र्दू थ लि य त का थ व धू न का अ रि न क षा
र य पृ न व रा क न व दू ह या स मा रा ल ग थ र्ध र्क रि न क षा ध व ल स क न स्ना मि न रि त क ने र मो म रि व दू रू ल स

श्री म

१४८

ह^२
भार्गवादिभिरुक्तं मातृकाक्रियाकर्म विंज्यादिर्न तथा उपायधनां लामाम् त्रिवद्वृत्तसूरुलधर्कं विनायकासविः
अयमन्तडाधर्कं त्रितयधविल्लोत्रिवाधवलसं त्रिनश्लसं नानामाथनविनायाकाधर्नलि त्रिनश्लसं रुयाथधि
र्ययाकाका कुनशालताया द्वालसाया उपाकाधवलसं कुनशालतान रुयाथत्रितयधलयां उ त्रिकदकं लामामथ
निकुलयालसं रुयाकविष्ठाका कुनगर्गधधययावास नाउडा कुनगसिमास्त्रान यं च मन्तजादि कुनग रुत रुत मधिर
धिआदिन कुनगसा मणीनयप्रियुधुधर्कं थनिकुलयालसं रु अधर्कं त्रिकदकं लोत्रिवाधवलसं त्रिन कुनशाल
ताकाका लोपुत्रकन थनियादीन सत्रिन श्रीस्वस्व नीयत्रम ध्वत्रयाधर्मदका भवता अयाकामयू लोपुत्रनवरा
त्र कुननानं थनमासधर्कं अणीखाया काका यत्रम ध्वत्रया समर्थाया का लोपुत्र थथधर्कं मननशालया उ थमु

रुद

१४८

लिधर्मवृत्तदका लोचन्यावति धनलि रद्धिं कुनशालता धधर्मवर्क्या विधिया स्वैजादिंकका थनलि प्रातका ल रुया उ
कुनशालताश्लसं गंमसस्त्रानयायधर्ककाका लोत्रिवाधवलसं गंमसं धीरुत्रिरुत्रयत रुया उ कुनशालताया
त वल्यसादविल्लोत्राकाधधर्कं आकाका वनेदका कनि थदकाया त्राक रुत त्रिश्लं किसिया कद्विठाका न थव
लसं रु थदकाका आयाधर्कं त्रिन कुनत त्राक अरिथवियधर्कं अका विया उ धीरुत्रिरुत्रगंमसं अनाध्वा नश्लसं विष्ठा
ता लोचन्यावति थनय कुनशालतान त्रिकदकं ल **धनलि** त्रिनश्लसं मनस अतिरुषमानया काका कुनशालताया त स
ग्वनसदितया या अथितमधि लोका काका विया रितस्त्रान आदिन विया उ मातृसला दा त त या उ आशिर्वादि वि
या लोपुत्रनवरात्र कुनमनायकामना यधुशय मातृ लोपुत्रनवरात्र आकाका धीरुत्रिरुत्रया अकाथं त्रावना दकाका

श्रीम

१००

निधर्कः ज्ञातिर्यावियाडा वलावियाडा कया हा रत्रिया थ क थी स स्म नी यत्र भ षत्रया धर्म वरुया पलावन धीया
 थ थ दषाया ग्राहला हा र च्यावति सफ रिषी षत्रया उय दषन धी रत्रिदत्रया दयान क्रिकाय थ गार्दध दषायाः
 ज्ञधियति हला हा र च्यावति क्रियनि ग्व कृक न स मर्धु या डा धी ३ स्म स्म नयत्र भ षत्र धर्क थ क या यसा दन क्रियनी
 स्मन थ ग्राधल की वत्र यसा दला डा हा हा र च्यावति कृ न हा ल ना ग्राहडा गुलिका लन ख स मर्क क न्य धू ना क्रिन ३०
 खसिया डा या डा र्ध क न्य धू ना हा र त्रिया न (थ न धन्य २ धा य कृ ख डा कृ न धा ल सा का य म हा दः ख क कृ सिया डा लि ल
 हा त थ थ हा य का डा म हा न ग क स य द ल या डा यान थ थ क न त्र स या डा हा षत्रया र र्वा या य कृ न सा मर्थ थ त न कृ
 न त धन्य २ धा य कृ न त ग्रा हा हा र च्यावति कृ न त य स्या न धी स स्म नी यत्र भ षत्र ल स मु रु या डा थ डा हा ग्रीर

क २

हा ५

१००

मूक शयकाडा गानि हला य दडा हा र त्रिया थ त न स दा काल धी ३ स्म स्म नयत्र भ षत्र या ग य ध्या न न ग ल स थ त का
 डा ति डा डा स थाल या प्र षा द न रू द ला क स म हा स खि रु या डा कृ न काल स स्म र्क प्रा क्रि रु यि डा हा र च्यावति आ डा थ ग व
 न्य दषा या गानि रु या डा स ख न ग ब्रु क मान या डा डा क्रिका य न व ग्रा त्र या स दारि न क या डा थ ग ब्र या र र्वा या डा डा ३० खि
 द त्रि द्र या उ द्र त्र या डा थ ग ब्र या ल क्रि रु या डा स ख न ग धर्क हा र च्यावति क्रिन या डा क र्म स म र्क ख कृ क न्य धू ना आ
 डा ग व न्य व ति क रू रु डा मि ल य रु या डा थ ग ब्र या ध धा का या डा स्वा मि म हा ग्रा त्र न व ग्रा त्र या स द्रा या डा यत्र म स ख न का
 क धर्क क्रि रु ल व द्र ज व स्म रु ला रु ला सा कृ य नी नि कृ स्या रु ला हा र च्यावति आ डा थ ताल सा का डा धर्क धा या डा स म स धू
 कृ ति या ताल सा र च्यावति ग व ध व ति ल डा डा डा वि ल थ न लि र च्यावति न रु ल र्मा मा रु या आ कृ रु डा डा म न स

श्रीम

१०१

तिद्वयमानया हाउधाया हा मा इ धन्य २ कलयाल कलयालसनया हातयस्यान क्रियनी सत्याभि वरात्रात्रा
हउा क्रिगानिधाय काउरा नधुना धत हर्ल कलयालया तयस्यान हा मा इ धत नधन्य २ कलयालथका कलयालया
प्रहा दन क्रियनी सनमरा सूख सयदला यधुना धन्य २ कलयाल धर्क थाया हा थिथियत्र स्यात्र नख हा हा हा यत्र मश
नन्दनधन धनलि नवरात्रात्रा नल हे मा समस्य की यनी कडा हातया हा रन्धाव तिया ख कडा मनस अति आनन्दय
हा हा मा मवमय कडा हातया हा रन्धावति राव धवति निष्क कलात राडा खडा सतया हा यत्र मसूखन काल दहा
उा न ॥ ॥ धनलि नवरात्रात्रा नल हा धर्मनय रायतिया लयया हा हा यदु दी ग मा ग विचय का हा समुद्र सिम
नया हा हा थ स २ म नी यनी सु रा ब्या रा ला विया हा ज्ञन ठा सु यनी मा र का हा क ग आदिर्न का या हा ज्ञन ने पूरा हा

ला ५

१०१

कथा आदिर्न कडा हा हा २ यदि तयनी थ हा थ सतया हा न्या यनि ति थ या हा हा हा मु या प्रमान थ नीति नय रायनी
तिया लय या हा हा थ दहा हा द विदा त्रिद स म दय क धन म द क या त धन विया हा क म द क या त क विया हा व म द क या
त व विया हा प्राला क या त दू या थ म द सूख विया हा ज्ञन ठा दान क र्हि या हा हा वा क हा य नि सु म द सूख विया हा व र्ध
२ यति श्री ३ स्वस्व नयत्र म श्रया धर्म वरु द हा हा सदा काल निस्व वा क हा य नि ला ग न या त का हा म द आनन्दन य
शामान्य या हा हा श्री रा वा ति ठी ता पूरा न आदि ज्ञन ठा पूरा न या क था कडा हा व दान आ दी ज्ञन ठा दान पुष्प या हा हा म
मवमय क या क निष्क कलातर्न स दा या त का हा मा म या त म द यत्र म सूखन तया हा नी ती धर्मनय राय तिया लया
हा हा म द २ य रा क र्म थ ला हा हा द वृद्धि ठा न म नी यनी सु थ स २ रा ब्या रा ला विया हा हा २ यदि त थ हा हा हा हा त





